शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 185 | गुवाहाटी | शनिवार, 28 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मैट्रिक की छात्रा से निकाह करने पहुंचा, चार गिरफ्तार पेज 3
प्रधानमंत्री की 'परीक्षा पे चर्चा' में बच्चों को सीख, कहा -कुछ पाने के लिए... पेज 4
अनर्गल प्रलापों के पीछे अखिलेश यादव का हाथ : केशव प्रसादस मौर्य पेज 5
राजस्थान की खुली जेल का दौरा करेंगे सर्वोच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीश पेज 8

त्रिपुरा-मेघालय चुनाव ईसी ने भूल स्वीकारी

फाइल फोटो

नई दिल्ली। त्रिपुरा और मेघालय चुनाव की तारीखों को लेकर चुनाव आयोग ने आज प्रेस रिलीज जारी किया। इसमें उससे एक भूल हो गई। भूल ये की आयोग ने दोनों राज्यों में होने वाले चुनाव की तारीखों में अदला-बदली कर दी। हालांकि, एक घंटे में उसने इसे सही कर दिया। आयोग ने 16 को 27 और 27 को 16 फरवरी कर दिया था। ये खबर वायरल होते ही ईसीआई ने फौरन उस गलती को ठीक कर लिया। बता दें कि प्रेस रिलीज में चुनाव आयोग ने त्रिपुरा में 27 फरवरी और मेघालय में 16 फरवरी को मतदान होंगे ये लिख दिया था। हालांकि, बाद में वही तारीख को मेंशन किया जिसकी घोषणा कुछ दिनों पहले हुई थी। बता दें कि त्रिपुरा में 16 और मेघालय में 27 फरवरी को चुनाव की तारीख बताई गई थी। त्रिपुरा और मेघालय दोनों राज्यों में 60-60 विधानसभा सीटे हैं। दोनों जगहों पर एक ही चरण में मतदान होंगे। त्रिपुरा विधानसभा का कार्यकाल 22 मार्च को समाप्त हो रहा है। त्रिपुरा में इस समय भाजपा की सरकार है। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और आईपीएफटी ने साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था और वाम मोर्चे से सत्ता छीन ली थी। त्रिपुरा में 2018 में भाजपा और इंडीजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा विस चुनाव : माकपा 43 सीटों पर और कांग्रेस 13 पर लड़ेगी

अगरतला। त्रिपुरा की मुख्य विपक्षी पार्टी माकपा ने 43 सीटों पर उम्मीदवार की घोषणा की और 13 सीटें कांग्रेस के लिए आरक्षित रखीं। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वाम मोर्चा के संयोजक नारायण ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य भाजपा को सत्ता से बेदखल करना है। हम एक ही बैनर तले आए थे सिर्फ भाजपा को बाहर करने और पार्टी को राज्य से बाहर करने के लिए। हमने सभी भाजपा विरोधी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताकतों से अपील की है कि वे भगवा पार्टी को हटाने के लिए एक साथ आगे आएं। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी ने 24 नए और चेहरों को पेश किया है, जो पहली बार इस चुनाव में उतरेंगे। हालांकि, इस बार माकपा से पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार, पूर्व वित्त मंत्री भानु लाल साहा, शाहिद चौधरी, बादल चौधरी, जशबीर त्रिपुरा, तपन चक्रवर्ती और मबासर अली जैसे कई दिग्गज नेताओं को इस बार राहत मिली है। -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा पूर्ण शांति का आखिरी पड़ाव : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुंख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में पूर्ण शांति बहाली का आखिरी पड़ाव अल्फा (आई) है। इस दौरान उन्होंने अल्फा सदस्यों से मुख्य धारा में लौटने की अपील भी की। यह बात उन्होंने गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड : भाजपा और एनडीपीपी 20-40 सीटों के साथ लड़ेंगे चुनाव

कोहिमा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने कहा है कि आगामी नगालैंड विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) 20:40 सीटों के बंटवारे के समझौते के अनुसार लड़ेंगे, जो दोनों दलों ने पहले तय किया था। सीट बंटवारे को लेकर जो बात भाजपा और एनडीपीपी ने पहले की थी. बदला नहीं जा सकता। नगालैंड के मुख्यमंत्री रियो नगालैंड में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक सीटों की मांग को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। सीट बंटवारे के समझौते में बदलाव का कोई सवाल ही नहीं है। यह निर्णय लिया गया कि एनडीपीपी और -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व टीएमसी प्रमुख और माकपा नेता भाजपा में

अगरतला/नई दिल्ली। त्रिपुरा में टीएमसी और सीपीआईएम को चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। राज्य में पूर्व टीएमसी प्रमुख सुबल भौमिक और सीपीआईएम नेता मोबाशर अली शुक्रवार को दिल्ली में भाजपा में शामिल हो गए। त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर साहा ने कहा कि आगामी चुनाव के मद्देनजर इन दोनों नेताओं के शामिल होने से पार्टी को मजबूती -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

ट्रांसजेंडरों के अधिकारों पर जागरुकता जरूरी : पीयूष

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को दिसपुर जनता भवन (असम सचिवालय) में अपने कार्यालय के बैठक कक्ष में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की नियमित बैठक को संबोधित किया। मंत्री ने ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में बैठक में सबसे पहले बोर्ड के पहले के कामकाज का जायजा लिया। बैठक में मंत्री ने समाज में किन्नरों -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की छवि बिगाड़ने का जरिया बना ट्विटर

नई दिल्ली। देश की फैक्ट चेकिंग वेबसाइट डिजिटल फारेंसिक, रीसर्च एंड एनालिटिक्स सेंटर (डीएफआरएसी) ने गहन अध्ययन के बाद जानकारी दी है कि भारत की छवि को बिगाड़ने के लिए ट्विटर का जमकर इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत विरोधी लोग देश की छवि को खराब करने के लिए ट्विटर को एक दुष्प्रचार के टूल के तौर पर गलत और भड़काऊ जानकारियां साझा कर रहे हैं। नॉन प्राफिट डीएफआरएसी ने तमाम जानकारियों का विश्लेषण करके पाया कि एक ट्विटर एकाउंट को भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि को खराब करने के लिए ही बनाया गया है। उस अकाउंट की 11 जुलाई, 2022 की पुरानी पोस्ट में ट्वीट कर बताया गया था कि कश्मीर में बकरीद पर सभी मस्जिदें बंद थीं। मुसलमानों को यह त्योहार मनाने की इजाजत नहीं दी गई। जब डीएफआरएसी ने इस दावें की जांच की तो इसे पूरी तरह से फर्जी पाया। इस फैक्ट चेक संस्था ने गूगल, समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से तथ्यों को परखा तो पाया कि पुराने शहर में स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद को छोड़कर पूरी कश्मीर घाटी में मुसलमानों ने बकरीद मनाई थी। बकरीद पर 45 हजार मुसलमानों ने हजरत बल दरगाह पर नमाज पढ़ी थी। इसलिए डीएफआरएसी के अनुसार, उस ट्विटर अकाउंट का दावा कि बकरीद पर घाटी में मस्जिदें बंद रहीं, फर्जी खबर है। इसी तरह, ट्विटर अकाउंट ने 6 नवंबर, 2022 को एक रैली का वीडियो साझा कर दावा किया कि कश्मीर की पहचान बदलने और परिसीमन के खिलाफ पूरी कश्मीर घाटी में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। जबकि डीएफआरएसी टीम की जांच में पता चला कि वह रैली कश्मीर की पहचान बदलने के -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नेपाल के डिप्टी पीएम फर्जी नागरिकता के दोषी

काठमांडु। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रबी लामिछाने को उनके पासपोर्ट और नागरिकता के मुद्दे पर उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया है। दरअसल, युवराज पौडेल नाम के एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट में उनके खिलाफ याचिका दाखिल की थी, जिसके बाद कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। याचिका में लमिछाने नेपाल के नागरिक नहीं होने का आरोप किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार लामिछाने के पास अमेरिकी नागरिकता है। युवराज ने गुजारिश की थी कि लमिछाने को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष पद से तुरंत हटाया जाए। याचिका में इस ओर ध्यान दिलाया गया था कि नेपाल के संविधान -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय विस चुनाव : पीएम आएंगे अगले महीने

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेघालय में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए फरवरी के दूसरे सप्ताह में पूर्वोत्तर राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार करेंगे। यह जानकारी मेघालय की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अर्नेस्ट मावरी ने शुक्रवार को दी। मावरी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी और नितिन गडकरी राज्य में 27 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए भाजपा के 20 स्टार प्रचारकों में शामिल होंगे। मावरी ने कहा कि भाजपा शासित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी राज्य में प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे की तारीख अभी तय नहीं हुई है। हालांकि 10 फरवरी के बाद, हो सकता है कि 11-12 को प्रधानमंत्री राज्य के सभी खासी, जयंतिया और गारो पहाड़ी क्षेत्रों में कई चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। भाजपा की नजर 60 सदस्यीय सदन में अपनी सीटों की संख्या को बढ़ाने पर है जो वर्तमान में केवल दो है ताकि वह राज्य में अगली सरकार का नेतृत्व कर सके। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा के उम्मीदवारों के नाम पर दिल्ली में मंथन

नई दिल्ली। आगामी त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक यहां पार्टी मुख्यालय में आरंभ हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस बैठक में मौजूद हैं। उनके अलावा भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित पार्टी की सीईसी के अन्य सदस्य मौजूद हैं। बैठक में भाजपा की त्रिपुरा इकाई के कोर समूह के सदस्य भी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
अशुभ कार्यों को नहीं करना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कैप्टन अमरिंदर सिंह महाराष्ट्र के अगले गवर्नर!

अमृतसर। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह महाराष्ट्र के अगले गवर्नर बन सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं भाजपा की टॉप लीडरशिप में इसको लेकर सहमति बन गई है। कैप्टन को नया रोल सौंपने की चर्चा इसलिए भी गर्म है, क्योंकि कैप्टन के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अच्छे संबंध हैं। वहीं, भाजपा अमरिंदर को 83 मेंबर वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी में पहले ही शामिल कर चुकी है। कैप्टन को गवर्नर बनाए जाने के बारे में पूछने पर पंजाब भाजपा के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि उन्हें इस बारे में अभी कुछ -शेष पृष्ठ दो पर

भारत अब दुनिया में चमक दिखा रहा : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थव्यवस्था से जुड़े पहलुओं से निपटने को लेकर सरकार के आलोचकों पर तंज करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार को औसत प्रतिभा वाले लोगों से भरा बताकर मजाक उड़ाया जाता था लेकिन जिस भारत को सामान्य समझा गया, वह अब दुनिया में चमक रहा है। राजधानी स्थित तालकटोरा स्टेडियम में *परीक्षा पे चर्चा* वार्षिक संवाद के छठे संस्करण के दौरान छात्रों से संवाद में मोदी ने कहा कि उनका यह दृढ़ विश्वास है कि समृद्ध लोकतंत्र के लिए आलोचना एक *शुद्धि यज्ञ* है, मजबूत लोकतंत्र के लिए आलोचना पूर्व शर्त है। उन्होंने कहा कि लेकिन आलोचना और आरोप के बीच काफी बड़ा अंतर है। एक छात्र के प्रश्न के उत्तर में प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने दो-तीन वर्ष पहले देखा होगा कि हमारी सरकार के बारे में लिखा गया कि इसमें कोई अर्थशास्त्री नहीं है। यह औसत लोगों से भरी हुई है। प्रधानमंत्री को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है। लेकिन आज वही देश जिसे औसत बताया गया, वह दुनिया में चमक रहा है। मोदी ने कहा कि दुनिया ऐसे समय में भारत को उम्मीद भरी नजर से देख रही है जब कोविड-19 महामारी के बाद के काल में वैश्विक आर्थिक स्थिति के बारे में चर्चा की जा रही है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल के सुरक्षा घेरे में लोगों के घुसने से यात्रा कैंसल

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के काजीगुंड में एंट्री के सिर्फ एक किलोमीटर बाद ही राहुल गांधी की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई। यहां राहुल के सुरक्षा घेरे में कई लोग घुस आए थे। इसके बाद पुलिस राहुल गांधी और उमर अब्दुल्ला को गाड़ी में बैठाकर अनंतनाग ले गई। अनंतनाग में राहुल ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आज यात्रा के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो गई। टनल से निकलने के बाद पुलिसकर्मी नहीं दिखे। मेरे सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि हम और नहीं चल सकते। मुझे अपनी यात्रा रोकनी पड़ी। बाकी लोग यात्रा कर रहे थे। राहुल ने कहा कि भीड़ को काबू करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, ताकि हम यात्रा कर सकते। मेरी सुरक्षा में लगे लोगों की -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री से देश भर में बवाल, प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली। बीबीसी डॉक्युमेंट्री को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के आर्ट फैकल्टी के बाहर एनएसयूआई के छात्र और सदस्यों को विरोध प्रदर्शन करने के चलते दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। साथ ही फैकल्टी के बाहर धारा 144 लागू कर दी है। उत्तर दिल्ली की एडीसीपी रश्मि शर्मा ने बताया कि जो सार्वजनिक व्यवस्था और शांति व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न करता है, उस पर पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ती है। और ऐसा ही आज किया जा रहा है। आर्ट फैकल्टी (कला संकाय) के बाहर भीम आर्मी संगठन के छात्रों ने भी प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जहां से कुछ छात्रों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। जेएनयू और जामिया मिलिया इस्लामिया में प्रदर्शन होने के बाद एनएसयूआई-केएस संगठन ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में 2002 के गोधरा दंगों पर बनी विवादास्पद बीबीसी डाक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग आयोजित करने का आह्वान किया था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने आर्ट फैकल्टी के बाहर डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग की इजाजत नहीं दी है। इसे लेकर विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर रजनी अब्बी ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद एनएसयूआई के छात्रों और सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन चालू कर दिया। इस दौरान मौके पर पुलिस भी पहुंच गई और कई छात्रों को हिरासत में लिया है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने फैकल्टी के बाहर धारा 144 लागू कर दी है। दिल्ली की अंबेडकर यूनिवर्सिटी में बीबीसी की डॉक्युमेंट्री की स्क्रीनिंग करने से रोकने के लिए प्रशासन ने बिजली कटवा दी है, जिसके विरोध में छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। कॉलेज के छात्र लैपटॉप में डाउनलोड करके डॉक्युमेंट्री देख रहे हैं। बता दें कि प्रशासन ने विवाद को बढ़ता देख कॉलेज के गेट भी बंद कर दिए है।

गणतंत्र दिवस पर पीएम की पगड़ी ने फिर खींचा ध्यान, वसंत पंचमी के त्योहार से रही प्रेरित

नई दिल्ली। हर बार गणतंत्र दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक खास तरह की टोपी या पगड़ी में नजर आते हैं। गणतंत्र दिवस 2023 के परेड समारोह में वे बेहद आकर्षक पगड़ी में नजर आए। भारत के 74वें गणतंत्र दिवस पर देश की विविधता को दर्शाते हुए पीएम परंपरागत राजस्थानी पगड़ी पहने नजर आए। पीएम की पगड़ी का रंग वसंत पंचमी से भी प्रेरित रहा। पीएम की इस बार की पगड़ी में पीला और केसरिया रंग नजर आया। पीएम मोदी अब तक कई मौकों पर बंधेज वर्क की पगड़ी में नजर आए हैं, आज की उनकी पगड़ी भी बंधेज वर्क की ही है। वर्ष 2015 से पीएम नरेंद्र मोदी गणतंत्र दिवस पर आकर्षक पोशाक में नजर आए हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 के पहले परेड में पीएम राजस्थानी बंधनी पगड़ी में नजर आए थे। वर्ष 2016 के गणतंत्र दिवस परेड के दौरान उन्होंने पीले रंग की पगड़ी पहली थी। वर्ष 2017 के गणतंत्र दिवस परेड के दौरान पीएम गुलाबी रंग की सफेद बॉर्डर वाली पगड़ी में नजर आए थे। वर्ष 2018 के गणतंत्र दिवस परेड के दौरान प्रधानमंत्री ने लाल और पीले रंग की पगड़ी पहनी थी। वर्ष 2019 में पीएम ने लाल की पगड़ी पहनी थी जिसपर सुनहरी धारियां बनीं हुई थीं। वर्ष 2021 में पीएम जामनगर के रॉयल परिवार की ओर से गिफ्ट में मिली लाल पगड़ी पहनी थी। पिछली बार वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड की ब्रह्मकमल टोपी (पहाड़ी टोपी) पहनी थी। इसकी जानकारी खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर दी थी।

राज्यभर में विभिन्न दल संगठनों ने मनाया गणतंत्र दिवस

गुवाहाटी/होजाई (नसं)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा ने अपनी गोद ली हुई चाभीपुल स्थित आठगांव चाभीपुल प्राथमिक विद्यालय में कई कार्यक्रमों के साथ गणतंत्र दिवस का पालन किया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, प्रांतीय संगठन मंत्री कृष्ण कुमार जालान, शाखा अध्यक्ष विनोद कुमार लोहिया व विद्यालय के प्रधानाद्यापक हरिधन कोटोकी ने झंडोत्तोलन किया। वाक् एंड टॉक मार्निंग क्लब के द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में फूड विला परिसर में ध्वजा रोहण का कार्यक्रम बहुत ही उत्साह पूर्वक और धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर ग्रुप के सदस्य किशोर शर्मा, अरविंद साबू, सुनील अग्रवाल, महेंद्र जैन, नीरज जैन, सुनील जैन, रतन अग्रवाल, मालचंद सिंघी, अशोक जैन, नवनीत जैन, पुशराज भुरट, दीपक जैन विजय जैन सर्वेश जैन, प्रमोद अग्रवाल, अशोक जाजोदिया आदि सदस्य मौजूद थे। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने गणतंत्र दिवस समारोह राष्ट्रीय शिक्षा सदन विद्यालय में मनाया। प्रधानाद्यापिका मामोनी सिंहा और विद्यालय के अध्यक्ष का सम्मान करते हुए कार्यक्रम शुरू किया गया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान के साथ इस राष्ट्रीय पर्व का शुभारंभ हुआ जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और बच्चों को पुरुष्कृत किया गया। मारवाड़ी हॉस्पिटल ने अस्पताल परिसर में 74वां गणतंत्र दिवस भव्य तरीके से मनाया। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) ने अपने सदस्यों के लिए गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दस, पांच एवं तीन किलोमीटर के दौड़ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जेमा के सदस्यों में काफी उत्साह देखा गया एवं करीब सौ सदस्यों ने इसमें हिस्सा लिया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित गुवाहाटी महिला मंडल के तत्वावधान में 74 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष पर स्थानीय दिघलीपुखरी स्थित कन्या सुरक्षा सर्कल में ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। होजाई अनुमंडल के शंकर देव नगर कचहरी मैदान में 74 वे गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में पूरे हरश - उल्लास के साथ मनाया गया है। इस मौके पर अनुमंडल शंकरदेव नगर के कचहरी मैदान में आयोजित केंद्रीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में होजाई जिला अधिकारी एवं वर्तमान होजाई अनुमंडल कार्य प्रभारी श्रीसीमंत कुमार दास उपस्थित रहे तथा भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण से पूर्व मुख्य अतिथि ने मुख्य हॉल में स्थापित शहीद वेदी दीप प्रज्वलित किया। रियर गार्ड, अर्धसैनिक बल, राष्ट्रीय शिक्षा बल, स्कूल-कॉलेज के सभी छात्र-छात्राओं ने परेड कर बधाई दी।

यात्रियों को छोड़कर उड़ान भरने के मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र की नियामक संस्था डीजीसीए ने गो फर्स्ट एयरलाइंस फ्लाइट द्वारा 55 यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही छोड़कर उड़ान भरने के मामले में कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की है। डीजीसीए ने कंपनी पर 10 लाख रुपए के जुर्माना लगाया है। इससे पहले, विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनी गोफर्स्ट के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया था। डीजीसीए ने गो फर्स्ट के जवाबदेह प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया था कि उनके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई क्यों न की जाए। डीजीसीए ने अपनी कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गो फर्स्ट ने 25 जनवरी को कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। एयरलाइन कंपनी के जवाब के मुताबिक, विमान में यात्रियों की बोर्डिंग के संबंध में टर्मिनल समन्वयक (टीसी), वाणिज्यिक कर्मचारियों और चालक दल के बीच संचार और समन्वय की कमी थी।

पृष्ठ एक का शेष

त्रिपुरा-मेघालय चुनाव ...

वाम मोर्चे से सत्ता छीन ली थी। भाजपा को 35 सीटें मिली थीं। वहीं अगर वोट प्रतिशत की बात करें तो 43.4 था। इसके अलावा सीपीआई (एम) को 16 और आईपीएफटी को 8 सीटें मिली थीं। वही, मेघालय विधानसभा का कार्यकाल 15 मार्च को खत्म हो रहा है। यहां नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की सरकार है। मेघालय में होने वाले चुनाव की तारीखों के एलान से पहले अलग-अलग पार्टियों के पांच विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था।

त्रिपुरा विस चुनाव...

इस बार इन 60 सीटों में से 43 सीटों पर माकपा, 13 पर कांग्रेस, 1 पर भाकपा, 1 सीट पर आरएसपी और 1 पर फॉरवर्ड ब्लॉक जबकि एक सीट पर एक उम्मीदवार निर्दलीय चुनाव लड़ेगा। इस चुनाव में छह मौजूदा उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, जबकि माकपा राज्य समिति सचिव सबरूम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। धनपुर विधानसभा क्षेत्र से, जो पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार का गृह क्षेत्र था, अब कौसिक चंदा चुनाव लड़ेंगे।

अल्फा पूर्ण शांति...

सीएम शर्मा ने कहा कि अल्फा और सरकार के बीच एक बार बातचीत शुरू करने पर असम शांतिपूर्ण राज्य में तब्दील होने लगेगा। उन्होंने कहा, अब समय वैसा नहीं है जैसा अल्फा के गठन के समय था। आज, राज्य तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। लोगों की मानसिकता में बदलाव आया है और यह परिवर्तन अल्फा (आई) में भी दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्फा (आई) पूर्ण शांति हासिल करने की दिशा में आखिरी पड़ाव है। मुझे विश्वास है कि हम जल्द ही वहां पहुंचने में कामयाब होंगे।

नगालैंड : भाजपा और ...

भाजपा 40:20 सीटों के बंटवारे के अनुसार नागालैंड में विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। नगालैंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी सीट पर एनडीपीपी और भाजपा के बीच दोस्ताना मुकाबला नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीपीपी इस महीने के अंत में नागालैंड विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। नगालैंड की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान एक चरण में 27 फरवरी को होना है। वोटों की गिनती दो मार्च को की जाएगी।

पूर्व टीएमसी प्रमुख ...

मिलेगी। केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा नेतृत्व के कारण जनता का भरपूर समर्थन और हम पर विश्वास है। भाजपा त्रिपुरा में एक बार फिर सरकार बनाएगी। बता दें कि 16 फरवरी को त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। 2 मार्च को नतीजे सामने आएंगे।

ट्रांसजेंडरों के अधिकारों ...

के सामने आने वाली समस्याओं का जायजा लिया और इस संबंध में बोर्ड की भूमिका पर विशेष जोर दिया। मंत्री हजारिका ने समाज में अन्य लोगों के बीच जागरूकता लाने के लिए विशेष रूप से समाज में ट्रांसजेंडरों की स्वीकृति के बारे में विज्ञापनों की मदद लेने पर जोर दिया। इसके अलावा आज की बैठक में जिला स्तर पर जागरूकता बैठक आदि आयोजित कर लोगों में जागरूकता लाने का भी निर्णय लिया गया। इस संबंध में, मंत्री ने कहा कि वह जल्द ही प्राथमिक स्तर पर चयनित जिलों के उपायुक्तों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस में भाग लेंगे। आज की बैठक में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के अन्य सदस्यों की सलाह पर जिला स्तर पर ट्रांसजेंडरों के लिए एक कल्याण समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया। उधर, असम पुलिस के सहयोग से ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल के गठन पर भी आज चर्चा हुई और मंत्री हजारिका ने बोर्ड के सदस्यों को सूचित किया कि इस संबंध में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। दूसरी ओर, मंत्री हजारिका ने उपस्थित सदस्यों से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत ट्रांसजेंडरों के पंजीकरण के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण के क्षेत्र में आवश्यक जागरूकता लाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। आज की बैठक में असम सरकार के कई विभागों के सचिवों, अतिरिक्त और संयुक्त सचिवों, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के निदेशक और बोर्ड के अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

भारत की छवि ...

खिलाफ नहीं हो रही थी। बल्कि कुपवाड़ा से जम्मू तक बक्करवाल और गुज्जर समुदाय के लोग सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उनके प्रदर्शन करने का कारण पर्वतीय लोगों को एसटी की श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग थी। इसके अलावा, वही अकाउंट ने 5 अक्तूबर, 2022 को ट्विटर पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि भारतीय सेना ने छह कश्मीरी युवकों की हत्या कर दी है। डीएफआरएसी ने इस खबर को भी अपनी जांच में पूरी तरह से फर्जी पाया।

नेपाल के डिप्टी ...

के तहत सिर्फ नेपाल का नागरिक ही मतदान कर सकता है, चुनाव लड़ सकता है, और राजनीतिक पार्टी बना सकता है। याचिका में दावा किया गया है कि लमिछाने का संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचन और उनका आरएसपी का अध्यक्ष बनना अवैध है। इतना ही नहीं, याचिका में दावा किया गया है कि लमिछाने ने नेपाल की नागरिकता त्याग दी थी और अब वे अमेरिका के नागरिक हैं। उन्होंने चितवन-2 चुनाव क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल करते समय अपनी पुरानी नागरिकता के दस्तावेज पेश किए थे।

मेघालय विस चुनाव...

अधिसूचना जारी किए जाने के बाद भाजपा फरवरी में अपने उम्मीदवारों की सूची की घोषणा करेगी। उन्होंने प्रदेश चुनाव समिति की एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा कि हमने आज सूची तैयार की है और हम इसे दिल्ली भेजने जा रहे हैं। हम दो फरवरी तक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकते हैं। मावरी के मुताबिक, पार्टी करीब 10 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। आगामी चुनाव में पार्टी को पिछली बार से ज्यादा सीटें मिलने का भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि पिछली बार हमने 25 सीटों पर जीत का अनुमान लगाया था। इस बार हमने 35 सीटों का अनुमान लगाया है और हम अधिक सीटें जीतने की उम्मीद करते हैं ताकि हम सरकार का नेतृत्व कर सकें। मावरी ने कहा कि हम किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन की योजना नहीं बना रहे हैं। हमें समान विचारधारा वाले दलों का पता लगाने के लिए नतीजों का इंतजार करना चाहिए जो भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के हमारे एजेंडे का पालन करने के इच्छुक हों। भाजपा राज्य में मुख्यमंत्री कोनराड पी संगमा की नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेतृत्व वाले मौजूदा सत्तारूढ़ मेघालय डेमोक्रेटिक एलायंस की एक सहयोगी है। मावरी ने कहा कि पार्टी अपने घोषणापत्र में विकास पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि सड़कों (मेघालय में) के मामले में हमारे पास अच्छा बुनियादी ढांचा नहीं है। लोग हमेशा यातायात जाम की शिकायत करते हैं। हमारे पास मेडिकल या इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं हैं। अगर हमारे पास डबल इंजन की सरकार हो यानि यहां मेघालय और केंद्र में एक ही पार्टी की सरकार हो, तो ये सभी मुद्दे हल हो जाएंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने असम में प्रगति की ओर इशारा करते हुए कहा कि पड़ोसी राज्य को देखिए। वहां सड़कों, कॉलेजों और मेडिकल कॉलेजों के मामले में तेज गति से विकास हुआ है। मेघालय के लोगों की विकास के लिए समान आकांक्षाएं हैं। अगर हमें (मेघालय में) अगली सरकार बनाने का मौका मिलता है तो हम इसे उठाएंगे। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी तक उनके बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि कुछ उम्मीदवारों के खिलाफ कुछ मामले हों, लेकिन यह हमारे संज्ञान में नहीं आया है। अगर हमें ऐसी सूचना मिलती है तो हम चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का पालन करेंगे। इनर लाइन परमिट मुद्दे पर पार्टी के रुख के बारे में पूछे जाने पर मावरी ने कहा कि राज्य सरकार ने इस पर विधानसभा में एक आधिकारिक प्रस्ताव पारित किया है और यह अब केंद्र के पास है। हम केंद्र के फैसले का इंतजार करेंगे।

त्रिपुरा के उम्मीदवारों ...

शामिल हैं। इससे पहले, गुरुवार को उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा के लिए नड्डा, शाह, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, भाजपा के प्रदेश प्रभारी महेश शर्मा और राज्यसभा सदस्य बिप्लब देब सहित अन्य नेताओं ने देर रात तक एक बैठक की थी। पार्टी मुख्यालय में आज चल रही बैठक के बाद त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जा सकती है। त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 16 फरवरी को मतदान होना है। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 30 जनवरी है। मतों की गिनती दो मार्च को होगी। भाजपा ने 2018 में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के 20 साल के शासन को समाप्त करते हुए त्रिपुरा में पहली बार अपनी सरकार बनाई थी।

भारत अब दुनिया में ...

कहा कि ऐसा नहीं है कि दुनिया में अर्थशास्त्रियों की कमी है। ऐसे अनेक नोबेल पुरस्कार सम्मानित विद्वान हैं, जो आर्थिक स्थिति में क्या संभावनाएं हैं, इसके क्या प्रभाव होंगे आदि के बारे में मार्गदर्शन कर सकते हैं। बुद्धिमता की बात करने वाले लोग इन दिनों हर कोने में हैं। ऐसे शिक्षाविद भी हैं जिन्होंने काफी काम किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित देशों में बढ़ती मंदी के साथ भारत तेजी से आगे बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है और अनेक वैश्विक निकाय देश का पक्ष ले रहे हैं और कह रहे हैं कि भविष्य में यह अच्छा करेगा। प्रधानमंत्री मोदी से एक छात्र ने सवाल पूछा था कि जिन्हें औसत या सामान्य समझा जाता है, वे अपनी पढ़ाई को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ज्यादातर लोग सामान्य स्तर के होते हैं, असाधारण लोग बहुत कम होते हैं और सामान्य लोग जब असामान्य काम करते हैं, तो वे ऊंचाई पर चले जाते हैं और सामान्य के मानदंड को तोड़ देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी को *तीस मार खां* बनने की जरूरत नहीं है, कई लोग सामान्य से नीचे होते हैं लेकिन अपने आप को तीस मार खां समझते हैं। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों को विस्तार देने का अवसर देना चाहिए, उन्हें बंधनों में नहीं बांधना चाहिए। अपने बच्चों को समाज के विभिन्न वर्गों में जाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। जब एक छात्र ने पूछा कि वे आलोचना और आरोपों के किस तरह से देखते हैं तब मोदी ने सीधे कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आलोचना करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है, विश्लेषण करना पड़ता है। ज्यादातर लोग आरोप लगाते हैं, आलोचना नहीं करते। आलोचना और आरोप में बड़ी खाई है। उन्होंने हल्के फुल्के अंदाज में इन सवालों पर कहा कि यह आउट आफ सिलेबस (पाठ्यक्रम से बाहर) हैं।

राहुल के सुरक्षा ...

सलाह को दरकिनार करना मेरे लिए मुश्किल था। इधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट किया कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर में राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक परेशान करने वाली है। भारत पहले ही दो पीएम और कई नेताओं को खो चुका है। हम यात्रियों के लिए बेहतर सुरक्षा की मांग करते हैं। राहुल गांधी की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने नाराजगी जताई। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पर निशाना साधा। वेणुगोपाल ने सुरक्षा में सेंध के लिए पुलिस अधिकारियों और सीआरपीएफ के जवानों को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 15 मिनट से यात्रा के साथ कोई भी सुरक्षा अधिकारी नहीं थे, ये गंभीर चूक है। राहुल और अन्य कार्यकर्ता बिना सुरक्षा के यात्रा में आगे नहीं बढ़ सकते हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि कल तक जम्मू में सब कुछ ठीक था, लेकिन अब क्या हुआ। वो सारे पुलिस अधिकारी कहां थे, यहां मौके पर कोई नहीं था, यह बड़ा मामला है। हमारी पार्टी के नेताओं ने गर्वनर और पुलिस अधिकारियों के साथ एक महीने पहले ही बैठक की थी। हमने गुरुवार शाम तक इस बारे में कोई शिकायत नहीं की थी। अब हम इस तरह से आगे नहीं जा सकते क्योंकि इस एरिया में कोई भी आता-जाता है। सुरक्षा बलों को भी इस एरिया के बारे में पता है। यात्रा सिर्फ 2-3 दिन के लिए है। सुरक्षा में हुई इस चूक के लिए सिक्योरिटी फोर्सेस को जवाब देना पड़ेगा। कल उन्होंने हमें इसी रूट के बारे में बताया था, हम सब कोऑर्डिनेशन के हिसाब से कर रहे हैं। हमारी टीम बाजार के रास्ते से जाना चाहती थी, लेकिन सुरक्षाबलों ने कहा कि उधर से मत जाइए तो हम नहीं गए। भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। इसने गुरुवार रात को पंजाब से जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। 30 जनवरी को राहुल गांधी श्रीनगर के कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके साथ ही यात्रा समाप्त हो जाएगी।

कैप्टन अमरिंदर ...

पता नहीं है। इधर, कैप्टन की नई भूमिका पर चर्चा तब तेज हुई, जब गृह मंत्री अमित शाह ने 29 जनवरी की पटियाला रैली रद्द कर दी। इस रैली से पंजाब में भाजपा का लोकसभा चुनाव कैंपेन शुरू होने वाला था। रैली की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और इसकी कमान कैप्टन को ही सौंपी गई थी। महाराष्ट्र के मौजूदा गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी पिछले कुछ समय से विवादों में हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने कहा था कि वे प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान पद छोड़ने की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में नए राज्यपाल की नियुक्ति तय मानी जा रही है। आर्मी से रिटायर्ड कैप्टन अमरिंदर अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) का भाजपा में विलय कर चुके हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह का नाम उपराष्ट्रपति पद के लिए भी चर्चा में आया था। हालांकि बाद में भाजपा ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बना दिया था। उस वक्त कैप्टन विदेश में इलाज करा रहे थे। तब तक कैप्टन ने अपनी पार्टी को भी अलग रखा हुआ था। पंजाब विधानसभा चुनाव से तीन महीने पहले कांग्रेस ने कैप्टन को मुख्यमंत्री के पद से हटा दिया था। कैप्टन ने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा से हाथ मिला लिया। चुनाव में कैप्टन सीधे तौर पर कोई करिश्मा नहीं दिखा सके। भाजपा भी ज्यादा सीटें नहीं जीत पाई। कैप्टन खुद पटियाला से चुनाव हार गए, लेकिन भाजपा पंजाब से कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने में कामयाब रही। कैप्टन अमरिंदर सिंह पटियाला से विधायक और पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने इससे पहले 2002 से 2007 तक पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उनके पिता पटियाला राज्य के अंतिम महाराजा थे। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 1963 से 1966 तक भारतीय सेना में भी काम किया है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को अमृतसर सीट पर उतारा था। उनके सामने पूर्व वित्तमंत्री अरुण जेटली थे। उन्हें हराकर कैप्टन सांसद बने, लेकिन 2017 पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया। 2017 में कांग्रेस की जीत के बाद वह पंजाब के मुख्यमंत्री चुने गए।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(योगाभ्यास)

आश्रम देश विविक्त में, गुहा शुभ्र जल ठाम।
निर्जन दृश्य अरण्य है, योगाभ्यास सुख धाम॥ 05॥

शब्दार्थ : (आश्रम) धाम (विविक्त देश) एकांत स्थान (गुहा) गुफा, कंदरा (जल ठाम) नदीतट (अरण्य) वन (सुख धाम) अनुकूल सुखकर स्थान।

भाष्य : योगियों के धाम या गुहा, नदीतट और निर्जन, एकांत वन तथा रुचिपूर्ण स्थान में योग का अभ्यास होता है।

शीतल जल झरना चले, पास गुहा गिरि धाम।
उपवन नदी प्रवाह है, योगाभ्यास रत नाम॥ 06॥

शब्दार्थ : (शीतल) ठंडा (झरना) पर्वत से निकला हुआ जल-प्रवाह (नाम रत) प्रभु-भक्ति (गिरि धाम) पर्वत का स्थान

भाष्य : जहां पर्वत से जल का प्रवाह चलता हो या उपवन, नदीतट हो एवं पहाड़ी गुहा हो, वहां रहकर प्रभुप्राप्ति के लिए योग का साधन होता है। झरना, उपवन एवं पहाड़ी गुहा में योग का अभ्यास होता है।

तापमान
अधिकतम 27°
न्यूनतम 14°

मैट्रिक की छात्रा से निकाह करने पहुंचा, चार गिरफ्तार

बरपेटा (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के गणतंत्र दिवस पर बाल विवाह के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के आह्वान के बाद जिले के सरभोग के कुरबाहा गांव में नाबालिग छात्रा से निकाह करने पहुंचे शौहर सनोवार हुसैन, काजी समेत चार लोगों को गुरुवार रात मैरिज हाल से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि छात्रा की उम्र 16 साल से कम है। सरभोग पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपितों में बरपेटा रोड स्थित सफाकमर में रहने वाला दूल्हे का पिता सायेब अली, चाचा नूर इस्लाम और काजी सानीदुल अली शामिल है। मैरिज हाल में कुरबाहा गांव के इदरीश अली की बेटी अल्मीना बेगम की शादी का इंतजाम किया गया था। अल्मीना बेगम को इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा देनी है। इदरीश अली झांसा देकर मैरिज हॉल से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की भूमिका की सराहना की है।

दिव्यांग महिला को मिला नया घर, मुख्यमंत्री का जताया आभार

दरंग (हि.स.)। दरंग जिला के मंगलदै निवासी दिव्यांग महिला रूना बोरा को नया घर मिल गया है। घर बन जाने पर रूना बोरा बेहद प्रसन्न हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा को गरीब परिवार का मददगार बताते हुए उनकी जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि ऐसा मुख्यमंत्री होने से हम जैसे गरीब परिवारों को राहत मिलती रहेगी। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा मंगलदै में कौशल विकास विश्वविद्यालय का भूमि पूजन करने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान शारीरिक रूप से दिव्यांग रूना बोरा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी और घर के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई थी। मुख्यमंत्री ने तुरंत दरंग जिला उपायुक्त को रूना बोरा के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक घर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 1 लाख 50 हजार रुपए भी आवंटित किए थे। गणतंत्र दिवस पर जिला उपायुक्त प्रणब कुमार शर्मा ने रूना बोरा के नए घर का उद्घाटन किया। घर मिलने से दिव्यांग महिला बोरा ने मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा का आभार व्यक्त कर रही हैं। रूना बोरा ने खुशी से मुख्यमंत्री के लिए एक गीत भी गाकर सुनाया।

बीटीआर शांति समझौता दिवस मनाया

कोकराझाड़ (हि.स.)। बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) इलाके में शुक्रवार को तीसरा बोडोलैंट टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) शांति समझौता दिवस मनाया गया। गोसाईंगांव अनुमंडल प्रशासन की पहल पर शुक्रवार को बीटीआर शांति समझौता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत गोसाईंगांव अनुमंडल कर्मचारी कॉलोनी में बीटीसी एवं गोसाईंगांव अनुमंडल के अभिभावक कार्यकारी सदस्य दिगंता बरुवा, गोसाईगांव विधायक जिरोन बसुमतारी, बीटीसी कार्यकारी सदस्य वकील मुसाहारी, अनुमंडल दंडाधिकारी आरण्यक सैकिया, एमसीएमए सजल कुमार सिंह सहित कई अन्य लोगों ने पौधरोपण किया। शांति समझौता दिवस के अवसर पर गोसाईंगांव हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान से श्रीरामपुर के श्यामागुड़ी खेल मैदान तक बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली को अभिभावक कार्यकारी सदस्य दिगंता बरुवा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री का परीक्षा पे चर्चा संवाद का सीधा प्रसारण

रंगिया (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में छात्रों के बीच आत्मविश्वास पैदा करने और एक तनावमुक्त और बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाने के उद्देश्य से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का उद्घाटन किया जिसका विभिन्न स्थानों के साथ कामरूप जिला के अमिनगांव स्थित एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सभागार में जिला के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों की उपस्थिति में सीधा प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में कामरूप जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे, जिले के शिक्षा विभाग के प्रभारी अतिरिक्त उपायुक्त कमल बरुआ, विद्यालय निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया और जिले के आठ विद्यालयों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में ददरा हायर सेकेंडरी स्कूल, डलीबाड़ी हायर सेकेंडरी स्कूल, सरायघाट हायर सेकेंडरी स्कूल, धोपाटारी शिलभड़ाल हायर सेकेंडरी स्कूल, सरला बिड़ला ज्ञानज्योति स्कूल, चांसारी हायर सेकेंडरी स्कूल, चौकी हायर सेकेंडरी स्कूल और अमीनगांव हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसके अलावा जिले के विभिन्न विद्यालयों में भी सीधा प्रसारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भाग लिया। एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित इस प्रसारण के प्रारंभ में जिला विकास आयुक्त ने सभी छात्र-छात्राओं के लिए बधाई भाषण दिया। प्रधानमंत्री मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समाप्त होने के पश्चात इस कार्यक्रम के अंश स्वरूप आयोजित की गई चित्रांकन प्रतियोगिता के विजेता अमिनगाँव उच्च माध्यमिक स्कूल की नौंवी कक्षा की छात्रा आशीदा खातून और दूसरा स्थान प्राप्त डलीबाड़ी उच्च माध्यमिक स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्र मृण्मय बैश्य को पुरस्कार प्रदान किया गया। आज के कार्यक्रम में सरला बिड़ला ज्ञानज्योति विद्यालय की 11वीं कक्षा की छात्रा अनुजा बी तनया और अमिनगाँव उच्च माध्यमिक विद्यालय के नौंवी कक्षा की छात्रा पायल चक्रवर्ती को सर्वश्रेष्ठ श्रोता के रूप में चुना गया तथा उन्हें सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में दोनों छात्रों ने प्रधानमंत्री द्वारा दी गई विभिन्न सलाहों पर भाषण दिया।

कामरूप निर्वाचन जिले की अंतिम मतदाता सूची जारी

रंगिया (निसं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आज समूचे असम के साथ कामरूप जिला निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत चार निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 2023 के लिए अंतिम मतदाता सूची की घोषणा की, अर्थात् 48 नं बोको (एससी), 49नं छयगांव, 50नं पलाशबाड़ी और 55नं हाजो विधानसभा क्षेत्र अतिरिक्त उपायुक्त प्रणब दत्त गोस्वामी और चुनाव अधिकारी मानसज्योति बोरा ने आधिकारिक तौर पर इसका प्रकाशन किया। आज जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार कामरूप विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 7,89,100 है। इनमें से 3,97,691 पुरुष और 3,91,409 महिला मतदाता हैं। नई मतदाता सूची के अनुसार 48नं बोको (एससी) निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 2,43,625 है। इनमें से 1,23,022 पुरुष और 1,20,603 महिला मतदाता हैं। इसी तरह 49नं निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 1,99,257 है इनमें 99,941 पुरुष मतदाता और 99,316 महिला मतदाता हैं। इसी तरह 50नं पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 1,62,202 है इनमें से 80,686 पुरुष मतदाता हैं और 81,516 महिला मतदाता हैं। इसके अलावा 55नं हाजो विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 1,84,016 है इनमें से 94,042 पुरुष मतदाता हैं और 89,974 महिला मतदाता हैं। इस साल की अंतिम मतदाता सूची में पिछले साल नौ नवंबर को जारी मसौदा मतदाता सूची के मुकाबले नए मतदाताओं के 0.70 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

भारी मात्रा में गांजा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हि.स.)। दक्षिण सालमारा-मानकचार जिले के दक्षिण सालमारा पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा के साथ तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि दक्षिण सलमारा थाना प्रभारी रितुपर्ण बनिया ने गुप्त सूत्रों के आधार पर दक्षिण सालमारा थानांतर्गत सूर्यमणि इलाके में तड़के एक घर पर छापेमारी की। पुलिस ने अलेक्सन अली के घर से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने अलेक्सन अली को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

बीटीआर समझौता का उद्देश्य सफल रहा : प्रमोद बोडो

कोकराझाड़ (हि.स.)। बोडोलैंड टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) शांति समझौते पर 27 जनवरी, 2020 को हस्ताक्षर किए गए थे। तीसरे बीटीआर शांति समझौता दिवस के अवसर पर, बीटीआर के सभी चार जिलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कोकराझार में तीसरे बीटीआर शांति समझौता दिवस के उत्सव के साथ तालमेल बिठाते हुए बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोडो ने बोडो समुदाय की आवाज बुलंद करने वाले बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और बीटीसी सचिवालय परिसर में नवनिर्मित 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। इसके अलावा, बीटीसी सचिवालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया और बीटीसी सचिवालय परिसर से एक विशाल बाइक रैली निकाली गई। प्रमोद बोडो ने बाइक रैली को झंडा दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली कोकराझार जिला शहर के आसपास के क्षेत्रों का दौरा करते हुए कोकराझार में उच्चतर माध्यमिक और बहुउद्देशीय स्कूल मैदान में पहुंचकर संपन्न हुई। उक्त स्थान पर एक सभा का आयोजन किया गया, जहां शहीदों के परिवारों को औपचारिक रूप से 5 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। साथ ही बीटीआर शांति समझौता दिवस के अवसर पर कोकराझार जिला प्रशासन द्वारा आज आरएनबी सिविल अस्पताल, कोकराझार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मीडिया से बात करते हुए, प्रमोद बोडो ने बीटीआर के सभी प्रकार के विकास और मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का आभार व्यक्त किया। शहीदों के परिवार को श्रद्धांजलि देते हुए और आब्सू, एनडीएफबी को प्रमोद बोडो ने धन्यवाद देते हुए कहा कि अतीत में कुछ ऐतिहासिक गलतियां हुई हैं और सभी को न्याय नहीं मिला। प्रमोद बोडो ने कहा कि अब सभी को एक साथ, भय और भेदभाव को भुलाकर समान दर्जे और समान अधिकारों के साथ निवास करने के लिए शांति स्थापित की गई है।

पूसी रेल ने मनाया 74वां गणतंत्र दिवस

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने 74वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया। केंद्रीय कार्यक्रम मालीगांव स्थित एनएफआरएसए परिसर में आयोजित किया गया, जहां पूसी रेल के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने रेलवे अधिकारियों और उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराय। रेसुब, प्रादेशिक सेना, नागरिक सुरक्षा और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत मार्च-पास्ट का उन्होंने मुआयना भी किया। पूसी रेल के सभी पांच मंडलों यथा तिनसुकिया, लामडिंग, रंगिया, अलीपुरद्वार और कटिहार में भी गणतंत्र दिवस मनाया गया, जहां मंडल रेल प्रबंधकों ने मंडल रेल अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। महाप्रबंधक ने समारोह को संबोधित करते हुए उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी, जिन्होंने रेलवे के समग्र विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद अपने कर्तव्यों का सर्वोत्तम संभव तरीके से निर्वहन किया। उन्होंने पिछले कुछ महीनों में पूसी रेल के प्रदर्शन के संबंध में भी जानकारी दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने मालीगांव के रे.सु.ब. बैरक में 25 बिस्तरों वाले नये रे.सु.ब. महिला बैरक की आधारशिला रखी। उन्होंने मरीजों के लाभार्थ मालीगांव स्थित केंद्रीय अस्पताल में नई सुविधाओं का उद्घाटन भी किया। असम, त्रिपुरा और मणिपुर तीन राज्यों को जोड़ने वाली विस्टाडोम ट्रेन सेवाओं की शुरूआत से अंतराराज्यीय रेल कनेक्टिविटी में हुए सुधार के बारे में महाप्रबंधक ने उल्लेख किया, जिसका शुभारंभ 13 अक्टूबर, 2022 को भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा किया गया था। महाप्रबंधक ने वाया असम, अरुणाचल प्रदेश को नागालैंड से और वाया असम, मेघालय को नागालैंड से जोड़ने वाली सीधी ट्रेन सेवाओं की शुरूआत का भी उल्लेख किया। उन्होंने हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत का भी जिक्र किया, जिसे 30 दिसंबर, 2022 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि अप्रैल से दिसंबर, 2022 की अवधि के दौरान पूसी रेल की कुल आय 5500 करोड़ रुपए थी, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25प्रतिशत अधिक है। उन्होंने आगे कहा कि अप्रैल से दिसंबर, 2022 की अवधि के दौरान माल लोडिंग में 21प्रतिशत की वृद्धि हुई और यात्री राजस्व के रूप में लगभग 1800 करोड़ रुपए की अर्जित हुए। महाप्रबंधक ने आगे कहा कि, पहली बार पूसी रेल के मुख्यालय में आयोजित रोजगार मेला एक बड़ी सफलता थी। अक्टूबर, नवंबर/2022 और जनवरी/2023 महीने में आयोजित रोजगार मेले के दौरान पूसी रेल द्वारा आरआरबी, आरआरसी और सीजीए के माध्यम से कुल 698 नई भर्तियां की गईं। सुरक्षा और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए, पिछले नौ महीनों के दौरान 21 स्टेशनों को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली प्रदान की गई, 16 मानवयुक्त समपार फाटक बंद किए गए और 7 रोड ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया है। इस अवधि के दौरान 334.05 कि.मी. रेल नवीकरण और 126.43 कि.मी. स्लीपर नवीकरण का कार्य भी पूरा किया गया। महाप्रबंधक ने एआई आधारित हाथी संरक्षण प्रणाली के उपयोग के बारे में भी उल्लेख किया, जिसे ट्रेन-हाथी टकराव को रोकने के लिए विश्व में पहली बार लांच किया गया है। अपने वक्तव्य में महाप्रबंधक ने विशेष रूप से राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार ख्याति प्राप्त करने वाले पूसी रेल के खिलाड़ियों का उल्लेख किया। उन्होंने पूसी रेल के खिलाड़ी मिस भाग्यवती कचारी की उपलब्धि का उल्लेख किया, जिन्होंने भारतीय मुक्केबाजी टीम का प्रतिनिधित्व किया और पदक जीते। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर रेलवे टूर्नामेंटों में पदक जीतने वाले पूसी रेल के साइकिलिस्टों, मुक्केबाजों और भारोत्तोलकों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। पूसी रेल महिला कल्याण संगठन की सदस्यों ने मालीगांव स्थित केंद्रीय अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच आवश्यक सामग्रियों का भी वितरण किया।

तामुलपुर में मिला युवक का शव

बाक्सा (हि.स.)। जिले के तामुलपुर के काउली के बिहंगपुर गांव में शुक्रवार को एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। मृतक की पहचान रघु मुर्मू के रूप में हुई है। बताया गया कि युवक गुरुवार रात काउली में सरस्वती पूजा की सांस्कृतिक संध्या संपन्न कराने के बाद प्रेमिका को घर छोड़ने गया था। आशंका जताई जा रही है कि प्रेमिका को उसके घर पर छोड़ने के बाद गांव में कुछ बदमाशों ने युवक की हत्या कर दी। युवक ने जो बेल्ट और शर्ट पहन रखी थी, वह पेड़ पर टंगी हुई थी, साथ ही शव नीचे पड़ा हुआ था। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना एक डंडा भी बरामद किया है। पिछले साल डोंगरगांव नंबर 1 के निवासी युवक ने माध्यमिक परीक्षा अच्छे नंबरों से पास करने के बाद हायर सेकेंडरी में दाखिला लिया था। शुक्रवार सुबह एक व्यक्ति ने शव को देखकर स्थानीय ग्रामीणों को सूचित किया। स्थानीय लोगों को शक जताया है कि युवक की हत्या बदमाशों ने इसलिए किया होगा, क्योंकि उसका युवती के साथ अफेयर चल रहा था।

बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में गांवों को शामिल करने पर भ्रम के बाद विरोध

तेजपुर (निंसं)। कुछ गांवों को बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में शामिल करने को लेकर उपजे भ्रम के बाद विरोध जताते हुए लोगों ने असम के सोनितपुर जिले को अरुणाचल प्रदेश से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से को शुक्रवार को थोड़े समय के लिए बाधित कर दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जिले में भालुकपोंग और बालीपारा के बीच के राष्ट्रीय राजमार्ग-211 के हिस्से को करीब एक घंटे के लिए बाधित कर दिया जिससे यातायात आवागमन अस्तव्यस्त हो गया। उन्होंने कहा कि गैर बोडो समुदाय के सैकड़ों लोग चारिदुआर राजस्व सर्कल अधिकारी के कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और उनका घेराव किया। उन्होंने मांग की कि बीटीआर में गैर बोडो बहुल क्षेत्रों को शामिल नहीं किया जाये। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की ओर से गणतंत्र दिवस पर किये गये ऐलान के खिलाफ भी विरोध जताया। मुख्यमंत्री ने ढेकियाजुली, सूटिया, बिश्वनाथ, बेहाली और गोहपुर नामक विधानसभा क्षेत्रों के बोडो बहुल गांवों को बीटीआर में शामिल करने की बात कही थी। मुख्यमंत्री के इस ऐलान का बोडो समुदाय ने स्वागत किया था, लेकिन इससे उन लोगों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई जो अन्य समुदाय के थे क्योंकि उन्हें नहीं मालूम था कि किन गांवों को बीटीआर में शामिल किया जाएगा। लेकिन सूटिया के विधायक पद्म हजारिका मौके पर पहुंचें और प्रदर्शनकारियों को बताया कि यह फैसला केवल उन गांवों के लिए लिया गया है जिनमें 80 प्रतिशत से अधिक बोडो आबादी है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि विधायक का आश्वासन मिलने पर प्रदर्शनकारी शांतिपूर्व इस इलाके से चले गये।

नगरबेड़ा थाने के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

नागरबेड़ा (निसं)। असम सरकार की मैत्री योजना के तहत 1 करोड़ 93 लाख रुपए की लागत से बने नागरबेड़ा थाने के नवनिर्मित भवन का शुक्रवार को औपचारिक उद्घाटन किया गया। असम के पुलिस महानिदेशक भास्करज्योति महंत ने वर्चुअल पुलिस स्टेशन के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस संबंध में कामरूप जिला पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र रॉय ने नगरबेड़ा थाना परिसर में आयोजित बैठक में भाग लेते हुए रिबन काटकर नेमप्लेट का अनावरण किया और थाने के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र रॉय ने कहा कि नगरबेड़ा थाने के नवनिर्मित भवन को जनता को समर्पित किया जाए और इसका रखरखाव जनता द्वारा किया जाए बोल के दोहराया। उद्घाटन के तुरंत बाद एसपी ने मौजूद लोगों के साथ बिल्डिंग के अंदर इंफ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण किया। स्थानीय संबंधित लोगों ने कहा कि नवनिर्मित भवन ने नगरबेड़ा पुलिस स्टेशन के साथ-साथ क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग और समस्या को पूरा किया है। सभा में ठेकेदार अभिजीत बरुआ, नागरबेड़ा राजस्व क्षेत्राधिकारी बनश्री मालाकार के साथ-साथ नगरबेड़ा की मौजा कमेटी के अध्यक्ष उदय शंकर मेधि, पूर्व अद्यापक श्यामा चरण ठाकुरीया, नगरबेड़ा मंडल विजेपि के अध्यक्ष पवित्र कुमार मेधि, शिराज मोलबी,इसके अलावा अंचल के अन्यों बहुत सारे गन्य मान्य लोग मौजुद थे।नगरबेड़ा थाने का थानेदार मिरेल आहमेद ने सबको तहे दिल से शुक्रिया अदा किया।

महामारी के बाद कमजोर समूहों के बच्चे मानसिक कल्याण के लिए निपटने की पद्धति प्रदर्शित करते हैं : रिपोर्ट

गुवाहाटी (विभास)। कोविड-19 के बीच सारा ध्यान बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक कल्याण पर केंद्रित होने के साथ, बाल रक्षा भारत (दुनियाभर में सेव द चिल्ड्रन नाम से परिचित) ने अपने प्रमुख रिपोर्ट टीआरएसी 2022- द राइट्स एंड एजेंसी ऑफ चिल्ड्रन के पहले संस्करण को लांच किया है। चार यूएनसीआरसी (बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) अधिकारों- उत्तरजीविता, विकास, संरक्षण, और सहभागिता, पर केंद्रित बच्चों के अधिकारों की प्राप्ति पर बच्चों की स्थिति और दृष्टिकोण पर इस रिपोर्ट का फोकस है। एक प्रमुख विषय पर वार्षिक फोकस होने के संदर्भ में इस साल टीआरएसी रिपोर्ट कोविड 19 के बीच बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करती है। इस रिपोर्ट को राकेश रंजन, अतिरिक्त सचिव एवं मिशन डायरेक्टर, आकांक्षी जिला कार्यक्रम, नीति आयोग, के द्वारा अन्य विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों, जैसे प्रो. एके शिवकुमार, विकास अर्थशास्त्री एवं नीति विश्लेषक, सोलेडाड हेरेरो, बाल संरक्षण प्रमुख, यूनिसेफ, डॉ. गौरी दीवान, निदेशक, बाल विकास समूह, संगठ और दीपक कपूर, अध्यक्ष, बाल रक्षा भारत की उपस्थिति में लांच किया गया। कोविड-19 के बीच 4200 बच्चों के साथ मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक कल्याण पर किया गया प्राथमिक अध्ययन, एक ग्लोबल ब्रीफ-सीओपीई स्टडी टूल (कोपिंग एक्सपीरियंस टू प्रोब्लम एक्सपीरियंस्ड) का उपयोग करते हुए पिछले दो सालों में महामारी के कारण पैदा हुई परेशानियों का सामना करने के लिए बच्चों द्वारा इस्तेमाल की गई निपटने की रणनीति को प्रमुखता से सामने रखता है। भारत के पांच राज्यों (असम, बिहार, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश) के 4200 बच्चों के साथ किए गए परामर्श और विभिन्न देशों के द्वीतीयक साहित्यों की समीक्षा के आधार पर इस खंड के निष्कर्षों तक पहुंचा गया है। यह अध्ययन 14 विभिन्न निपटने की रणनीति से संबंधित है (जिन्हें आगे तीन और श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। समस्या केंद्रित, भावना केंद्रित, और निपटने से परेहज) और महामारी के दौरान बच्चों में निपटने संबंधी पैटर्न का मूल्यांकन करता है। इस अवधि के दौरान बच्चो के अधिकारों का मूल्यांकन करने वाली इस रिपोर्ट के सबसे पहले संस्करण को प्रस्तुत करते हुए राकेश रंजन ने कहा कि संवहनीय विकास के लिए 2030 का एजेंडा दुनिया के बच्चों के लिए एक उज्वल भविष्य के लिए सबसे ऊंची आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और एक ऐसी दुनिया का निर्माण करने के लिए ब्लूप्रिंट का काम करता है जिसकी बच्चों को आवश्यकता है और जिसकी वे मांग कर रहे हैं। सरकार द्वारा चलाए जाने वाले ऐसे कार्यक्रमों की सफलता को संभव बनाने के लिए बाल अधिकारों की प्रगति पर डाटा और साक्ष्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मैं सेव द चिल्ड्रन का अभिनंदन करता हूं टीआरएसी रिपोर्ट लाने के लिए जो न सिर्फ बच्चों से संबंधित समस्याओं को उनकी अपनी आवाजों के माध्यम से प्रमुखता से प्रस्तुत करेगी, बल्कि भारत में बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए प्रयासों का भी उल्लेख करती प्राथमिक डाटा संकलन से प्रमुख निष्कर्ष प्रदर्शित करता है कि जिन बच्चों का सर्वेक्षण किया गया उसमें दो बच्चों में से एक बच्चे ने निपटने से परहेज का उपयोग किया (52.7 प्रतिशत), अक्सर/ज़्यादातर समस्या केंद्रित निपटने (51.0 प्रतिशत) और उसके बाद भावना केंद्रित निपटने (43.3 प्रतिशत) की कार्यपद्धति का उपयोग किया। सबसे सामान्य रूप से इस्तेमाल की गई रणनीति थी धार्मिक तौर पर निपटने की रणनीति, जो शहरी इलाकों में रहनेवाले किशोरवयीन बच्चों की तुलना में ग्रामीण भागों के किशोरवीयन बच्चों द्वारा अपनाई गई। बच्चों में नए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताएं और पहले से मौजूद मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारियों का ज़्यादा बिगड़ना, सुविधाहीन समूहों के बच्चों पर कोविड-19 का विषम प्रभाव, हेल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अत्यधिक बोझ के कारण मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की उपेक्षा, इत्यादि। यह रिपोर्ट कोविड-19 के दौरान और महामारी के बाद बच्चों के मानसिक और मनोसामाजिक कल्याण को संबोधित करने के लिए सरकार द्वारा किए गए कार्यक्रमों की सराहना करती है। इस रिपोर्ट में बाल अधिकारों के चार स्तंभों के हिसाब से 15 राज्यों से संकलित किए गए डाटा से निकाले गए निष्कर्ष शामिल हैं और इसके साथ ही बच्चों के एजेंडा पर बजट, कार्यक्रम और पॉलिसी ट्रेंड्स पर द्वितीयक डाटा विश्लेषण भी उपलब्ध कराया गया है।

प्रधानमंत्री की 'परीक्षा पे चर्चा' में बच्चों को सीख, कहा-कुछ पाने के लिए शॉर्टकट रास्ता न अपनाएं

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बच्चों को कुछ पाने के लिए शॉर्टकट रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। कुछ बच्चे परीक्षा में चीटिंग करने पर अधिक ध्यान देते हैं। ऐसे बच्चों अगर अपना ध्यान सृजनात्मकत और सकारात्मक क्षेत्र में लगाएं तो बेहतर परिणाम मिलेंगे। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में परीक्षा पे चर्चा के छठे संस्करण में बच्चों और उनके माता-पिता से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर साल देशभर से बच्चे उन्हें अपने अनुभव और सवालों के लिए लिखते हैं। यह काफी उत्साहजनक अनुभव रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों को ध्यान और लगन के साथ परीक्षा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह उसी प्रकार है जैसे एक क्रिकेट खिलाड़ी अपने केवल खेल पर ध्यान देता है न कि आसपास के शोर-शराबे पर। प्रधानमंत्री ने इस दौरान बच्चों से समय प्रबंधन के महत्व पर अपनी मां से इस बारे में सीखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक मां पर कई तरह के काम का दबाव होता है और उसे कैसे मैनेज करती है इसको उन्हें ध्यान से देखना चाहिए। प्रधानमंत्री ने बच्चों के माता-पिता से कहा कि वह अपने बच्चों से उनकी क्षमता के अनुरूप ही अपेक्षाएं रखें। अगर सामाजिक दबाव के चलते बच्चों से अपेक्षाएं रखी जाएंगी तो समस्या पैदा होगी। उन्होंने कहा कि माता-पिता बच्चों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए। वहीं बच्चों को अपनी क्षमताओं को कम कर नहीं आंकना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इससे पहले परीक्षा पे चर्चा पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के मुताबिक परीक्षा पे चर्चा के इस संस्करण में शामिल होने के लिए 38 लाख विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराकर रिकॉर्ड बनाया है। यह संख्या पिछले साल के मुकाबले 15 लाख अधिक है।

भारत ने सिंधु जल संधि पर संशोधन के लिए पाकिस्तान को दिया नोटिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने पाकिस्तान की हठधर्मिता की वजह से सितंबर 1960 की सिंधु जल संधि में संशोधन के लिए उसे नोटिस जारी किया है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान की गलत कार्रवाइयों ने सिंधु जल संधि के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। इस वजह से केंद्र को संशोधन के लिए उचित नोटिस जारी करने पर विवश होना पड़ा। भारत ने कहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को अक्षरशः लागू करने का दृढ़ समर्थक और जिम्मेदार साझेदार रहा है। पारस्परिक और सहमत तरीके से आगे बढ़ने के लिए भारत के बार-बार प्रयास करने के बावजूद, पाकिस्तान ने 2017 से 2022 तक स्थायी सिंधु आयोग की पांच बैठकों के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। इस वजह से पाकिस्तान को नोटिस जारी किया गया है। सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत सतलज, व्यास और रावी का पानी भारत को और सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी पाकिस्तान को दिया गया है। भारत और पाकिस्तान ने नौ सालों की बातचीत के बाद 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें विश्व बैंक भी एक हस्ताक्षरकर्ता है। दोनों देशों के जल आयुक्तों को साल में दो बार मुलाकात करनी होती है और परियोजना स्थलों एवं महत्वपूर्ण नदी हेडवर्क के तकनीकी दौरे का प्रबंध करना होता है। साल 2015 में पाकिस्तान ने भारतीय किशनगंगा और रातले पनबिजली परियोजनाओं पर तकनीकी आपत्तियों की जांच के लिए तटस्थ विशेषज्ञ की नियुक्ति करने का आग्रह किया था। साल 2016 में पाकिस्तान इस आग्रह से एकतरफा ढंग से पीछे हट गया और इन आपत्तियों को मध्यस्थता अदालत में ले जाने का प्रस्ताव किया। पाकिस्तान का यह एकतरफा कदम संधि के अनुच्छेद 9 में विवादों के निपटारे के लिए बनाए गए तंत्र का उल्लंघन है। इसी के अनुरूप, भारत ने इस मामले को तटस्थ विशेषज्ञ को भेजने का अलग से आग्रह किया।

सीने में तकलीफ की वजह से दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हैं अन्नू कपूर

अजय कुमार

नई दिल्ली। बालीवुड के दिग्गज एक्टर अन्नू कपूर को सीने में दर्द की शिकायत के बाद नई दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्नू कपूर की हालत स्थिर बताई जा रही है। वह फिलहाल अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में चिकित्सकों की निगरानी में हैं। अस्पताल प्रशासन ने कहा है कि वह ठीक हो रहे हैं। उन्होंने कथित तौर पर गुरुवार सुबह सीने में कुछ जमाव का अनुभव किया था और बाद में सीने में दर्द की शिकायत की थी। इसके बाद उन्हें सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया जहां उनका ट्रीटमेंट किया गया है। अन्नू कपूर का हेल्थ अपडेट देते हुए अस्पताल प्रशासन ने कहा कि प्रसिद्ध अभिनेता और सिंगर अन्नू कपूर को आज यानी गुरुवार सुबह सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सर गंगाराम अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि अन्नू कपूर को सीने में तकलीफ के लिए भर्ती कराया गया था। उनका कार्डियोलॉजी में डॉ. सुशांत वट्टल की निगरानी में ट्रीटमेंट किया गया। डॉ. अजय स्वरूप ने आगे कहा कि फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उसमें सुधार हो रहा है। अन्नू कपूर 66 साल के हैं। वह एक रेडियो जॉकी एक्टर सिंगर और टीवी होस्ट रहे हैं। उन्होंने 100 से ज्यादा फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है। वे एक्टिंग की दुनिया में 4 दशक से ज्यादा समय से एक्टिव हैं। अन्नू कपूर ने अपने 4 दशक के कॅरियर में अलग-अलग कैटेगरी में 2 नेशनल फिल्म अवॉर्ड 1 फिल्मफेयर अवॉर्ड और 2 इंडियन टेलीविजन अकादमी अवॉर्ड समेत कई अवॉड्र्स जीते हैं। अन्नू कपूर ने अमिताभ बच्चन और शशि कपूर स्टार के साथ काला पत्थर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने बेताब मंडी आधारशिला और खंडर जैसी आर्ट और कॉमर्शियल फिल्मों में काम किया। अन्नू कपूर को साल 1984 में आई फिल्म उत्सव से पॉपुलैरिटी मिली। उन्होंने मिस्टर इंडिया तेजाब राम लखन घायल हम डर और जॉली एलएलबी-2 जैसी सुपरहिट और सक्सेसफुल फिल्मों में काम किया।

अगले 3 दिन पानी की रहेगी किल्लत

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में एक तरफ लोग ठंड से परेशान हैं तो दूसरी तरफ प्रमुख इलाकों पेयजल प्रभावित रहेगी। दरअसल भूमिगत जलाशय और बूस्टर पंपिंग स्टेशन की सफाई के कारण 28 29 और 30 जनवरी को पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इसकी जानकारी दिल्ली जल बोर्ड द्वारा एडवांस में ही दी गई है। डीजेबी की ओर से लोगों को जरूरत के मुताबिक पानी टैंकर की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। साथ ही लोगों से कहा गया है कि आगामी 3 दिनों के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी को बचा कर रखें इससे पहले भी कई दिनों तक दिल्ली में जलापूर्ति प्रभावित रही थी जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। 28 29 और 30 जनवरी को दिल्ली के कोटला मुबारकपुर बापू पार्क जनकपुरी बीपीएस वसंत कुंज ओखला फेस वन मंगोलपुरी विजय विहार रिठाला जैन कॉलोनी पप्पू कॉलोनी गुप्ता कॉलोनी प्रहलाद विहार रोहिणी 35 सेक्टर 24 रोहिणी शालीमार बाग बीपीएस मादीपुर विलेज जेजे कॉलोनी पश्चिम विहार एरिया त्रिनगर रामपुरा केंद्रीय सचिवालय अशोक विहार केशव पुरम राष्ट्रपति भवन संसद भवन इंडिया गेट अशोक रोड निर्माण भवन सुंदरनगर लोधी रोड विज्ञान भवन कनॉट प्लेस आरएमएल हॉस्पिटल जनपथ आरमबाग डीआईजी सेक्टर रकाबगंज नॉर्थ एवेन्यू एनडीएमसी एरिया मंगोलपुरी वाई ब्लॉक सेक्टर 4 पॉकेट बी 8 रोहिणी अवंतिका एनक्लेव गीतांजलि नवजीवन विहार का मालवीय नगर नेब सराय इंदिरा एनक्लेव लाडो सराय सहित कई अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

महाराष्ट्र की जेलों से गणतंत्र दिवस पर 189 बंदियों की हुई रिहाई

पुणे, (हि.स.)। देश गुरुवार को जब गणतंत्र दिवस मना रहा था, उसी दौरान महाराष्ट्र की विभिन्न जेलों में बंद 189 कैदियों को हंसी-खुशी नया जीवन जीने के लिए रिहाई दी जा रही थी। यह रिहाई बंदियों की उम्र, जेल में बिताए गए समय, उनकी दिव्यांगता और स्वास्थ्य के अलावा जेल में उनके व्यवहार को देखते हुए दी गई। रिहा किए गए 162 बंदी अपनी सजा का 67 फीसदी हिस्सा काट चुके थे। रिहा किए गए बंदियों में से एक तो इतना गरीब था कि वह जुमार्ने की राशि नहीं भर सका और जेल में रहना पड़ा। पुणे की यरवदा जेल प्रभारी के अनुसार उनकी केंद्रीय जेल से 20, नासिक और नागपुर की केंद्रीय जेल से 35, नवी मुंबई की तलोजा सेंट्रल जेल से 16, ठाणे सेंटर जेल से 11 और मुंबई सेंट्रल जेल से 4 बंदियों की रिहाई की गई है। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के दौरान केंद्र सरकार ने कुछ विशेष श्रेणियों के कैदियों को उनके अच्छे चाल चरित्र में हुए परिवर्तन, दिव्यांगता बीमारी की स्थिति आदि को आधार मानकर विशेष छूट देते हुए तीन मौकों पर 15 अगस्त 22, 26 जनवरी और 15 अगस्त, 23 पर रिहा करने का निर्णय ले लिया गया था।

66 फीसदी सजा काट चुके थे 162 बंदी – शुक्रवार को जारी की गई सूची में बताया गया कि इन बंदियों का चयन उनकी उम्र, जेल में बिताए समय, विकलांगता और उनके स्वास्थ्य की स्थिति के आधार पर किया गया। रिहा किये गए बंदियों में से 16 बंदियों की उम्र 60 वर्ष से भी अधिक है और वह जेल में अपने 50 फीसदी सजा का समय काट चुके हैं। 162 बंदी सजा का 66 प्रतिशत समय जेल में काट चुके हैं। रिहा किए गए 10 बंदियों की उम्र 18 से 21 वर्ष के बीच रही है, जिन्होंने कभी भी दोबारा क्राइम नहीं किया। रिहा किया गया एक कैदी अपनी सजा तो काट चुका है, लेकिन जुर्माने की रकम जमा न करवाने की वजह से उसे रिहाई नहीं मिली। महाराष्ट्र में 9 केंद्रीय जेलों सहित कुल 60 जेल है। नवंबर, 2022 तक इन जेलों में कुल कैदियों की संख्या 40 हजार से अधिक रही है।

अडानी समूह पर लगे आरोपों की हो जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह पर शेयरों में गड़बड़ी और अकाउंटिंग फ्रॉड का आरोप लगाया। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने जांच की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि अडानी समूह पर लगे आरोपों की जांच भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड जैसे संस्थान करें ताकि सच सामने आ सके। रमेश ने कहा कि वैसे तो एक राजनीतिक दल को ऐसे मामलों पर प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, लेकिन लगातार कांग्रेस से इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने को कहा जा रहा है। ऐसे में पार्टी मामले की जांच की मांग करती है। रमेश ने कहा कि अडानी समूह पर गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता है। इसकी जांच होनी ही चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट में अडानी समूह पर शेयरों में गड़बड़ी करने सहित अकाउंटिंग फ्रॉड का आरोप लगाया है। रिपोर्ट जारी होने के दो दिन बाद यानी गुरुवार को अडानी समूह ने एक बयान जारी करते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। अडानी ग्रुप के लीगल मामलों के प्रमुख जतिन जलुंधवाला ने कहा था कि हिंडनबर्ग ने गलत इरादे से बिना कोई शोध और पूरी जानकारी के समूह के खिलाफ 24 जनवरी, 2023 को रिपोर्ट प्रकाशित की। इससे अडानी ग्रुप, हमारे शेयरधारकों एवं निवेशकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। जलुंधवाला ने कहा था, हम हिंडनबर्ग की इन हरकतों से काफी परेशान हैं। हम हिंडनबर्ग के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं।

दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक छाए रहेंगे बादल गिरेगा पारा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस महीने में अब तक का सबसे ज्यादा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के बुलेटिन के अनुसार अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक है। साथ ही मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली में अगले कुछ दिन भी बादल छाए रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक नए पश्चिमी विक्षोभ के चलते 29 जनवरी को दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर के मौसम विशेषज्ञ महेश पलावत ने कहा कि अगले दो दिनों में दिल्ली के न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है। इससे पहले दिल्ली के कुछ हिस्सों में गुरुवार को हल्का कोहरा छाया रहा। दिल्ली में सर्दी के मौसम में अभी तक बारिश नहीं हुई है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार ऐसा नवंबर और दिसंबर में मजबूत पश्चिमी विक्षोभ की कमी के कारण हुआ। पिछले साल जनवरी में शहर में 82.2 मिमी बारिश दर्ज की गई थी जो 1901 के बाद से इस महीने में सबसे अधिक थी। दिल्ली में इस साल जनवरी में अभी तक आठ दिन शीतलहर का प्रकोप रहा जो कि 15 साल में सर्वाधिक है। दिल्ली में जनवरी 2020 में सात दिन शीतलहर चली थी पिछले साल एक भी ऐसा दिन दर्ज नहीं किया गया। आईएमडी के अनुसार दिल्ली में पांच से नौ जनवरी तक भीषण शीतलहर चली जो एक दशक में इस महीने में प्रचंड शीतलहर की दूसरी सबसे लंबी अवधि रही। अभी तक इस महीने 50 घंटे तक घना कोहरा छाया जो 2019 के बाद से सबसे अधिक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में संपूर्ण वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 297 दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई ह्यअच्छाह्न 51 से 100 के बीच ह्यसंतोषजनकह्न 101 से 200 के बीच ह्यमध्यमह्न 201 से 300 के बीच ह्यखराबह्न 301 से 400 के बीच ह्यबेहद खराबह्न और 401 से 500 के बीच ह्यगंभीरह्न माना जाता है।

भारत-जापान की वायु सेनाओं ने 'वीर गार्जियन' में 16 दिनों तक किया युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और जापान की वायु सेनाओं ने 16 दिनों तक हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन' के दौरान एक-दूसरे से अनूठी क्षमताएं सीखीं। दोनों वायु सेनाओं के एयर क्रू ने एक दूसरे के लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी, ताकि एक दूसरे की ऑपरेशनल गतिविधियों के बारे में गहरी समझ हासिल की जा सके। अभ्यास 'वीर गार्जियन' ने दोनों वायु सेनाओं को आपसी समझ बढ़ाने का अवसर प्रदान किया। इस दौरान दोनों वायु सेनाएं कई सिम्युलेटेड परिचालन परिदृश्यों में जटिल और व्यापक हवाई युद्धाभ्यास में लगी रहीं। भारतीय वायु सेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के बीच द्विपक्षीय वायु अभ्यास 'वीर गार्जियन' की शुरूआत जापान के हयाकुरी एयरबेस में 10 जनवरी से हुई थी। जेएएसडीएफ ने अपने चार-चार एफ-2 और एफ-15 विमानों के साथ अभ्यास में भाग लिया, जबकि भारत की टुकड़ी ने 4 सुखोई-30 एमकेआई विमानों के साथ भाग लिया। वायु सेना के लड़ाकू दल को एक आईएल-78 फ्लाइट रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट और दो सी-17 ग्लोबमास्टर स्ट्रैटेजिक एयरलिफ्ट ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से जापान ले जाया गया था।

इस संयुक्त अभ्यास में पहली बार वायु सेना की फाइटर पायलट अवनि चतुर्वेदी ने देश के बाहर युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया। हालांकि, उन्होंने इससे पहले भारत आने वाली विदेशी वायु सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया है, लेकिन विदेशी आसमान में फाइटर जेट उड़ाने का उनका पहला अनुभव रहा। अवनि चतुर्वेदी फाइटर जेट उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला पायलट हैं। युद्ध की स्थिति में अवनि सुखोई जैसे विमान भी उड़ा सकती हैं। उनके पति विनीत छिकारा भी भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग लेफ्टिनेंट हैं। जापान के ओमिटामा में हयाकुरी एयरबेस और इसके आसपास के हवाई क्षेत्र औरसयामा के इरूमा एयरबेस में 16 दिनों तक चले संयुक्त हवाई प्रशिक्षण के दौरान दोनों वायु सेनाएं कई सिम्युलेटेड परिचालन परिदृश्यों में जटिल और व्यापक हवाई युद्धाभ्यास में लगी रहीं। अभ्यास में दोनों वायु सेनाओं ने सटीक योजना, कुशल निष्पादन, विजुअल और बियॉन्ड विजुअल रेंज सेटिंग्स में हवाई युद्धाभ्यास, अवरोधन और वायु रक्षा मिशन में हिस्सा लिया। भारत और जापानी वायु सेना के एयर क्रू ने एक दूसरे के लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी, ताकि एक-दूसरे की ऑपरेशनल गतिविधियों के बारे में गहरी समझ हासिल की जा सके। अभ्यास 'वीर गार्जियन' ने दोनों वायु सेनाओं को आपसी समझ बढ़ाने का अवसर प्रदान किया।

एमसीडी मेयर चुनाव जल्द कराने को लेकर 'आप' की याचिका

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने 3 फरवरी को दी सुनवाई की डेट

अजय त्यागी

नई दिल्ली। एमसीडी मेयर चुनाव जल्द कराने को लेकर आप की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने 3 फरवरी को सुनवाई की डेट दी है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि पूरे देश में यह बात साफ हो गई कि आम आदमी पार्टी मेयर का चुनाव कराना चाहती है और भाजपा एमसीडी पर अवैध कब्जा कायम रखना चाहती है। आप ने सुप्रीम कोर्ट में एमसीडी का समय से मेयर, डिप्टी मेयर और स्टेंडिंग कमेटी के चुनाव कराने की मांग की है। आम आदमी पार्टी की याचिका सुप्रीम कोर्ट में मंजूर हो गई है। इसके ऊपर अब तीन फरवरी को सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि एमसीडी में भाजपा कब्जा नहीं छोड़ेगी इसलिए आम आदमी पार्टी को देश की सबसे बड़ी अदालत में जाना पड़ा है। भाजपा की केंद्र सरकार और एमसीडी को सुप्रीम कोर्ट सख्त आदेश दे ताकि एमसीडी में जल्द से जल्द सरकार बनाई जाए। एल्डरमेन को संविधान और एमसीडी एक्ट में वोट देने का अधिकार नहीं है। लेकिन बीजेपी वाले संविधान और कानून को नहीं मानते हैं। भारद्वाज ने आगे कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का हाथ जोड़कर धन्यवाद करते हैं। आम आदमी पार्टी की तरफ से उच्चतम न्यायालय में एमसीडी में जल्द से जल्द मेयर, डिप्टी मेयर और स्टेंडिंग कमेटी के चुनाव कराने और एल्डरमेन (नॉमिनेटेड काउंसलर्स) के वोट पर रोक लगाने को लेकर याचिका दाखिल की गई थी। इससे पूरी दिल्ली और देश में आज यह बात साफ हो गई कि आम आदमी पार्टी चुनाव कराना चाहती है ताकि जल्द से जल्द एमसीडी में सरकार बनें। दिल्लीवालों ने आम आदमी पार्टी को बहुमत दिया है। भाजपा लालच और बेईमानी में एमसीडी पर अपना कब्जा करके रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का एमसीडी में कार्यकाल 2022 मार्च में खत्म हो चुका है। तब से लेकर अबतक, करीब एक साल से अलग-अलग बहानों के जरिए अवैध कब्जा एमसीडी में कायम रखा है। भाजपा आज भी यह नहीं चाहती है कि लोगों द्वारा चुनी गई आम आदमी पार्टी की सरकार एमसीडी में बनें। इसलिए हर बार जब एमसीडी के सदन में लगता है कि चुनाव हो, भाजपा वाले गड़बड़ी और बेईमानी करके सदन को खत्म कर देते हैं। भारद्वाज ने कहा कि हम एमसीडी और दिल्लीवालों के लिए सुप्रीम कोर्ट गए हैं। ताकि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार और एलजी को आदेश दें कि तुरंत ईमानदारी से फ्री एंड फेयर इलेक्शन करवाएं। दिल्ली को मेयर, डिप्टी मेयर और स्टेंडिंग कमेटी दें। भाजपा के कार्यकताओं को जबरदस्ती एल्डरमेन बनाया गया है। उन्हें इस चुनाव में वोट देने का कोई हक नहीं है। संविधान और एमसीडी एक्ट में वोट देने का अधिकार नहीं है, लेकिन फिर भी भाजपा वाले न तो संविधान मानते है और न ही कानून मानते हैं। इसलिए हम लोग देश की सबसे बड़ी अदालत में गए है, ताकि सबसे बड़ी अदालत इनको आदेश दें कि आपको संविधान और कानून मानना पड़ेगा और जल्द से जल्द एमसीडी हाउस के चुनाव कराएं।

हिमाचल के सात जिलों में भारी बर्फबारी का अलर्ट, पर्यटकों को एडवाइजरी

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर लोगों को सफेद आफत का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दो दिन बाद पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश में सक्रिय होगा और इसके प्रभाव से भारी बारिश व बर्फबारी देखने को मिलेगी। इससे राज्य में शीतलहर में और इजाफा होगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि 29 व 30 जनवरी को पूरे प्रदेश में जबरदस्त बारिश-बर्फबारी होने की आशंका है। इस दौरान मैदानी भागों में गरज व अंधड़ के साथ भारी वर्षा और पर्वतीय व उच्च पर्वतीय इलाकों में भारी बर्फबारी का येलो अलर्ट रहेगा। शिमला, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा, चम्बा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों में भारी बर्फ गिरने की पूरी संभावना बनी हुई है। उन्होंने इन जिलों में रहने वाले लोगों से दो दिन सावधान रहने की अपील की है। साथ ही बाहरी राज्यों के पर्यटकों को इन इलाकों की यात्रा पर निकलने से पहले एहतियात बरतने की सलाह दी है। पर्यटकों को राज्य के ऊंचाई वाले स्थानों पर न जाने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश-बर्फबारी से भूस्खलन होने की आशंका है, जिससे यातायात, बिजली, पानी और संचार जैसी मूलभूत सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

प्रदेश में 219 सड़कें और 382 बिजली ट्रांसफार्मर बंद – मौसम खुलने के बावजूद उच्च पर्वतीय इलाकों में दुश्वारियां कम नहीं हुई हैं। पिछले दिनों हुई भारी बर्फबारी के कारण अवरुद्ध कई सड़कें अभी तक बहाल नहीं हो पाई हैं। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार सुबह तक राज्य भर में चार नेशनल हाइवे और 219 सड़कें अवरुद्ध हैं। लाहौल-स्पीति जिला में सबसे अधिक 136 सड़कें बंद हैं। इनमें उदयपुर उपमण्डल में 83, लाहौल में 48 और स्पीति में 05 सड़कें शामिल हैं। चम्बा जिला में 55, कुल्लू में 10, शिमला में 06, मंडी में 04, सिरमौर व किन्नौर में 03-03 और कांगड़ा में 01 सड़क बंद है। लाहौल-स्पीति में 02 और किन्नौर व कुल्लू में 01-01 नेशनल हाइवे बंद पड़ा है। बर्फबारी से 382 ट्रांसफार्मरों के बंद पड़ने से कई जगह बिजली गुल है। अकेले चम्बा जिला में 354 बिजली ट्रांसफामर ठप हैं। इनमें तीसा उपमण्डल में 195, पांगी में 78, सलूणी में 45 और भरमौर में 10 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। लाहौल-स्पीति में 15 और किन्नौर में 09 ट्रांसफार्मर बंद हैं। बर्फबारी का पेयजल परियोजनाओं पर भी असर पड़ा है। चम्बा जिला में 70 और लाहौल-स्पीति में 02 परियोजनाएं ठप हैं।

केलांग सबसे ठंडा शहर, शून्य से 11 डिग्री नीचे पारा – राज्य में शीतलहर का प्रकोप जारी है। लाहौल-स्पीति जिले का मुख्यालय केलांग सबसे ठंडा शहर रहा, जहां शुक्रवार की सुबह पारा -11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा किन्नौर जिला के कल्पा में -3.4 डिग्री, रिकांगपिओ में -0.8 डिग्री, मनाली में 0.4 डिग्री, भुंतर में 2.1 डिग्री, सोलन में 3.5 डिग्री, चम्बा में 3.7 डिग्री, सुंदरनगर में 4.2 डिग्री, पालमपुर में 4.5 डिग्री, शिमला में 4.8, ऊना में 5 डिग्री और धर्मशाला में 6.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

शिमला में धूप खिली, मैदानी इलाकों में घना कोहरा – इस बीच राजधानी शिमला व आसपास के जिलों में शुक्रवार के दिन की शुरूआत खिली धूप से हुई है। राज्य के मैदानी भागों हमीरपुर, बिलासपुर, सुंदरनगर, कांगड़ा और ऊना में घना कोहरा छाया है। इन इलाकों में कोहरे की वजह से दृश्यता में कमी आई है और वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

अनर्गल प्रलापों के पीछे अखिलेश यादव का हाथ : केशव प्रसाद मौर्य

– उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, सभी पांचों सीटों पर भाजपा जीतेगी चुनाव

झांसी, (हि.स.)। एमएलसी स्नातक, शिक्षक एमएलसी में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन के लिए झांसी पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वामी प्रसाद मौर्या के अनर्गल प्रलाप के पीछे सपा अध्यक्ष मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का हाथ बताया। उन्होंने एमएलसी स्नातक और शिक्षक एमएलसी के सभी पांच सीटों के प्रत्याशी जीतने का दावा करते हुए बागेश्वर धाम के सनातन संस्कृति के कार्य को स्वागत योग्य बताया। वह सर्किट हाउस में पत्रकारों से मुखातिब हो रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि आम जन का केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के जनहित कार्यों से लगातार जुड़ाव बढ़ता जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी पहली बार शिक्षक एमएलसी और स्नातक के चुनाव में लोक तांत्रिक प्रक्रिया से हिस्सा ले रही ओर सभी चुनाव जीतेगी। उन्होंने का भारतीय जनता पार्टी का सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास लेकर काम कर रही है। जनकल्याणकारी योजनाओं के चलते जबरजस्त समर्थन पार्टी को मिल रहा है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह को दिए गए पद्म विभूषण सम्मान पर टिप्पणी करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्या को जबाब देते हुए कहा कि मुलायम सिंह जी को पद्म विभूषण दिए जाने पर बयान बाजी कर रहे हैं उनसे पूछना चाहता हूं कि राममनोहर लोहिया जी के समर्थन से 10 वर्ष तक सरकार रही है। उन्हें कोई सम्मान ये दिला सके क्या ? भारतीय जनता पार्टी ने उन्हे जनसेवक के नाते सम्मान दिया है। इस पर अनर्गल बयानबाजी करने वालों को भगवान सद्बुद्धि दे। इस दौरान भाजपा की प्रदेश मंत्री व चुनाव की बुंदेलखंड प्रभारी प्रियंका रावत, शिक्षक नेता अशोक राठौर, राज्य मंत्री मनोहर लाल पंत समेत बाबूलाल तिवारी आदि मौजूद रहे।

धार्मिक मामलों में राजनीति न हो – उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के धर्म परिवर्तन के गर्मा रहे मामले पर कहा कि बागेश्वर धाम पर चल रहा दिव्य दरबार स्वागत योग्य है, इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किस पर राजनीतिक नहीं धर्म के आचार्यों को बोलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मैं भी रामराजा सरकार का भक्त हूं। मां पीतांबरा देवी का भक्त हूं श्रीराम मंदिर निर्माण का सिपाही हूं लेकिन यह मेरा स्वयं का मामला है और भारत में प्रत्येक व्यक्ति को किसी भी धर्म विशेष को अपनाने की स्वतंत्रता है। दबाव बनाने की स्वतंत्रता नहीं है।

बीती ताहि बिसारि दे – वित्तविहीन शिक्षक गुट के प्रत्याशी अशोक राठौर के भाजपा में शामिल होने से एक दिन पहले के वीडियो पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वह बीती बात है। यह सब चुनाव में चलता रहता है तो वही अशोक राठौर ने कहा कि आज वह और उनके सहयोगी पूरी तरह से बाबूलाल तिवारी के साथ है। दरअसल, भाजपा में शामिल होने से एक दिन पूर्व अशोक राठौर का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था कि उन पर दबाव बनाया जा रहा है और उनके लोगों को परेशान किया जा रहा है।

अखिलेश यादव के हाथ में लड्डू की जगह है अंगारे – उपमुख्यमंत्री ने बेवजह बयानबाजी करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्या को अंगारे की उपाधि दे डाली। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव समझते हैं कि उनके दोनों हाथों में लड्डू है लेकिन उनके हाथ में लड्डू है या अंगार यह तो उन्हें समय आने पर पता चल जाएगा।

रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले को भाजपा ने दिया सम्मान : जयवीर सिंह

इटावा, (हि.स.)। प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि जिसने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई उन्हें भाजपा ने सम्मान देने का काम किया है। स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान को लेकर उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी से बर्खास्त करने की मांग की है। गुरुवार देर शाम एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति और संस्कृत की पहचान भगवान श्री राम है मयार्दा पुरषोत्तम भगवान राम को जिसने भी नकारा है जिसने विरोध किया है उसका सफाया हो गया है । भगवान श्री राम सबको शरण देते है हम तो कहते हैं कि भगवान राम मौर्य का भी उद्धार करेंगे, उन्होंने कहा कि इससे मूर्खतापूर्ण बयान और कोई नही हो सकता। जयवीर सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव को मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उनको स्पष्ट करना चाहिए नहीं तो अखिलेश यादव की चुप्पी को मौर्य के बयान का समर्थन माना जायेगा अन्यथा उनको स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी से बर्खास्त कर देना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य के द्वारा नेता जी मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण के बयान को लेकर कहा कि यह बात अपने दिल से पूछें कि कल्याण सिंह बहुत बड़े नेता थे उनका शव उनके घर के पास रखा रहा और अखिलेश यादव पुष्प अर्पित करने तक नहीं गए थे जबकि अखिलेश के पिता मुलायम सिंह के निधन पर कल्याण सिंह के पुत्र गए थे इससे साफ जाहिर होता है कि उनकी सोच और भाजपा की सोच में जमीन आसमान का फर्क है। वह दिल में सोच ले अगर देश की सत्ता उनके हाथ में होती तो क्या किसी भाजपा के नेता का इस तरह से सम्मान करते, हमारी पार्टी बड़ा दिल रखती है। बड़े निर्णय बड़े लोग बड़े सोच के साथ लेते है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई हो उसका भी इस तरह का सम्मान भाजपा ने किया है। मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव के द्वारा नेता जी को भारत रत्न देने की मांग को लेकर कहा कि जब डिंपल यादव के पति अखिलेश यादव प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचे तब वह यह काम करें अच्छा है उनको मेरी शुभकामनाएं हैं।

एनसीआईबी ने गणतंत्र दिवस पर एएमयू कैंपस में लगाए गए भड़काऊ नारे का लिया संज्ञान

लखनऊ, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) कैंपस में एनसीसी कैडेट्स ने भड़काऊ नारे लगाए थे। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआईबी) ने इसे संज्ञान में लेते हुए शर्मनाक बताया और एसएसपी अलीगढ़ को कार्यवाही के निर्देश दिए। 26 जनवरी को 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) कैंपस में एनसीसी कैडेट्स ने "नारा ए तकवीर, अल्लाह हू अकबर" के नारे लगाएं। जो सोशल मीडिया में अब तेजी से सार्वजनिक हो रहा है। इस वीडियो को एनसीआईबी ने संज्ञान में लिया है। उन्होंने अपने ट्वीटर हैंडल से वीडियो को शेयर करते हुए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को इस अति-गंभीर समस्या पर विशेष ध्यान देने की अपील की है। एनसीआईबी ने अपने ट्वीट में कहा है कि एएमयू में गणतंत्र दिवस पर ह्यनारा ए तकबीर अल्लाह हू अकबरह्न के नारे लग रहे हैं क्या अलीगढ़ यूनिवर्सिटी शिक्षा का मंदिर है या फिर सिर्फ जिहादियों का अड्डा। जिस तरह से देश दिन प्रतिदिन धार्मिक कट्टरता बढ़ती जा रही हैं। अगर समय रहते इसका इलाज ना किया गया तो आने वाले समय में हमारे देश की स्थित बड़ी भयानक होगी। एनसीआईबी के अलावा, अलीगढ़ के डेंटल सर्जन डॉ. निशित शर्मा, ममता त्रिपाठी और तुषार श्रीवास्तव सहित कई लोगों ने इस वीडियो को ट्वीट करके इसे जेहादी करार दिया है। अलीगढ़ एसएसपी के जनसम्पर्क अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, इस मामले को लेकर यहां के प्रॉक्टर वसीम अली से बातचीत की जा रही है। वहीं, प्रॉक्टर का कहना है कि छात्रों की पहचान की जा रही है और पहचान के बाद कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह दो फरवरी को, 500 छात्रों को मिलेगी डिग्री

रांची, (हि.स.)। कांके स्थित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का सातवां दीक्षांत समारोह दो फरवरी को आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में 500 छात्रों को डिग्री दी जाएगी। दीक्षांत समारोह में बीएयू की ओर से पहली बार 10 कॉलेज के विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

इस समारोह में सत्र 2018-19 से सत्र 2021-22 के अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट एवं पीएचडी कोर्स में पास आउट छात्रों को डिग्री मिलेगी। सभी कॉलेज के अंडर ग्रेजुएट कोर्स में पास आउट छात्रों को ओजीपी प्राप्तांक के आधार पर यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल दिया जायेगा। यूनिवर्सिटी टॉपर को चांसलर मेडल मिलेगा। सातवें दीक्षांत समारोह में बीएयू की ओर से पहली बार 10 कॉलेज के विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

इन्हें मिलेगी डिग्री – विश्वविद्यालय के सात नये कॉलेज में फूलो झानो कॉलेज ऑफ डेयरी टेक्नोलॉजी हंसडीहा दुमका, कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस गुमला, कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर खूंटपानी चाईबासा, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग कांके, सिद्धू कान्हु कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर गोड्डा, रविन्द्र नाथ टैगोर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर देवघर तथा कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर गढ़वा से पास आउट छात्रों को ग्रेजुएशन की डिग्री मिलेगी।

विश्वविद्यालय के टॉपर को चांसलर मेडल – एग्रीकल्चर, फॉरेस्ट्री एवं वेटनरी कॉलेज से पास आउट छात्रों को ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन एवं डॉक्टरल डिग्री मिलेगी। सभी कॉलेज के अंडर ग्रेजुएट कोर्स में पास आउट छात्रों को ओजीपी प्राप्तांक के आधार पर यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल प्रदान किया जायेगा। पोस्ट ग्रेजुएशन एवं डॉक्टरल डिग्री मामले में संकाय स्तर पर यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल मिलेगा। पूरे विश्वविद्यालय के टॉपर को चांसलर मेडल दिया जायेगा। दीक्षांत समारोह में सत्र 2018-19, सत्र 2019-20, सत्र 2020-21 एवं सत्र 202-22 के पास आउट छात्र शामिल हो सकेंगे। हरेक सत्र के सफल छात्रों को अलग-अलग डिग्री, गोल्ड मेडल एवं चांसलर मेडल मिलेगा।

तकनीकी शिक्षा सही आत्मनिर्भर भारत का होगा निर्माण : चन्दन

नवादा, (हि. स.)। नवादा में मधुबनी बिहार का संदीप यूनिवर्सिटी आईसी सेंटर ब्रांच सांसद चंदन ने किया शुक्रवार को उद्घाटन किया। नवादा के सांसद चंदन सिंह ने कहा कि शिक्षित युवाओं का पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा व तकनीकी ज्ञान से ही आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा किया जा सकता है। संचालक प्रोफेसर गुड्डू सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व यूनिवर्सिटी के फाउंडर संदीप झा का आभार जताते हुए कहा कि नवादा जिले के छात्र छात्राओं को अब उच्च शिक्षा के लिए दूसरे जिला व राज्य नहीं भटकना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि संदीप यूनिवर्सिटी नवादा जिले में होने से यहां के छात्र व छात्राएं उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा कम खर्च में प्राप्त कर सकते हैं साथ ही मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना का भी लाभ मिलेगा। तकनीकी शिक्षा में पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग, बीएससी एग्रीकल्चर, एजुकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड पीएचडी इन मैनेजमेंट एंड टेक्निकल क्षेत्र में यह सभी पढ़ाई की व्यवस्था समुचित ढंग से एवं गुणवत्ता के साथ कराई जाती है पढ़ाई के साथ बच्चों का रोजगार के क्षेत्र में यहां अवसर प्रदान किया गया है। अभी इन्होंने एक राज्यस्तरीय जांच प्रतियोगिता जोकि ऑनलाइन के माध्यम से इंटर अपीयरिंग छात्र छात्र के लिए घर बैठे सुविधा किया गया है जिसका लिंक संदीप अनवर सिटी के वेबसाइट पर प्रोवाइड है। स्टेट लेवल पर प्राइज का भी विवरण किया गया है फर्स्ट टॉपर को 100000 राशि का नगद एवं सेकंड टॉपर को 50,000 एवं थर्ड टॉपर को 25000 की राशि प्रदान की जाएगी एवं साथ में 12 टॉपर स्टूडेंट को ग्यारह हजार की राशि भी प्रदान की जाएगी जो कि हमारे राज्य एवं जिला स्तर के शिक्षाविद के द्वारा प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी व जिमनास्टिक दयावान व सचिन रस्तोगी ने आगत अतिथियों का स्वागत किया।

यूपी के निजी स्कूल में पढ़ने वाली दो बहनों में एक की फीस भरेगी योगी सरकार

लखनऊ (ईएमएस)। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार बेटियों की शिक्षा के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण योजना शुरू करने जा रही है। अगर किसी निजी स्कूल में दो बहनों पढ़ती हैं तो उनमें से एक की फीस योगी सरकार भरेगी। यानी की एक बेटी की पढ़ाई का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। सूत्रों के अनुसार योगी सरकार अपने अगले बजट में इसके लिए प्रावधान करेगी। इस योजना के तहत प्राथमिक उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की छात्राएं लाभान्वित होंगी। दरअसल कुछ समय पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि अगर प्रदेश के किसी भी प्राइवेट स्कूल में दो सगी बहनें पढ़ रही हैं तो स्कूल प्रसाशन से एक बेटी की फीस माफ करनी चाहिए। अगर निजी स्कूल ऐसा करने सक्षम नहीं हैं तो सरकार उसका खर्च वहन करेगी। अब मुख्यमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना को अमली जामा पहनाने की शुरूआत कर दी गई है। शिक्षा विभाग की तरफ से अगले बजट में इसके लिए धनराशि की व्यवस्था का प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेज दिया गया है। सरकार की तरफ से मंजूरी मिलते ही इस योजना को लागू कर दिया जाएगा। इस योजनाके लागू होते ही अभिभावकों को भारी भरकम फीस से निजात मिलेगी। इसके अलावा योगी सरकार प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन को लेकर भी उत्सुक दिख रही है। जल्दी ही प्रदेश में स्मार्ट शिक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके तहत जूनियर और माध्यमिक छात्रों को स्मार्ट क्लास के तहत एजुकेशन दी जाएगी। इसके लिए स्कूलों में टेबलेट की व्यवस्था भी की जाएगी।

जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर युवक ने केरोसिन डालकर आत्मदाह का किया प्रयास

इटावा, (हि.स.)। जनपद में जमीन पर कब्जा होने से नाराज युवक ने शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर केरोसिन का तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौजूद पुलिस कर्मियों ने युवक को आग लगाने से पूर्व पकड़ते हुए हिरासत में लिया। घटना की सूचना मिलने पर एसडीएम मौके पर पहुंचे और युवक को समझा-बुझाकर जमीन कब्जा मुक्त करवाने का आश्वासन दिया। इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत मानिकपुर मोड़ का रहने वाला पीड़ित युवक शिवप्रताप ने बताया कि उसकी जमीन को स्थानीय भूमाफियाओं ने कब्जा कर लिया है। अपनी जमीन को कब्जा मुक्त करवाने के लिए वह अधिकारियों और पुलिस को कई बार प्रार्थना पत्र दे चुका है लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इधर, भूमाफिया उसे परिवार सहित जान से मारने की धमकी दे रहे हैं, इसी से तंग आकर आज उसने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर केरोसिन का तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया है। उपजिलाधिकारी विक्रम राघव ने बताया कि जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर एक युवक ने केरोसिन का तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया है। पीड़ित युवक की शिकायत पर उसकी जमीन को कब्जा मुक्त करवाने का आश्वासन दिया गया है।

पीएलएफआई का कर्ता-धर्ता था तिलकेश्वर गोप

रांची, (हि.स.)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का दिनेश गोप नाम का ही सुप्रीमो है। संगठन का सब काम तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप करता था। बताया जा रहा है कि तिलकेश्वर गोप की गिरफ्तारी के बाद पीएलएफआई संगठन पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। एसएसपी किशोर कौशल ने शुक्रवार को बताया कि तिलकेश्वर गोप की गिरफ्तारी से पीएलएफआई को बहुत बड़ा झटका लगा है। इसके ऊपर लगभग 67 मामले दर्ज है। इसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप लेवी वसूलने से लेकर हत्या और संगठन से जुड़े सभी काम वही मैनेज करता था। उल्लेखनीय है कि रांची की अनगड़ा थाना पुलिस ने गुरुवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के करीबी तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप और सूरज गोप उर्फ कोका को गिरफ्तार किया था।

इनके पास से एक राइफल, दो देशी बंदूक, 10 गोली, दस मोबाइल, पांच सिमकार्ड और पीएलएफआई का सात पीस पर्चा बरामद किया था। तिलकेश्वर गोप उर्फ राजेश गोप के खिलाफ 67 मामले दर्ज हैं। इनमें रांची में नौ, दो सिमडेगा, 37 खूंटी, चार चाईबासा और 15 गुमला में हैं। इसके खिलाफ झारखंड सरकार ने 10 लाख का इनाम घोषित कर रखा था।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के आकस्मिक निधन पर कार्यकर्ताओं ने जताया शोक

सहरसा, (हि.स.)। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विद्यानंद मिश्र के आकस्मिक निधन पर कांग्रेस जनों ने शुक्रवार को गहरा शोक जताया है। उनके निधन का समाचार सुन शोक व्यक्त करने वाले लोगों का तांता लगा रहा। उनके निधन पर उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस कार्यालय लाया गया जहां उनके पार्थिव शरीर को पार्टी ध्वज में लपेटकर लोगों के दर्शनार्थ रखा गया। तत्पश्चात उनका दाह संस्कार किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सदस्य डॉ तारानंद सादा ने कहा कि वह हमारे अग्रेज थे। उन्होंने कांग्रेस जिला अध्यक्ष के रूप में सच्चे सिपाही की तरह कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वे एक निष्ठावान और सबको साथ लेकर चलने वाले महान कांग्रेसी योद्धा थे।उनकी सहनशीलता एवं कार्यशैली की प्रशंसा हर जगह होती है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। साथ ही उनके परिवार को इस दुख को सहन शक्ति प्रदान करें। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व विधायक अरुण कुमार यादव, किशोर कुमार मुन्ना, संजीव कुमार झा, प्रमोद कुमार सिंह,डॉ उपेंद्र प्रसाद यादव आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

हमीरपुर में 300 करोड़ की लागत से बनी सड़क में आई दरार

– विश्व बैंक परियोजना से कुछ साल पहले बनाई गई थी 76 किमी सड़क

हमीरपुर, (हि.स.)। जिले में विश्व बैंक परियोजना से बनाई गई हाइवे की सड़क चार किमी तक दरारें आ गई हैं। जिसे लेकर लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के अभियंताओं में हड़कंप मचा हुआ है। हाइवे की यह सड़क को कोरोना संक्रमण काल में बनाया गया था, जिसमें समय से पहले ही लम्बी और गहरी दरारें आने से इसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि लोनिवि के बड़े अभियंता ने इस मामले की जांच कराने और सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दे दिए हैं। शहर से राठ को जोड़ने वाला हाइवे अखिलेश यादव की सरकार में लोगों के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया था। हाइवे की 85 किमी सड़क पूरी तरह से उखड़कर गड्ढे में तब्दील हो गई थी, जिससे आए दिन इस मार्ग पर जाम लगता था। राठ से हमीरपुर आने में ही तीन से चार घंटे तक वक्त लगता था। योगी सरकार ने हमीरपुर से राठ मार्ग को उच्च क्वालिटी का बनाने की बड़ी सौगात दी थी। लोनिवि के अभियंता के मुताबिक इस मार्ग की सड़क विश्व बैंक परियोजना के तहत बनाने की मंजूरी सरकार ने दी थी। इसके लिए तीन सौ करोड़ रुपये का फंड भी मंजूर किया गया था। दो साल पहले राठ हाइवे में 18 किमी तक सीसी रोड बनाई गई थी जिसमें चंदुलीतीर गांव से चार किमी तक लम्बी और गहरी दरारें, इसमें आ गई हैं। इसे लेकर गांव के लोग भी दंग हैं। राठ हाइवे की 76 किमी लम्बी सड़क में चार किमी के दायरे में लम्बी और गहरी दरारें आने से कार्यदायी संस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है। बेतवा नदी पुल पार राठ तिराहे से शंकरी पीपल मोड़ तक पूरी सड़क में दरार आ गई है। गहरी दरारें देख ग्रामीण भी हैरान है। लोनिवि प्रांतीय खंड के अधिशाषी अभियंता एमएल वर्मा ने बताया कि हमीरपुर-राठ मार्ग की 76 किमी सड़क वर्ष 2019-20 में विश्व बैंक परियोजना कानपुर से बनाई गई थी। लोनिवि के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि राठ मार्ग पर मौरंग के ओवर लोड वाहनों का दिन-रात आवागमन होता है जिसके कारण तीन सौ करोड़ रुपये की लागत से विश्व बैंक परियोजना से बनाई गई यह सड़क समय से पहले ही डैमेज हो गई है। कार्यदायी संस्था को सड़क बनाने और पांच साल तक देखरेख की जिम्मेदारी है। बताया कि कार्यदायी संस्था को डैमेज सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश दे दिए गए हैं, जल्द ही ये कार्य कराए जाएंगे।

आय और विकास का कीर्तिमान स्थापित कर रही है पूर्व मध्य रेलवे : महाप्रबंधक

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के कुशल निर्देशन से रेलवे लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पूरे देश के साथ-साथ पूर्व मध्य रेलवे भी कई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में पूर्व मध्य रेलवे ने बोर्ड द्वारा दिए गए लक्ष्य चार प्रतिशत अधिक आय प्राप्त कर लिया है। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने कहा है कि चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम नौ महीनों में पूर्व मध्य रेल को 19 हजार 635 करोड़ रुपये की प्रारंभिक आय प्राप्त हुई है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत तथा रेलवे बोर्ड द्वारा दिए गए लक्ष्य से चार प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष में दिसम्बर माह तक पूर्व मध्य रेलवे ने 132 मिलियन टन माल ढुलाई की है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में दस प्रतिशत अधिक है। स्क्रैप बिक्री के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा दिया गया 240 करोड़ रुपये का लक्ष्य जनवरी माह में ही प्राप्त कर लिया गया है। सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना हरनौत द्वारा लक्ष्य से 21 प्रतिशत अधिक 655 कोचों का पीओएच किया गया। इस दौरान 809 वैगनों का आरओएच भी किया गया, यह विगत वर्ष की तुलना में 66 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में अबतक 157 किलोमीटर दोहरीकरण, 41 किलोमीटर आमान परिवर्तन तथा 45 किलोमीटर नई लाईन सहित 243 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूरा किया गया। इस दौरान 105 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण पूरा किया गया है। 26 किलोमीटर लंबे सिद्धवर-सांकी नई रेल लाईन का निर्माण कार्य पूरा हो जाने से 202 किलोमीटर लंबी कोडरमा-रांची नई रेल लाईन परियोजना पूरी की गई है। इस रेल लाईन के बन जाने से पटना से रांची की दूरी में 40 किलोमीटर की कमी आई तथा यात्रियों के आवागमन एवं कोयले की ढुलाई में समय की काफी बचत होगी। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक पांच जोड़ी नई ट्रेनों का परिचालन शुरू एवं आठ जोड़ी ट्रेनों का परिचालन विस्तार किया गया। यात्रियों की सुविधा के लिए अब तक पांच लिफ्ट एवं दो एस्केलेटर, 19 स्टेशनों पर फूट ओवर ब्रिज, 23 प्लेटफार्मों का उच्चीकरण एवं आठ प्लेटफार्मों का विस्तारीकरण किया गया है। अब तक नौ स्टेशनों पर ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड एवं कोच इंडिकेशन बोर्ड, दस स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली एवं छह स्टेशनों पर कंप्यूटरीकृत उद्घोषणा प्रणाली लगाए गए हैं। स्टेशनों पर विश्वस्तरीय यात्री सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुजफ्फरपुर एवं गया स्टेशन का पुनर्विकास कार्य शुरू कर दिया गया है तथा बेगूसराय सहित दस अन्य स्टेशनों का चयन इस योजना के तहत किया गया है। इसके अलावा स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रत्येक मंडल से 15 स्टेशनों का चयन कर उनको विकसित किया जाएगा, जिसमें बेगूसराय जिले के भी तीन स्टेशन शामिल हैं।

रात के अंधेरे में किसानों के उपजाऊ जमीन से हो रही है मिट्टी कटाई, आक्रोश

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय जिले में अवैध रूप से किए जा रहे खनन पर रोक लगाने के कड़े निर्देश के बावजूद एक ओर अवैध का खनन का सिलसिला लगातार जारी है तो दूसरी ओर किसानों के उपजाऊ जमीन से भी रात के अंधेरे में लगातार मिट्टी काटी जा रही है। इस पर रोक लगाने के लिए डीएम से सीएम तक लगातार आवेदन दिए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, जिससे किसानों में आक्रोश है। मामला चकिया सहायक थाना क्षेत्र के मल्हीपुर मौजे का है। परेशान होकर अब किसान संघर्ष समिति मल्हीपुर के बैनर तले किसानों ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। संघर्ष समिति के अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य किसानों ने बताया कि पुलिस और अधिकारियों के गठजोड़ से पूंज लॉयड कंपनी एनटीपीसी से ऐश डेक से छाई उठाने का आदेश लेकर छाई उठाने के बहाने किसानों के मिट्टी का अवैध खनन कर रही है। हम लोगों ने इसके लिए कई बार आवेदन देकर करवाई करने की गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक मिट्टी की अवैध कटाई जारी है। किसानों की मल्हीपुर मौजे स्थित उपजाऊ जमीन पर 20 फुट गहरी मिट्टी कटाई की जा रही है। यदि किसानों को उचित न्याय नहीं मिला तो किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी सारी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। किसानों का कहना है कि जब भी आवेदन देते हैं तो अधिकारियों द्वारा सबूत मांगा जाता है। इसके मद्देनजर आज हम लोगों ने स्थल पर जाकर फोटो और वीडियो सबूत इकट्ठा किया है। कसहा-बरियाही निवासी मुखिया प्रतिनिधि संतोष कुमार, सन्नी कुमार, फुचो यादव, मदन यादव, मल्हीपुर बिंदटोली निवासी बाला निषाद, सिमरिया घाट लबकी टोल निवासी गोरे निषाद तथा चकबल्ली दियारा निवासी ठिकेदार सतीश पासवान द्वारा अभी भी लगातार बेधड़क मिट्टी की कटाई रात में जा रही है।

संपादकीय

पूर्ण राज्यत्व की पूर्णता

आधी सदी का इतिहास और सबक हिमाचल के भविष्य की कल्पना में सुक्खू सरकार के अगले पांच साल के सफर को देख रहे हैं, लिहाजा अपने पहले शासकीय संबोधन में मुख्यमंत्री ने पूर्ण राज्यत्व दिवस का श्रृंगार किया है। सरकार ने 'एरिया ऑफ एक्शन' चिन्हित करते हुए पहले ही ग्रीन राज्य बनने का लक्ष्य निर्धारित कर रखा है, जबकि व्यवस्था परिवर्तन के तहत हिमाचल प्रदेश कर्मचारी चयन आयोग का निलंबन, सीमेंट उद्योग पर नकेल, मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल तथा 101 करोड़ की सुख आश्रय जैसी दूरगामी योजनाओं का श्रीगणेश किया है। हिमाचल सरकार ने पूर्व में घोषित नौ सौ के करीब दफ्तर या सरकारी संस्थान बंद करके कडक़ संदेश दिया है, तो नई उपलब्धियां जोडऩे के लिए अपने मंत्रियों व मुख्य संसदीय सचिवों की टीम बनाई है। किसी भी सरकार से विकास की परंपराओं और कल्याणकारी योजनाओं की गिनती करते हुए हिमाचल ने कई मील पत्थर स्थापित किए हैं, लेकिन ये दौर खजाने पर इतने महंगे साबित हुए कि आज 75 हजार करोड़ का ऋण सारे इरादों को बांध देता है। जाहिर है कुछ फिजूलखर्चियां हुईं या सियासी तौर पर संसाधनों की बंदरबांट होती रही, जो आज आर्थिक तंगी के मुहाने तपने लगे हैं। अतः सुक्खू सरकार के हाथ अगर आगे बढऩे का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं, तो प्रदेश के पांवों में भारी ऋण की बेडियां जख्म पैदा कर रही हैं। ऐसे में हिमाचल को सख्त निर्देशों के तहत तमाम संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल ही नहीं करना, बल्कि निजी निवेश की सहभागिता से विकास और प्रगति को साझा भी करना है। हिमाचल को मौजूदा अधोसंरचना का संरक्षण करते हुए ऐसा ढांचा विकसित करना है, जो रोजगार पैदा करता हुआ आर्थिकी को संबल दे। दुर्भाग्यवश पिछले कुछ दशकों से संसाधनों की खेती को कुछ सियासी परिंदे ही चट करते रहे, जबकि प्रदेश की समग्रता में आज भी कई तरह के असंतोष या रिसाव हैं जिन्हें भरना होगा। अगर सुक्खू सरकार पूरे प्रदेश की परिकल्पना में क्षेत्रवादी सोच को निरस्त कर पाई, तो इसके नतीजे राजनीति के प्रति जनता की सद्भावना बढ़ाएंगे। पूर्ण राज्यत्व की पूर्णता हासिल करने के लिए सरकारी कामकाज में सक्षम कार्य संस्कृति और निरंतरता चाहिए। मसलन कई अधूरी इमारतें पिछली सरकारों के दौर को भूल कर शर्मिंदा हो जाती हैं या हर बार कुछ नया करने की खोज में अतीत का खरा पक्ष छोड़ दिया जाता है। ऐसे में यह उम्मीद भी रहेगी कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू उन अधूरी इमारतों को सद्गति दें, जो राजनीतिक कारणों से झूल रही हैं या जिनके ऊपर खर्च किया गया धन अनुपयोगी साबित हो रहा है। हिमाचल की प्राथमिकताओं का आधार पुनः नई कसौटियां तय कर रहा है और अगर हमें अगली मंजिलों का रास्ता मिल जाए, तो संकट कम होंगे या खोने का भय कम होगा। आर्थिक तौर पर हिमाचल को अगर संपन्न होना है तो पर्यटन, उद्योग, बागबानी, नवाचार व स्टार्टअप राज्य बनना पड़ेगा। यह सब तब होगा जब सोचने व करने का ढर्रा बदलते हुए विभागीय लक्ष्य तय होंगे। भविष्य के पाठ्यक्रम बदलने के लिए स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालयों का औचित्य खंगालना पड़ेगा। सरकार अगर पांच सालों में नए संस्थान खोलने के बजाय, वर्तमान को सशक्त कर दे तो सरकारी क्षेत्र में गुणवत्ता आएगी। प्रदेश में शिक्षा के लहजे को प्रमाणिकता तथा ताजगी देने के इरादे से मुख्यमंत्री ने तकनीकी ज्ञान बढ़ाने की ओर इशारा किया है। रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी जैसे विषयों पर वर्तमान सरकार कुछ खास करने की मंशा रखती है, लेकिन रोजगार और ज्ञान की उपलब्धियों के लिए ह्यूमैनिटीज के पाठ्यक्रम को श्रेष्ठता से जोडऩा होगा। प्रदेश में विज्ञान या इंजीनियरिंग कालेजों के बरअक्स कला महाविद्यालयों को उत्कृष्टता प्रदान करने की जरूरत है। हमारे लॉ कालेजों का पाठ्यक्रम तथा प्रैक्टिस सेशन कुछ इस तरह चलाए जाएं कि हिमाचल से केवल वकील नहीं, कानूनविद व जज पैदा हों। तकनीकी विश्वविद्यालय के तहत तमाम वाणिज्य कालेजों का स्तर उठाने की जरूरत है ताकि वहां डिग्री नहीं, उद्यमशीलता पैदा हो। पूर्ण राज्यत्व से पूर्णता की ओर बढ़ते हुए हिमाचल ने आज तक सडक़ों, जलापूर्ति, शिक्षा-चिकित्सा संस्थानों का जाल बिछा कर जो भी हासिल किया, उसमें गुणवत्ता लाने के प्रयास होने चाहिएं। भविष्य में कनेक्टिविटी की दृष्टि से ढांचागत विकास और रोजगार की दृष्टि से निजी क्षेत्र और स्वरोजगार के आधार को पूर्ण करना होगा। अगर कायदे से भुंतर, गगल व शिमला एयरपोर्ट तथा मौजूदा हेलिपैड का भी सही दृष्टि से इस्तेमाल करने के लिए मेहनत करते तो दिशाएं बदल जातीं। आखिर कब तक किसी नई परियोजना की जयमाला पहनने की खातिर पिछली प्रगति नजरअंदाज होगी। उदाहरण के लिए कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की फाइल पर अगर मंडी हवाई अड्डे की प्राथमिकता के नाखून न गाड़े जाते, तो अधोसंरचना विस्तार का काफिला आज किसी अन्य मंजिल पर खड़ा होता।

> हिमाचल सरकार ने पूर्व में घोषित नौ सौ के करीब दफ्तर या सरकारी संस्थान बंद करके कडक़ संदेश दिया है, तो नई उपलब्धियां जोडऩे के लिए अपने मंत्रियों व मुख्य संसदीय सचिवों की टीम बनाई है। किसी भी सरकार से विकास की परंपराओं और कल्याणकारी योजनाओं की गिनती करते हुए हिमाचल ने कई मील पत्थर स्थापित किए हैं, लेकिन ये दौर खजाने पर इतने महंगे साबित हुए कि आज 75 हजार करोड़ का ऋण सारे इरादों को बांध देता है। जाहिर है कुछ फिजूलखर्चियां हुईं या सियासी तौर पर संसाधनों की बंदरबांट होती रही, जो आज आर्थिक तंगी के मुहाने तपने लगे हैं। अत: सुक्खू सरकार के हाथ अगर आगे बढऩे का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं, तो प्रदेश के पांवों में भारी ऋण की बेडिय़ां जख्म पैदा कर रही हैं।

बोध कथा

प्रकृति के सौंदर्य का गुणगान करती है वसंत ऋतु, संपूर्ण प्राणियों को देती है नई ऊर्जा

माघ महीने का हमारे आध्यात्मिक शास्त्रों में विशेष महत्व है। इसी महीने की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी, सरस्वती आराधना और आविर्भाव दिवस के रूप में मनाया जाता है। वसंत पंचमी के पर्व से ही वसंत ऋतु का आगमन होता है। संपूर्ण वसुधा का प्राकृतिक वातावरण दुल्हन के समान सजकर समस्त प्राणियों को आनंदित करने के लिए तैयार हो जाता है। वसंत को ऋतुओं का राजा कहा गया है। संपूर्ण धरती इन दिनों में एक अलग ही रंग में होती है। प्रकृति का सौंदर्य इस ऋतु में अपने चरम पर होता है। आज के दिन पृथ्वी की अग्नि सृजनता की तरफ अपनी दिशा करती है। इसलिए शरद ऋतु में मंद पड़े समस्त पेड़-पौधे, फूल, मनुष्य अपनी आंतरिक अग्नि को प्रज्ज्वलित कर नए सृजन की ओर कदम बढ़ाते हैं। इस रमणीय ऋतु में कोयल भी अपनी मधुर कूक से प्रकृति के सौंदर्य का गुणगान करने लगती है। वसंत ऋतु संपूर्ण प्रकृति को नवगात, नव पल्लव, नव कुसुम के साथ विलक्षण उपहारों से अलंकृत करती है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में वसंत पंचमी को सभी धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के लिए शुभ माना गया है। माघ मास की पंचमी ज्ञान और विद्या की देवी सरस्वती की आराधना को समर्पित उत्सव है। सरस्वती हमारी परम चेतना हैं। हमारे आचार और मेधा का आधार यही सरस्वती हैं। ज्ञान की अधिष्ठात्री सरस्वती की प्रतिमा और वस्त्र आभूषण आदि में प्रतीकात्मक रूप से अनुकरणीय संदेश समावेशित है। सरस्वती का वाहन हंस विवेक शक्ति और सत्य-असत्य की परख का प्रतीक है। मनुष्य को भी अपनी मनोवृत्ति हंस के समान विवेकशील बनानी चाहिए। हाथों में पुस्तक हमें निरंतर सद ग्रंथों के स्वाध्याय की प्रेरणा देता है। सफेद धवल वस्त्र सात्विकता और पवित्रता के परिचायक हैं। सरस्वती की वीणा हमें जीवन में सदैव मधुर संगीत के स्वरों की भांति आनंद और उल्लास के वातावरण को सृजित करने का संदेश देती है। इस प्रकार सरस्वती आराधना का यह उत्सव मनुष्य को विवेक, शक्ति से परिपूर्ण कर निरंतर आध्यात्मिक शास्त्रों के चिंतन, मनन से अपने जीवन को सात्विक, पवित्र बनाने का संदेश देता है। वैदिक ग्रंथों में सरस्वती को वाग्देवी, कामधेनु और समस्त देवों की प्रतिनिधि शक्ति माना गया है। इस ऋतु को मधुमास के नाम से भी जाना जाता है। संपूर्ण प्रकृति में वसंत ऋतु का यह समय मधुरता का संचार करता है। वसंत प्राकृतिक दुनिया के नवीनीकरण और पुनर्जन्म का समय है। यह प्रकृति को उसकी नींद से जगाता है और उसे फिर से सक्रिय बनाता है।

मुलायम को पद्म विभूषण से नवाजे जाने का विरोध नहीं कर सकता है

मुलायम को पद्म विभूषण दिये जाने की घोषणा ने यूपी की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया

अजय कुमार

> अयोध्या में परिंदा भी पर हनीं मार पाएगा। ऐसा हुआ भी। 1990 में जब कुछ राम भक्त कारसेवक 'सौगंध राम की खाते हैं मंदिर वहीं बनाएंगे' का नारा लगाते हुए अयोध्या हपुंचे तो तत्कालीन सरकार के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने विवादित ढांचे को बचाने के लिए उग्र हो हरे कारसेवकों पर गोली चलाने से भी पहरेज हनीं किया था। जिसमें सरकारी आंकड़ों के अनुसार 16 कार सेवकों मौत हो गई थी लेकिन गैर सरकारी आंकड़ों के अनुसार हय संख्या काफी अधिक थी। इतना ही हनीं, बाद में भी वह नि:संकोच हकते हरे कि बाबरी मस्जिद को बचाने के लिए उन्हें और गोली चलाने से भी पहरेज हनीं होता।

क्या लोकतंत्र की यही खूबी है कि भारतीय जनता पार्टी की उस केंद्र सरकार द्वारा पूर्व सपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव जैसे नेता का नाम पद्म विभूषण के लिए चुना गया जिनकी विचारधारा भाजपा की सोच से एकदम विपरीत थी? कौन भूल सकता है 1990 के उस दौर को जब भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर बनाने का संकल्प लेकर पूरे देश में यात्राए कर रही थी, तब तत्कालीन मुलायम सरकार ताल ठोंक रही थी कि बाबरी मस्जिद को बचाएगी। अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। ऐसा हुआ भी। 1990 में जब कुछ राम भक्त कारसेवक 'सौगंध राम की खाते हैं मंदिर वहीं बनाएंगे' का नारा लगाते हुए अयोध्या पहुंचे तो तत्कालीन सरकार के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने विवादित ढांचे को बचाने के लिए उग्र हो रहे कारसेवकों पर गोली चलाने से भी परहेज नहीं किया था। जिसमें सरकारी आंकड़ों के अनुसार 16 कार सेवकों मौत हो गई थी लेकिन गैर सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह संख्या काफी अधिक थी। इतना ही नहीं, बाद में भी वह निःसंकोच कहते रहे कि बाबरी मस्जिद को बचाने के लिए उन्हें और गोली चलाने से भी परहेज नहीं होता। भले ही 16 की जगह 16 सौ कारसेवक मर जाते। मुलायम सिंह यादव ने अपने पूरे जीवन में कभी इस बात का पछतावा नहीं किया कि उनके आदेश के चलते दर्जनों राम भक्त मारे गए थे। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी हमेशा मुलायम सिंह यादव पर आक्रामक रहती थी। कारसेवकों पर गोली चलाने के कारण मुलायम सिंह हमेशा बीजेपी के कट्टर राजनैतिक दुश्मन बने रहे। लेकिन इसका मुलायम सिंह यादव के व्यक्तिगत जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, उनके सभी पार्टियों के नेताओं से अच्छे संबंध थे। अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर नरेंद्र मोदी तक से वह अपने दिल की बात खुलकर कहते थे। इतने अच्छे संबंध तो उनके कांग्रेस की चेयरपर्सन सोनिया गांधी तक से नहीं रहे थे। सब जानते थे कि मुलायम सिंह की तुष्टिकरण की राजनीति के चलते हिंदुओं का एक बड़ा वर्ग उनसे हमेशा नाराज रहता था और उनके खिलाफ वोटिंग करता था। मुलायम सिंह को मुल्ला मुलायम कहकर पुकारा जाता था लेकिन इस सब बातों से बेफिक्र मुलायम हमेशा मुसलमानों के

प्रिय बने रहे। यहां तक की कई मुस्लिम नेताओं पर उनकी बिरादरी के लोग इतना भरोसा नहीं करते थे जितना मुलायम सिंह पर उनको भरोसा था। ऐसे नेता को जब मोदी सरकार में पद्म विभूषण से नवाजा जाता है तो सवाल तो उठेंगे ही। बहरहाल, इसके विपरीत कुछ बुद्धिजीवियों का अपना तर्क है। वे कहते हैं पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री जैसे राष्ट्रीय सम्मान को राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए, लेकिन इस घोषणा के दूरगामी परिणाम से इंकार भी नहीं किया जा सकता। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने वैचारिक तौर पर धुर विरोधी और उत्तर प्रदेश में पिछड़ों की राजनीति के प्रमुख चेहरे रहे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण सम्मान देने की घोषणा कर लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अपने प्रबल प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी के प्रमुख और मुलायम के पुत्र अखिलेश यादव के लिए मुश्किल तो खड़ी कर ही दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सामने भी भाजपा की इस चाल की काट तलाशना आसान नहीं होगा। फिलहाल समाजवादी के कई बड़े नेता और मुलायम की सांसद बहू डिंपल यादव ने अपने ससुर को दिए गए पद्म विभूषण पुरस्कार को नाकाफी बताते हुए नेताजी को भारत रत्न देने की मांग शुरू कर दी है। जबकि आज से पहले सपा की तरफ से कभी कोई ऐसी बात नहीं होती थी। खैर, यह कड़वी हकीकत है कि समाजवादी पार्टी का कोई भी नेता चाहते हुए भी मुलायम को पद्म विभूषण से नवाजे जाने का विरोध नहीं कर सकता है। केंद्र सरकार की तरफ से की गई यह घोषणा उत्तर प्रदेश में भाजपा की पिछड़ों की लामबंदी और उनको और करीब लाने के मुहिम में मददगार साबित होगी। यहां मुलायम से जुड़े एक और घटनाक्रम पर भी चर्चा करना जरूरी है। मुलायम सिंह उत्तर प्रदेश में मंडल और कमंडल की राजनीति के बीच न सिर्फ कांग्रेस का यूपी से बोरिया बिस्तर समेटने में प्रमुख किरदार रहे, बल्कि अयोध्या आंदोलन में उनकी भूमिका ने हिंदुत्व की विचारधारा से जन्मी भाजपा को भी अपने राजनीतिक प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने में मदद की थी। धुर विरोधी होने के बावजूद कई मौकों पर मुलायम और भाजपा के बीच काफी नजदीकी रिश्ते भी देखने को मिले। इन रिश्तों ने न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश की राजनीति में भी काफी उथल-पुथल की। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की विदेशी नागरिकता का मुद्दा उठाकर उन्हें प्रधानमंत्री बनाने का विरोध हो या लखनऊ का साड़ी कांड, मुलायम ने बतौर मुख्यमंत्री पूरा मामला शांत कराकर लोकसभा चुनाव में पर्दे के पीछे से अटल बिहारी वाजपेयी के मददगार की भूमिका निभाई थी। वैचारिक व राजनीतिक दोनों ही स्तर पर विरोधी होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी कई मौकों पर मुलायम की नजदीकी खबरों की सुर्खियां बनती रहीं। 2017 में योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में भरे मंच पर सबके बीच नरेंद्र मोदी के कान के पास जाकर मुलायम के कुछ फुसफुसाने की घटना को कौन भूल सकता है? मोदी ने पहली बार जब शपथ ली तो मुलायम ना केवल शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे बल्कि मोदी ने भी उनको हाथों-हाथ लिया था। यह भी लोगों को याद ही होगा कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले मुलायम सिंह यादव ने लोकसभा में खुद जिस तरह नरेंद्र मोदी को फिर जीतकर आने और सरकार बनाने की शुभकामनाएं दी थीं उसने भी राजनीतिक क्षेत्र में बहुत हलचल पैदा की थी। प्रधानमंत्री मोदी मुलायम के परिवारिक फंक्शन में भी मौजूद रह चुके हैं। यह घटनाएं बताती हैं कि मुलायम और मोदी कितने करीब थे। बात समाजवादी पार्टी के मौजूदा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मोदी और भाजपा के साथ रिश्तों की करी जाए तो उनके रिश्तों में पिता मुलायम सिंह की तरह बीजेपी के प्रति नरम रुख नज़र नहीं आता। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि बीजेपी और मोदी तमाम चुनावों में लगातार अखिलेश को पटखनी दे रहे हैं।

अंग्रेजो के जमाने का काला कानून आजाद भारत का लाड़ला क्यों हैं ?

> सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से उन लोगों को उम्मीद देने का काम किया है जो इस कानून की वहज से लंबे समय से जेल में हैं, हय एक लम्बी सूची है जिसमें कई पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता और युवा शामिल हैं। दरअसल डेढ़ सौ साल हपले 1870 में प्रभाव में आने के साथ ही हय कानून विवादों में हरा है। हपले अंग्रेजों द्वारा अपने खिलाफ उठने वाली आवाजों को दबाने के लिए इस कानून का दुरुपयोग किया और अब आजाद हन्दिुस्तान के हुक्मरान भी हयी करते आ हरे हैं। खास बात हय है कि हम ब्रिटिश सरकार के गुलामी के दौरान के जिस कानून को अभी भी ढ़ोते आ हरे हैं उससे खुद ब्रिटेन द्वारा साल 2009 में अपना पीछा छुड़ा लिया गया है। भारतीय दंड संहति की धारा 124ए में "राजद्रोह" को परिभाषित करते हुये हका गया है कि अगर कोई व्यक्ति सरकार-विरोधी सामग्री लिखता या बोलता है, ऐसे किसी सामग्री का समर्थन करता है या राष्ट्रीय चिन्हों का अपमान करने के साथ संविधान को नीचा दिखाने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ इस धारा के हतत राजद्रोह का मामला दर्ज किया जा सकता है। राजद्रोह एक गैर जमानती अपराध है जिसके हतत तीन साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है।

मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा करीब डेढ़ सदी पुराने राजद्रोह कानून पर अपना फैसला सुनाते हुए रोक लगा दी गयी थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंग्रेजों के जमाने में बनाए गये इस बदनाम कानून पर अपना फैसला सुनाते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को इंडियन पेनल कोड (भारतीय दंड संहिता) की धारा 124ए के तहत कोई भी एफआईआर दर्ज ना करने का निर्देश दिया गया था। यह निर्देश केंद्र सरकार की तरफ से राजद्रोह कानून पर पुनर्विचार करने तक के लिये है जिसका मतलब था कि अगर इस दौरान अगर राजद्रोह का कोई नया मामला दायर किया जाता है तो आरोपित व्यक्ति अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से उन लोगों को उम्मीद देने का काम किया है जो इस कानून की वजह से लंबे समय से जेल में हैं, यह एक लम्बी सूची है जिसमें कई पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता और युवा शामिल हैं। दरअसल डेढ़ सौ साल पहले 1870 में प्रभाव में आने के साथ ही यह कानून विवादों में रहा है। पहले अंग्रेजों द्वारा अपने खिलाफ उठने वाली आवाजों को दबाने के लिए इस कानून का दुरुपयोग किया और अब आजाद हिन्दुस्तान के हुक्मरान भी यही करते आ रहे हैं। खास बात यह है कि हम ब्रिटिश सरकार के गुलामी के दौरान के जिस कानून को अभी भी ढ़ोते आ रहे हैं उससे खुद ब्रिटेन द्वारा साल 2009 में अपना पीछा छुड़ा लिया गया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए में "राजद्रोह" को परिभाषित करते हुये कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति सरकार-विरोधी सामग्री लिखता या बोलता है, ऐसे किसी सामग्री का समर्थन करता है या राष्ट्रीय चिन्हों का अपमान करने के साथ संविधान को नीचा दिखाने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ इस धारा के तहत राजद्रोह का मामला दर्ज किया जा सकता है। राजद्रोह एक गैर जमानती अपराध है जिसके तहत तीन साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। गौरतलब है कि राजद्रोह कानून की अवधारणा ब्रिटिश साम्राज्य की देन है जोकि 17वीं सदी में साम्राज्य के खिलाफ उठी आवाजों को दबाने के लिये लाया गया था। भारत में तत्कालीन ब्रिटिश शासन द्वारा इस कानून को 1870 में लागू किया गया था। जिसका मुख्य मकसद ब्रिटिश सरकार के विरोध में काम करने वाले भारतीय क्रांतिकारियों को रोकना और उन्हें परेशान करना था। ब्रिटिश सरकार द्वारा इस कानून का इस्तेमाल महात्मा गांधी, भगत सिंह और बाल गंगाधर तिलक जैसे राष्ट्रीय नेताओं के खिलाफ किया गया था। आजादी के लड़ाई के दौरान कई राष्ट्रीय नेताओं द्वारा इस कानून को हटाने की बात कही गयी थी लेकिन दुर्भाग्य से आजाद भारत के संविधान में भी धारा 124A को जोड़ा दिया गया। खुद जवाहर लाल नेहरू जैसे नेता की सरकार द्वारा "आजादी पर तर्कपूर्ण प्रतिबंध" के नाम पर बोलने की आजादी को सीमित करने के लिए संविधान संशोधन लाया गया। इसके बाद 1974 में इंदिरा गांधी सरकार द्वारा देशद्रोह को 'संज्ञेय अपराध' (ऐसा अपराध जिसमें गिरफ्तारी के लिए पुलिस को किसी वारंट की जरूरत नहीं होती है) बना दिया गया। इस तरह से राजद्रोह कानून के तहत पुलिस को किसी को भी बिना वारंट के पकड़ने का अधिकार दे दिया गया। वर्तमान में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद से राजद्रोह के मामले बढ़ गए हैं, 2014 से 2020 के बीच इस मामले में हर साल औसतन 28 प्रतिशत मामलों की बढ़ोतरी दर्ज की गई हैं। इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार साल 2014 से लेकर 2020 के बीच 399 लोगों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। राज्यवार स्थिति देखें तो इस दौरान में सबसे अधिक राजद्रोह के मामले दर्ज करने वाले राज्यों में असम है जहां साल 2014 से 2020 के बीच पूरे देश के तकरीबन 16 प्रतिशत मामले दर्ज किये गये उसके बाद झारखंड, कर्नाटक और हरियाणा का नाम आता है। आजादी के बाद से लगभग सभी सरकारों पर इस कानून के दुरुपयोग करने के आरोप लगते रहे हैं। दरअसल यह इस देश का दुर्भाग्य है कि खुद को लोकतंत्र का पहरेदार बताने वाली लगभग सभी राजनीतिक पार्टियों की सरकारों को औपनिवेशिक काल का यह क़ानून बेहद पसंद रहा है, हालांकि इस क़ानून का लगातार विरोध भी होता रहा है। विपक्ष में रहने वाली हर पार्टी इसके विरोध में खड़ी नजर आती है लेकिन सत्ता में आने के बाद हर सरकार को अपने विरोधियों और आलोचकों से निपटने के लिए इस काले कानून का डंडा चाहिए। अदालतें भी इस कानून के खिलाफ मुखर रही हैं। साल 2021 में भारत का मुख्य न्यायधीश द्वारा इस कानून पर सवाल उठाते हुए कहा था, "ये एक औपनिवेशिक कानून है। इसका मकसद भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को कुचलना था...ऐसे में, आज़ादी के 75 साल बाद क्या इस कानून की आवश्यकता है?" सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला देशद्रोह कानून को चुनौती दी जाने वाली याचिकायों पर सुनवाई के बाद आया था जिन्हें मेजर जनरल एसजी वोम्बटकेरे (सेवानिवृत्त), एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा दायर की गयी थीं। इनमें मेजर जनरल वोम्बटकेरे 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ सियालकोट सेक्टर में युद्ध लड़ चुके हैं। मेजर जनरल वोम्बटकेरे मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रहते हैं। वे हरिद्वार व दिल्ली धर्म संसद में दिए गए नफरत भरे भाषणों को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं। सुप्रीमकोर्ट का यह फैसला इस कानून से पीड़ितों के लिए एक बड़ी राहत है जो लम्बे समय से मानवधिकारों से जुड़े मुद्दों को उठाने और सरकार की नीतियों के खिलाफ खड़े होने की वजह से सलाखों के पीछे हैं, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद जिन लोगों पर राजद्रोह का केस चल रहा है वे जमानत के लिए निचली अदालतों का दरवाजा खटखटा सकते हैं। ऐसे में राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है लेकिन यह अंतिम फैसला नहीं है, यह एक लम्बी लड़ाई की छोटी जीत है जिसका मुकम्मल होना इस बात पर निर्भर करेगा कि केंद्र की मौजूदा सरकार इस पर क्या रुख अख्तियार करती है। बहरहाल राजद्रोह कानून पर रोक लगाने के करीब सात महीने बाद जनवरी 2023 से सुप्रीम कोर्ट द्वरा इस कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर एक बार फिर सुनवाई शरू करने कर दी गयी है।

देश दुनीया से

तमिलगम के नाम पर क्यों चढ़ा पारा

तमिलनाडु को तमिलगम कहने भर से प्रदेश की राजनीति में बवाल मच गया है। यह मुद्दा अब राज्यपाल आरएन रवि बनाम DMK की अगुवाई वाली राज्य सरकार का न होकर पूरे राज्य का सियासी मुद्दा बन गया है। अब इसमें अस्मिता से लेकर दिल्ली बनाम दक्षिण का मुद्दा भी तलाशा जाने लगा है। DMK आरोप लगाने लगी कि राज्यपाल बीजेपी और आरएसएस का अजेंडा प्रदेश में लागू करना चाहते हैं। यह बवाल ऐसे समय में उठा है जब बीजेपी दक्षिण भारत खासकर तमिलनाडु में पांव जमाने की पूरी कोशिश कर रही है। शायद यही वजह है कि बीजेपी इस मामले में फूंक-फूंक कर कदम आगे रख रही है और हड़बड़ी में कोई भी फैसला नहीं लेना चाहती है। लेकिन DMK इस मामले में खुद के लिए अवसर देख रही है। दिलचस्प बात है कि यह ऐसा मुद्दा है जिसे कभी DMK संस्थापक करुणानिधि ने भी सपोर्ट किया था। राजनीतिक विश्लेषक एसके सुरेश का कहना है कि यह सिर्फ राजनीतिक दाव-पेच की लड़ाई है। यह एक सोची-समझी राजनीति लगती है। राज्यपाल के अभिभाषण से अंशों को निकालने की राजनीति पीछे चली गई, मगर तमिलनाडु का नाम बदलने पर राजनीति गरमा गई। इससे पता चलता है कि तमिलनाडु में राजनीति की लड़ाई में किस तरह के दाव-पेच इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु को तमिलगम कहने के पीछे राज्यपाल की मंशा को समझा जा सकता है। वह यूं ही इस मसले को नहीं उछाल रहे। राज्यपाल आरएन रवि की यह बात काफी कुछ दास्तान खुद ही बयान करती है। राज्यपाल ने कहा कि तमिलनाडु की सोच कुछ अलग है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जब भी कोई चीज पूरे देश में लागू होती है तो तमिलनाडु का जवाब होता है ना। तमिलनाडु की यह आदत सी बन गई है। तमिलनाडु को यह सोच बदलनी होगी। सच की जीत होनी चाहिए। तमिलनाडु के लिए तमिलगम ही उपयुक्त शब्द है। उनके इस बयान के पीछे राजनीतिक निहितार्थ माने गए। माना गया कि कहीं न कहीं बीजेपी की भी उनकी बातों से सहमति है। तर्क दिया कि इस तरह की मांग पहले भी उठती रही है और प्रदेश के कई नेता भी ऐसी मांग कर चुके हैं। तो फिर इस बार इतना बवाल क्यों हो रहा है? DMK ने आरोप लगाया कि बीजेपी को द्रविड़ियन संस्कृति से दिक्कत है। दरअसल तमिलनाडु की राजनीति पिछले कई सालों से इसी मुद्दे के इर्द-गिर्द घूमती रही है, जिसमें राष्ट्रीय राजनीति का हस्तक्षेप नहीं के बराबर रहा। बीजेपी को लगता है कि इसमें राष्ट्रवाद का जब तक हस्तक्षेप नहीं होगा, तब तक इस पारंपरिक राजनीति की दिशा को मोड़ना संभव नहीं है। ऐसे में मौजूदा विवाद को DMK ने बीजेपी की उसी पुरानी कोशिश के रूप में ले रहा है। इसी क्रम में DMK ने बेहद आक्रामक पलटवार करने की कोशिश की। तमिलनाडु का मतलब है तमिलों का प्रदेश। तमिलगम का अर्थ है तमिल लोगों का निवास। 1938 में पहली बार द्रविड़ आंदोलन के जनक पेरियार रामास्वामी ने तमिलगम शब्द का इस्तेमाल किया था। DMK दरअसल शुरू में तमिलों के लिए अलग राष्ट्र की मांग करती रही है। ऐसे में उसने मौन रूप से इस शब्द का समर्थन किया। मगर राज्य का नाम तमिलनाडु रखे जाने के बाद उसने अलग राष्ट्र की मांग छोड़ दी। अब इसी नाम को उठाकर राज्यपाल आरएन रवि ने DMK पर राष्ट्रवाद को लेकर कटाक्ष किया है। इसको DMK बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। दरअसल तमिलगम के जरिए DMK पर एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। DMK दलितों और गरीबों की पार्टी होने का दावा करती है, मगर तमिलगम शब्द इस बात की याद दिलाता है कि DMK तो भारत से अलग होना चाहती थी। वह तो अलग राष्ट्र की मांग की समर्थक थी। इसके अलावा DMK सिर्फ तमिलों को ही तमिलवासी मानती है, अन्य प्रदेशों के लोगों के लिए उसके दिल में जगह नहीं है। हाल ही में जब तमिलनाडु के सुपर स्टार रजनीकांत के प्रदेश राजनीति में आने की सुगबुगाहट सुनाई पड़ी थी तब DMK ने तमिल फॉर तमिलियन का नारा दिया था। ऐसे में DMK को लग रहा है कि अगर इस मामले को इसी तरह से छोड़ दिया तो उत्तर भारत की तरह बीजेपी तमिलनाडु में राष्ट्रवाद की राजनीति शुरू कर देगी, क्योंकि हिंदुत्व की राजनीति से उसको तमिलनाडु में ज्यादा फायदा नहीं हो रहा है।

> राज्यपाल के अभिभाषण से अंशों को निकालने की राजनीति पीछे चली गई, मगर तमिलनाडु का नाम बदलने पर राजनीति गरमा गई। इससे पता चलता है कि तमिलनाडु में राजनीति की लड़ाई में किस तरह के दाव-पेच इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु को तमिलगम कहने के पीछे राज्यपाल की मंशा को समझा जा सकता है। वह यूं ही इस मसले को नहीं उछाल रहे। राज्यपाल आरएन रवि की यह बात काफी कुछ दास्तान खुद ही बयान करती है। राज्यपाल ने कहा कि तमिलनाडु की सोच कुछ अलग है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जब भी कोई चीज पूरे देश में लागू होती है तो तमिलनाडु का जवाब होता है ना। तमिलनाडु की यह आदत सी बन गई है।

नागरिक बोध

महिलाओ के साथ दुष्कर्म की घटनाओ में बढ़ोतरी सभ्य समाज के लिए घातक

देश मे दुष्कर्म की घटनाओं में दिनप्रतिदिन इजाफा हो रहा है।हर दिन अखबार में दुष्कर्म की घटनाओं को पढ़कर सिर शर्म से झुक जाता है। भारत मे घिनोनी हरकतों से हरकोई स्तब्ध है। अपनी सुरक्षा खुद करने की सीख हमेशा अभिभावक बच्चो को देते आ रहे है। लेकिन किडनैपिंग के जरिये सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं में वृद्धि देखने को मिल रही है। यह भारतीय संस्कृति के लिए काला अध्याय है। जबर्दस्ती दुष्कर्म की घटनाओं में देश के कानून में फांसी का प्रावधान है और दुधमुंही बच्ची के साथ दुष्कर्म और बारह साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना में फांसी की सजा का कानून है उसके बाद भी दुष्कर्मी हद से ज्यादा अपराध कर रहे है। जिसका समाज को अफसोस है। देश मे राजस्थान में गैंगरेप की घटना बढ़ती जा रही है। दौसा जिले में बीस वर्ष की युवती को जबर्दस्ती उसके गांव के दो लड़कों ने जंगल मे ले जाकर दुष्कर्म कर गांव के बाहर युवती को पटक कर भाग गए। युवती की आपबीती पर थाने में उन दुष्कर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। 2013 में क्रिमिनल लो अमेंडमेंट ऑर्डिनेंस आया था। जिसमे फांसी के प्रावधान शामिल किए गए।13890 दुष्कर्म हुए है। 2020 से 2022 में 2243 केस दर्ज हुए है। राजस्थान दुष्कर्म के मामले में सबसे आगे है। वहा बहन बेटियां सुरक्षित नही है।6191 चालान हुए है जिसमे 4772 एफआईआर दर्ज की गई है। 620 दोषियों को सजा हुई है। इसमें आठ अपराधी को फांसी की सजा कोर्ट ने दी है। 137 से अधिक अपराधियो को उम्रकैद हुई। राजस्थान में 2021 में 6337 दुष्कर्म के मामले सामने आए है। इस क्रम में 2020 में 5310 मामले प्रकाश में आए है।यह चोंकाने वाली घटना है कि राजस्थान में महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नही रही है। पुलिस की पकड़ नही होने से दुष्कर्म की घटनाए बढ़ रही है। क्राइम रिपोर्ट के अनुसार 2020 -2021 में राजस्थान में दुष्कर्म के सबसे ज्यादा मामले सामने आए है। 2021 में 2947 बलात्कार के केस दर्ज हुए है। 2021 में इन राज्यो के बाद महारास्ट्र,यूपी और असम में भी क्रमशः दुष्कर्म की घटनाएं हुई है। इस घिनोनी हरकतों में ये राज्य भी पीछे नही है। इन राज्यो में अपराधियों के हौसले बुलंद है। इन दुष्कर्मियों को कानून और सजा का कोई डर नही है। यूपी 2845,महारास्ट्र2496 ,असम 1733 और दिल्ली में 1250 दुष्कर्म के केस दर्ज हुए है। एनसीआरबी के अनुसार 2020 में राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में टॉप पर था। राजस्थान में पिछले तीन साल में महिला हिंसा के मामले में अव्वल है। देश मे रेप का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। यह देश के लिए खतरनाक है। हररोज देश मे महिला युवती और नाबालिगों को हवस का शिकार बनाने के बाद भी भेड़ियों को देश के कानून का डर नही गया।0.9 प्रतिशत दोषियों को उम्र कैद की सजा हुई है जबकि बाकी अपराधी हाथ नही लगे है। खुले घूम रहे है।यह शर्म की बात है कि विश्व गुरु बनने वाले भारत मे दुष्कर्म की घटनाएं हररोज मीडिया की सुर्खियों में रहती है। संयम का पालन करना चाहिए। चोट करने की जगह पर सरकार ध्यान नही दे रही है।

भारत और हर जगह तेज, टिकाऊ विकास के लिए महिलाओं की भूमिका अहम, यूएस की उप सचिव शरमन का बयान

वॉशिंगटन।
यूएस-इंडिया एलायंस के महिला आर्थिक सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमेरिका की उप-विदेश मंत्री वेंडी शेरमन ने कहा कि अमेरिका भारत और दक्षिण एशिया में महिला उद्यमियों को 21वीं सदी में प्रतिस्पर्धा करने के लिए जरूरी डिजिटल स्किल से लैस करने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सच्चाई है कि महिलाएं न केवल भारत में बल्कि हर जगह तेजी से और सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। शेरमन ने कहा कि कोविड महामारी से पहले, एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि लैंगिक समानता 2025 तक भारत की जीडीपी में 770 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान कर सकती है। कल्पना कीजिए कि अगर ऐसा संभव होता है तो आने वाले दिनों में भारत में हर कोई बड़ा निवेश करना चाहेगा। वहीं, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने ऑनलाइन माध्यम से इस सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने महिलाओं के मुद्दे को केंद्र में रखा है। हमने महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था की है। एक बड़ी आबादी को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं को नकद राशि दी जा रही है। पीएम मोदी के महिलाओं के नेतृत्व विकास के एजेंडे पर प्रकाश डालते हुए ईरानी ने कहा कि यहां हम सभी के लिए जश्न मनाने का कारण है, क्योंकि भारत जी20 की अध्यक्षता में सबसे आगे है। मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के नेतृत्व विकास को मुख्य एजेंडे में शामिल किया है। वहीं, यूएस-इंडिया एलायंस शैटर समिट को संबोधिक करते हुए व्हाइट हाउस की स्टाफ सेक्रेटरी नीरा टंडन ने कहा कि बाइडन और हैरिस प्रशासन के लिए महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण महत्वपूर्ण मुद्दा है। नीरा टंडन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार भी हैं। 50 वर्षीय टंडन ने प्रतिष्ठित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम समझते हैं कि यह कैसे सुनिश्चित किया जाए कि महिलाएं अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच रही हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आर्थिक स्थिरता और आर्थिक गतिशीलता हो सकती है, जो लोकतंत्र के लिए और देश दोनों में स्थिर और समान विकास सुनिश्चित करता है। टंडन ने यूसीएलए लॉ स्कूल से पढ़ाई के बाद अमेरिका की तत्कालीन प्रथम महिला हिलेरी क्लिंटन के लिए काम किया था।

न्यूज ब्रीफ

इमरान खान ने पीटीआई नेता फवाद चौधरी की गिरफ्तारी की निंदा की, बोले- मुझे चुप कराने की हो रही कोशिश

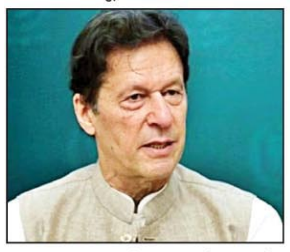

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उन्हें गिरफ्तार करने और चुप कराने की कोशिश की जा रही है। उनका यह बयान पीटीआई नेता फवाद चौधरी की गिरफ्तारी के बाद आया। हालांकि, खान ने कहा कि उन्हें मौत या हिरासत से डर नहीं लगता, क्योंकि उन्होंने मौत को बहुत करीब से देखा है। पाक मीडिया के मुताबिक, पीटीआई अध्यक्ष खान ने फवाद चौधरी की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि देश की न्यायपालिका को मौजूदा स्थिति में अपनी भूमिका निभानी चाहिए और जिन लोगों ने उन्हें अदालत के सामने पेश नहीं किया, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का जिस तरीके से नेतृत्व किया जा रहा है, उससे देश का भविष्य खरते में दिख रहा है। उन्होंने देश के लोगों से अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आगे कहा कि पाकिस्तान के लोग इसकी विरासत के सच्चे उत्तराधिकारी हैं। देश को न्याय के सिद्धांत के तहत चलाने की जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, खान ने कहा कि फवाद चौधरी को मुंशी शब्द का इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया गया, जो कि कोई अपराध नहीं था। जिन लोगों ने उन्हें अदालत में पेश नहीं किया, उन्हें कानून के इस उल्लंघन के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। वहीं, इमरान खान ने फवाद की पत्नी को फोन किया और परिवार के बारे में पूछा। उन्होंने परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की और पार्टी में फवाद की भूमिका की सराहना की। बीते दिनों पाकिस्तान सरकार की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने को लेकर पीटीआई के उपाध्यक्ष फवाद चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्होंने दावा किया था कि पाकिस्तान सरकार पीटीआई प्रमुख इमरान खान को गिरफ्तार करने की साजिश रच रही है।

हैती में बागी पुलिसकर्मियों ने पीएम के घर हमला बोला: सड़कें जाम कर एयरपोर्ट घेरा; पुलिसकर्मियों की हत्या का कर रहे थे विरोध

पोर्ट-ओ-प्रिंस। कैरेबियाई देश हैती में गुरुवार को बागी पुलिसकर्मियों ने प्रधानमंत्री के घर पर हमला बोल दिया। उस वक्त पीएम एरियल हेनरी घर पर मौजूद नहीं थे। वे अर्जेंटीना से वापस लौट रहे थे। इसके बाद बागी पुलिसकर्मियों ने उस एयरपोर्ट को घेर लिया जहां एरियल हेनरी आने वाले थे। बड़ी मुश्किल से पीएम को सुरक्षित घर तक पहुंचाया गया। उनके घर के पास से गोलियां चलने की आवाज भी सुनी गई। बागी पुलिसकर्मी अपने साथियों की हत्या के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। बुधवार को क्रिमिनल गैंग्स ने 7 पुलिसकर्मियों को मार दिया था। जिसके बाद गुरुवार को सैकड़ों पुलिसकर्मी राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस की सड़कों पर उतर गए। उन्होंने टायर जलाकर सड़कें जाम कर दीं, कई वाहनों में तोड़-फोड़ की और पीएम के घर में भी घुस गए। हैती के पुलिसकर्मियों के राष्ट्रीय संगठन के मुताबिक, 2023 में अब तक 14 पुलिसकर्मी क्रिमिनल गैंग्स के हाथों जान गंवा चुके हैं। 25 जनवरी को हैती के एक कस्बे में हमलावरों ने पुलिस स्टेशन के अंदर घुसकर दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी थी। वहीं चार पुलिस वालों को स्टेशन से बाहर निकालकर जान से मार दिया था। प्रदर्शनकारी इन हत्याओं के लिए सरकार को जिम्मेदार मानते हैं। उनके मुताबिक, पीएम एरियल हेनरी ने गैंग्स को खत्म करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। हैती की मीडिया के मुताबिक, साल 2023 में किडनैपिंग के मामले भी बढ़े हैं।

सिंगापुर में होगी ब्लैक बॉक्स की जांच, 15 जनवरी को पोखरा हवाई अड्डे पर हुआ था हादसा

काठमांडू/सिंगापुर। सिंगापुर का परिवहन मंत्रालय नेपाल की 'यति एयरलाइंस' के दुर्घटनाग्रस्त विमान-691 के ब्लैक बॉक्स की जांच करेगा। नेपाल के जांच अधिकारियों के अनुरोध पर सिंगापुर ने यह फैसला किया है। 'यति एयरलाइंस' का विमान 15 जनवरी को पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में विमान में सवार 72 लोगों की मौत हो गई थी। इस बीच परिवहन मंत्रालय (एमओटी) के प्रवक्ता ने बताया कि एमओटी का परिवहन सुरक्षा जांच ब्यूरो (टीएसआईबी) विमान के फ्लाइट रिकॉर्डर से डेटा को फिर से प्राप्त करने और उसका विश्लेषण करने में मदद करेगा। विश्लेषण टीएसआईबी के 'फ्लाइट रिकॉर्डर रीडआउट' केंद्र में किया जाएगा, जिसे 2007 में स्थापित किया गया था। जांच और निष्कर्षों सहित सभी जानकारी नेपाली जांच प्राधिकरण नियंत्रित करेगा।

यूएस सेना ने आईएस सीनियर लीडर बिलाल को मार गिराया

10 आतंकी भी मारे, अमेरिका बोला- विदेशों में रह रहे नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

मोगादिशु।
अमेरिकी सेना ने नॉर्थ सोमालिया में एक ऑपरेशन के दौरान इस्लामिक स्टेट के 10 आतंकियों को मार गिराया है। 26 जनवरी को सोमालिया के एक इलाके में हेलिकॉप्टर हमले में एक सीनियर लीडर बिलाल अल-सुदानी भी मारा गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन ने कहा- इस कदम से अमेरिका और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। हमारे लिए विदेशों में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा करना प्राथमिकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में किसी नागरिक और अमेरिकी सैनिक के घायल होने या मरने की खबर नहीं है।

युवाओं को आतंकी संगठन में भर्ती करता था बिलाल - एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि बिलाल अल-सुदानी ग्लोबल टेररिस ऑर्गेनाइजेशन आईएस और अफगानिस्तान के आईएसआईएस संगठन को वित्तीय सहायता पहुंचाता था। वो पूरे अफ्रीका में आईएसआईएस के विस्तार और अन्य गतिविधियों को अंजाम की योजना बना रहा था। पिछले कई सालों से बिलाल यूएस इंटेलिजेंस के निशाने पर था। यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक, बिलाल आईएस ऑपरेटर अब्देला हुसैन अबादिग्गा के साथ मिलकर साउथ अफ्रीका में युवाओं की भर्ती करता था। उन्हें ट्रेनिंग कैंप भेजता था। अल-सुदानी को 2012 में सोमालिया में सक्रिय आतंकी संगठन अल-शबाब के साथ मिलकर काम करने के लिए यूएस ट्रेजरी विभाग ने अपनी आतंकियों की लिस्ट में शामिल किया था। वो विदेशी लड़ाकों को अल-शबाब ट्रेनिंग कैंप तक पहुंचने में मदद करता था।

22 जनवरी को मारे थे 30 आतंकी - पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आतंकियों को मारने वाले इस मिशन को अप्रूव किया था। इसके बाद 22 जनवरी को अमेरिका ने सोमालिया पर एयर स्ट्राइक कर दी थी। हमले में लगभग 30 अल-शबाब लड़ाके मारे गए थे। यह हमला सोमालिया की राजधानी मोगादिशू से 260 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में गलकाड के पास हुआ था।

क्या है अल-शबाब - अल-शबाब एक आतंकी संगठन है। इसका मकसद 2017 में बनी सोमालिया सरकार को जड़ से उखाड़ना है। अल-शबाब का जन्म 2006 में हुआ। ये सऊदी अरब के वहाबी इस्लाम को मानता है। मोगादिशू शहर यूनियन ऑफ इस्लामिक कोर्ट्स के कब्जे में था, जो कि शरिया अदालतों का एक संगठन था। इसका मुखिया शरीफ शेख अहमद था। 2006 में इथियोपिया की सेना ने इस संगठन को हरा दिया और अल-शबाब का जन्म हुआ। अल-शबाब यूनियन ऑफ इस्लामिक कोर्ट्स की ही एक कट्टरपंथी शाखा है।

भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री का कमाल, अमेरिकी एयरफोर्स में ब्रिगेडियर जनरल के पद के लिए हुए नामांकित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री राजा जे चारी को वायु सेना के ब्रिगेडियर जनरल के ग्रेड में नियुक्त करने के लिए नामित किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुताबिक, बाइडन ने वायु सेना के कर्नल चारी (45) को बृहस्पतिवार को वायु सेना के ब्रिगेडियर जनरल के ग्रेड में नियुक्त करने के लिए नामित किया। उनके नामांकन को सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता होगी, जो सभी शीर्ष नागरिक और सैन्य नियुक्तियों को स्वीकृति प्रदान करती है। चारी फिलहाल 'नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) के टेक्सास स्थित जॉनसन अंतरिक्ष केंद्र में क्रू-3 के कमांडर एवं अंतरिक्ष यात्री के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से एअरोनॉटिक्स में परास्नातक और मैरीलैंड स्थित यूएस नेवल टेस्ट पायलट स्कूल से स्नातक कर रखा है। वह कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स वायु सैनिक अड्डे पर 461वें फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के कमांडर और ए-35 इंटीग्रेटेड टेस्ट फोर्स के निदेशक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। वर्ष 2020 में उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर भेजे जाने वाले स्पेसएक्स के क्रू-3 मिशन का कमांडर चुना गया था।

जी4 समूह ने कहा- यूएनएससी में तत्काल सुधार की आवश्यकता, आईजीएन के लिए संरचनात्मक ढांचे की आवश्यकता

न्यूयॉर्क।
जी-4 समूह के देशों ने एक बार फिर इस बात को दोहराया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। समूह ने यह भी कहा कि अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) के लिए संरचनात्मक ढांचे गठन की आवश्यकता है। जी-4 समूह में भारत, जापान, ब्राजील और जर्मनी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 77वें सत्र के उद्घाटन के मौके पर जर्मनी की स्थायी प्रतिनिधि एंट्जे लिएंडरत्से ने जी-4 की ओर से कहा, मैं बताना चाहूंगी कि यूएनएससी में सुधार की तात्कालिकता को पिछले सितंबर में आम बहस में हमारे अधिकांश नेताओं द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया था, जिसमें दुनिया के सभी क्षेत्रों और इस परिषद के अधिकांश स्थायी सदस्य, विकासशील और विकसित देश शामिल थे। यूएनएससी में सुधार की तात्कालिकता आईजीएन की कार्य प्रक्रिया से पूरी तरह असंगत है। जर्मनी की राजदूत एंट्जे लिएंडरत्से ने कहा कि सदस्य देश पिछले 15 वर्षों से आईजीएन के लिए बैठक कर रहे हैं, लेकिन अभी भी चर्चाओं को आधार बनाने के लिए इच्छुक हितधारकों की स्थिति को बताने के लिए कोई मसौदा नहीं है। सदस्य देशों के पास आईजीएन कार्यवाही का एक भी तथ्यात्मक विवरण या रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने कहा, आईजीएन के मसौदे में यह संरचनात्मक दोष हमें एक सर्कल में घूमते रहने में अत्यधिक योगदान देता है। हमें इस प्रक्रिया के प्रति अपने नजरिए को व्यापक रूप से बदलने की आवश्यकता है ताकि आईजीएन की वार्ता आखिरकार मामले के महत्व और तात्कालिकता पर खरा उतर सके। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र के 30 से ज्यादा सदस्यों के एक समूह हाल ही में अ कॉल टू एक्शन दस्तावेज पर हाल ही में हस्ताक्षर किए है, जिसमें स्पष्ट रूप से यह अपील की गई है। इस संबंध में हम कुछ ठोस सुझाव देना चाहेंगे। उन्होंने कहा, आईजीएन के गठन के 15 साल बाद यह सुनना परेशान करने वाला हो गया है कि कुछ प्रतिनिधिमंडल इस बात पर जोर दे रहे हैं कि किसी अध्याय पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी... हमारा ठोस सुझाव यह है कि हम अपने विचार-विमर्श को पिछले साल के एलिमेंट पेपर के आधार पर करें, जो पिछले सह सह-सुविधा प्रदाताओं द्वारा प्रसारित किया गया था। हम पैराग्राफ दर पैराग्राफ दस्तावेज पर चर्चा कर सकते हैं, सदस्यों की स्थिति जोड़ सकते हैं।

पाकिस्तान में जहरीले धुएं से 16 दिन में 18 मौतें: मरने वालों में 15 बच्चे, कराची के दो कैमिकल प्लांट बंद किए गए

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के कराची में 16 दिनों में 18 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में 15 बच्चे हैं। गुरुवार को कराची के हेल्थ डिपार्टमेंट ने एक बयान जारी कर बताया ये सभी मौतें केमारी इलाके की केमिकल फैक्टरीज से निकलने वाले जहरीले धुएं के कारण हो रही हैं। जहरीले केमिकल्स से लोगों के मरने की शुरूआत 10 जनवरी को हो गई थी। जिसके बाद से इलाके में डर का माहौल बना हुआ है। शुरूआत में लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि ये मौतें क्यों हो रही हैं। लोगों को बुखार होता, सांस लेने में तकलीफ बढ़ती और हफ्ते भर में उनकी मौत हो जाती। हेल्थ डिपार्टमेंट की जांच में खुलासा हुआ जब केमारी में मरने वाले लोगों की तादाद बढ़ी तो यहां हेल्थ डिपार्टमेंट ने जांच कैंप लगाया। जिसमें खुलासा हुआ की लगातार लोगों के मरने के पीछे केमारी इलाके की फैक्टरीज हैं जो जहरीला धुंआ छोड़ रही हैं। लोगों को इसे धुएं की वजह से फेफड़ों से जुड़ी बीमारी हो रही हैं। जो उनकी जान ले रही हैं। वहां रहने वाले लोगों के मुताबिक इलाके की दो फैक्ट्रियों से तेज बदबू आती है। जिससे उन्हें घुटन महसूस होती है। पूरे मामले को लेकर अब गहराई से जांच की जा रही है। साथ ही जहरीला धुंआ छोड़ने वाली दोनों केमिकल फैक्ट्रियों को बंद करवा दिया गया है।

सिंध के चीफ मिनिस्टर ने दुख जताया

सिंध के चीफ मिनिस्टर मुराद अली शाह ने पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने लोगों की मौत पर दुख जताया है। साथ ही कराची के कमिश्नर, हेल्थ डायरेक्टर और लेबर डिपार्टमेंट से लगातार पूरी घटना पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। लेबर डिपार्टमेंट को ऑर्डर दिए गए हैं कि वो फैक्ट्रियों से निकले धुएं की लैब में जांच करें।

कराची में नया नहीं जहरीली गैस से लोगों के मरने का मामला

साल 2020 में कराची में ही जहरीली गैस लीक होने के कारण 500 से ज्यादा लोग बीमार पड़ गए थे। इनमें 14 लोगों की मौत भी हो गई थी। गैस लीक किस तरह से हुई ये अभी तक मिस्ट्री है।

इस्राइल ने रॉकेट हमले के जवाब में गाजा में की भारी बमबारी, हमास का ठिकाना तबाह

तेल अवीव।
इस्राइल ने आतंकवादियों के रॉकेट हमलों के जवाब में गाजा पट्टी में भारी बमबारी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस्राइल ने कहा है कि यह कार्रवाई उग्रवादी संगठन हमास के गाजी पट्टी में हथियारों के निर्माण के प्रयासों को नुकसान पहुंचाने के लिए की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस बमबारी में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद सेल के सदस्यों सहित नौ लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हुए हैं। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि उसने मध्य गाजा में बॉटम ऑफ फॉर्म को निशाना बनाया। यह एक 5मिगत सुविधा, जहां मागाजी शरणार्थी शिविर में रॉकेट बनाए जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि इस हमले से हमास के हथियार बनाने के प्रयासों को काफी नुकसान पहुंचा होगा। वहीं, मध्य गाजा में इस्राइल की बमबारी के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

हुए हैं, जिसमें गाजा में हवाई हमले से कई बड़े विस्फोट दिखाई दे रहे हैं। इस्राइल का कहना है कि वह गाजा पट्टी से होने वाली सभी हिंसा के लिए आतंकी समूह हमास को जिम्मेदार मानता है और इसका जवाब हवाई हमले से देता है। इस्राइल के अधिकारियों के अनुसार, इस्राइल डिफेंस फोर्स ने शिन बेट सुरक्षा एजेंसी से शिविर में सेल के ठिकाने वाले अपार्टमेंट के बारे में सटीक खुफिया जानकारी मिलने के बाद गुरुवार को जेनिन में टिकिंग टाइम बम को नाकाम कर दिया था।

हमास ने भी दक्षिणी इस्राइल क्षेत्र में रॉकेट दागे

इस्राइल और गाजा के आतंकवादी समूह हमास के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। वहीं, इस्राइल की बमबारी के बाद शुक्रवार की सुबह हमास ने दक्षिणी इस्राइल क्षेत्र में कई रॉकेट दागे। बताया गया है कि शुक्रवार तड़के करीब 3:30 बजे गाजा से कम से कम तीन रॉकेट दागे गए। इस्राइली सेना ने कहा कि अलार्म बजने के बाद एक रॉकेट को आयरन डोम एंटी-मिसाइल सिस्टम द्वारा नष्ट किया गया, दूसरा खुले मैदान में गिरा और तीसरा सीमा से पहले गिर गया।

इससे पहले गुरुवार को यरुशलम के उत्तर में इस्राइली सैनिकों के साथ संघर्ष में एक फिलिस्तीनी नागरिक मारा गया। फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी थी।

24 घंटे में रूस ने यूक्रेन पर दागीं 55 मिसाइलें

12 लोगों की मौत, 35 इमारतें तबाह; यूक्रेन एयरफोर्स का दावा- 47 मिसाइलें मार गिराईं

कीव।
रूस-यूक्रेन जंग जारी है। इस बीच जर्मनी ने 25 जनवरी को अपने लेपर्ड-2 टैंक्स यूक्रेन को देने का फैसला किया। इसके बाद रूस ने यूक्रेन पर बड़ा हमला किया। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी सैनिकों ने यूक्रेनी शहरों में 55 मिसाइलें दागीं। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई।

यूक्रेन एयरफोर्स ने दावा किया है कि उसने 55 में से 47 मिसाइलें तबाह कर दीं। यूक्रेन स्टेट इमरजेंसी सर्विस के मुताबिक, 20 मिसाइलें राजधानी कीव में गिरीं। एक अधिकारी ने कहा कि खेरसॉन, ह्लेवाखा समेत 11 इलाकों में मिसाइलें गिरीं हैं, इनसे 35 इमारतें तबाह हो गईं। इस दौरान 11 अन्य लोग घायल हुए हैं।

ओडेसा में दो पॉवर प्लांट्स को निशाना बनाया

यूक्रेन का कहना है कि रूस अब इंफ्रास्ट्रचर को निशाना बना रहा है। 26 जनवरी को रूसी सैनिकों यूक्रेन के ओडेसा शहर पर हमला किया। इस दौरान कुछ मिसाइलें वहां बने दो बड़े पावर प्लांट में गिरीं। ये तबाह हो गए। शहर में ब्लैकआउट हो गया। वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल करने की घोषणा की थी। इसकी यूनिवर्सल वैल्यू है। इसे ब्लैक सी का पर्ल यानी मोती भी कहा जाता है। कनाडा ने शुक्रवार (27 जनवरी) को घोषणा की है वो यूक्रेन को 4 लेपर्ड-2 टैंक देगा। डिफेंस मिनिस्टर अनिता आनंद ने इसकी जानकारी दी।

यूक्रेन को उम्मीद है कि ये टैंक रूस के खिलाफ जंग में गेमचेंजर साबित होंगे। दूसरी तरफ रूस का कहना है कि ये टैंक्स भी बाकियों की तरह जलकर खाक हो जाएंगे।

8 अक्टूबर 2022 के बाद तेज हुए रूसी हमले

8 अक्टूबर 2022 को यूक्रेन ने रूस का कर्च ब्रिज उड़ा दिया था। ये ब्रिज रूस को क्रीमिया से जोड़ता है। इसके बाद रूस ने 10 अक्टूबर को राजधानी कीव समेत 9 शहरों पर 83 मिसाइलें बरसाई थीं। इसमें 12 लोग मारे गए थे। रूस ने ये बड़ा हमला कर्च ब्रिज पर हुए धमाके के बदले में किया था। 15 नवंबर 2022 को रूस ने यूक्रेन पर 100 मिसाइलें दागी थीं। इनमें से दो पोलैंड में गिरीं थीं। तब कीव के मेयर ने लोगों से बंकरों में ही रहने को कहा था। 16 दिसंबर 2022 को 70 मिसाइलें दागकर यूक्रेन के तीन शहरों को तबाह कर दिए थे। क्रिवी रिह इलाके में मिसाइल अटैक से एक रहवासी इमारत गिरने से तीन लोगों की मौत हुई थी। खेरसॉन में भी कई लोग मारे गए थे। 29 दिसंबर 2022 को यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला करते हुए समुद्र और आसमान से 120 मिसाइलें दागी थीं। राजधानी कीव समेत 7 शहरों पर ये हमले किए गए थे। इनमें 14 साल की बच्ची समेत 3 लोग घायल हुए थे।

14 जनवरी 2023 को रूस ने यूक्रेन पर 33 मिसाइलें दागी थीं। कुछ मिसाइलें निप्रो शहर में गिरीं।

सिनेमाघर में पठान मूवी से वंचित दर्शकों ने किया हंगामा

कोटा (हिंस)। गणतंत्र दिवस पर बहुचर्चित हिंदी फिल्म *पठान* देखने पहुंचे सैकड़ों युवा दर्शकों ने नटराज सिनेमाघर में हंगामा खड़ा कर दिया। हुआ यूं कि गणतंत्र दिवस को अवकाश होने से बड़ी संख्या में दर्शक पठान मूवी देखना चाहते थे, जिसके लिये सिनेमाघर में निर्धारित सीट संख्या से ज्यादा टिकट बेच दिए गए। शाम को जैसे ही फिल्म का शो प्रारंभ हुआ, प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए, जिससे बाहर खड़े दर्शकों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने बाहर खड़े होकर कैंटीन में भी हंगामा किया, जिससे स्टाफ कर्मचारी बाहर निकल गए, भीड़ ने कैंटीन में खा1 सामग्री बिखेर और लूट कर उत्पात मचाया। कुछ समय बाद सिनेमाघर के प्रबंधकों ने मूवी देखने से वंचित रहे दर्शकों से बातचीत कर उन्हें टिकट के पैसे लौटा दिए, जिससे बाद में शांति रही। सूत्रों ने बताया कि पठान मूवी के आपत्तिजनक दृश्यों का देशभर मे खुलकर विरोध होने के बाद युवा दर्शकों में इसे देखने की जिज्ञासा इसलिये बढ गई कि इसे प्रतिबंधित किया जा सकता है।

राजस्थान की खुली जेल का दौरा करेंगे सर्वोच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीश

जयपुर (हिंस)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के दूसरे वरिष्ठतम न्यायाधीश, जस्टिस संजय किशन कौल सहित सर्वोच्च न्यायालय के तीन शीर्ष न्यायाधीश सांगानेर की खुली जेल का दौरा करेंगे। यह इस तरह का पहला उच्च-स्तरीय दौरा होगा। वो यहां जाकर किफायती और मानवीय जेल मॉडल के कामकाज का मूल्यांकन करेंगे, जहां कैदियों में सुधार लाया जाता है और वो अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहकर वहाँ अपना जीवन यापन करते हैं। जयपुर के सांगानेर स्थित खुली जेल के दौरे में, न्यायमूर्ति कौल के साथ उच्चतम न्यायालय के उनके साथी, न्यायमूर्ति श्रीपति रवींद्र भट और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश, न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर और राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, पंकज मित्तल, राजस्थान और ओडिशा उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति के एस झावेरी होंगे। जेल के इस दौरे में सेवानिवृत्त आईपीएस

और राजस्थान के पूर्व पुलिस एवं कारागार महानिदेशक, अजीत सिंह भी शामिल होंगे। पीएआर (प्रिजन एड एंड एक्शन रिसर्च) द्वारा यह दौरा आयोजित कराया जा रहा है। पीएआर एक निष्पक्ष अनुसंधान संगठन है जो देश भर में जेल प्रणाली का अध्ययन करता है और राजस्थान के ओपन जेल मॉडल के विस्तार का हिमायती है। स्मिता चक्रवर्ती, जो पीएआर की संस्थापक हैं जिनकी 2017 की रिपोर्ट के आधार पर 2018 में ऐतिहासिक फैसला पारित हुआ, ने कहा कि मानवीय विकल्प होने के साथ-साथ खुली जेलों का संचालन किफायती है और ये सरकारी खजाने पर कम बोझ डालती हैं। ये जेल पारंपरिक बंद जेलों की तुलना में 14 गुना सस्ती हैं, जहां जेल कर्मचारियों की जरूरत पारंपरिक या बंद जेल प्रणाली की तुलना में 81 गुना कम है। खुली जेल में अपराधियों द्वारा फिर से अपराध किए जाने या कैदियों के फिर से अपराध करने की दर भी न के बराबर है। 2018 में, न्यायमूर्ति एमबी लोकुर ने प्रत्येक जिले में एक खुली जेल स्थापित करने का ऐतिहासिक निर्णय दिया था और केंद्र से दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु पहल करने का आग्रह किया था। अब तक की प्रगति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि खुली जेलों के मानवीय विचार को लागू करने का समय आ गया है। मैं सभी राज्य सरकारों से इस विचार को आगे बढ़ाने और हर जिले में खुली जेल स्थापित करने का आग्रह करता हूं। सेवानिवृत्त आईपीएस और राजस्थान के पुलिस एवं जेल महानिदेशक रहे, अजीत सिंह ने कहा कि मुझे अभी भी यह दृढ़ विश्वास है कि खुली जेलों से जेल की कई समस्याएं हल हो सकती हैं। किसी भी आपराधिक न्याय प्रशासन का लक्ष्य कैदी का सुधार और पुनर्वास करना है। ओपन जेल मॉडल के लाभ न्याय, स्वतंत्रता और कैदी की गरिमा के बुनियादी मानवाधिकारों से जुड़े हैं। हमें इसे पूरे देश में लागू करने और बढ़ाने में गति नहीं खोनी चाहिए। जेल के दौरे के बाद सुस्मित बोस का एक विशेष प्रदर्शन होगा जो सामाजिक परिवर्तन कलाकार हैं और पांच दशकों से मानवाधिकारों को उजागर करने के लिए संगीत की शक्ति का उपयोग कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी ने राजस्थान में सदस्यता अभियान का किया आगाज

जयपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक और राजस्थान चुनाव प्रभारी विनय मिश्रा ने शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में राजस्थान में सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी से जुड़ने के लिए राजस्थान वासी 8080809064 पर मिसकॉल कर सकते हैं। इन सभी साथियों की मदद से आम आदमी पार्टी पूरी मजबूती से राजस्थान चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम सकारात्मक बनाम नकारात्मक चुनाव लड़ेंगे। इस जरिए वह देश के कोने-कोने में सकारात्मक राजनीति लेकर आएंगे। वहीं विनय मिश्रा ने कहा कि राजस्थान की जनता को आम आदमी पार्टी एक नए और बेहतर विकल्प के रूप में मिली है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि वह राजस्थान में पूरी मजबूती से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। राजस्थान को आम आदमी पार्टी एक नए और बेहतर विकल्प के रूप में मिल रही है। आप के आने से राजस्थान के लोगों में एक नई उम्मीद नजर आई है। खुशी की बात यह है कि राजस्थान के कई साथी आम आदमी पार्टी से जुड़ना चाहते हैं। बहुत लोग ऐसे हैं जिनको यह नहीं पता है कि पार्टी की सदस्यता के लिए क्या करना है। उन लोगों के लिए हमने एक आसान तरीका निकाला है। आम आदमी पार्टी राजस्थान में सदस्यता अभियान का शुभारंभ कर रही है। जिसके जरिए लोग उनके संगठन से आसानी से जुड़ सकेंगे। आम आदमी पार्टी से जुड़ने के लिए इस नंबर 8080809064 पर मिसकॉल करें। आप विधायक एवं राजस्थान चुनाव प्रभारी विनय मिश्रा ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य राजस्थान में अपने संगठन को मजबूत बनाना है। संगठन जितना मजबूत होगा, पार्टी भी उतनी मजबूत बनेगी। संगठन को कैसे मजबूत बनाना है और जमीनी स्तर पर कैसे काम करना है। इसके लिए वह सभी साथियों से सुझाव लेंगे। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि राजस्थान वासी होने के नाते यह लड़ाई आप लोगों को लड़ना है। राजस्थान की जनता को आम आदमी पार्टी एक नए और बेहतर विकल्प के रूप में मिली है। जिससे राजस्थान के लोग काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बच्चों को दिए तनाव मुक्त परीक्षा के टिप्स

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने शुक्रवार को बल्लबगढ़ के ऊंचा गांव के राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल पहुंच कर वहां पर बच्चों को तनाव मुक्त परीक्षा के सफल संचालन के लिए बारिकी से टिप्स दिए। वहीं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में चलाए जा रहे तनाव मुक्त परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने स्कूली बच्चो के साथ बैठकर तनाव मुक्त परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटिवेशनल स्पीच को भी बच्चों के संग बैककर सुना। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बच्चो को संबोधित करते हुए कहा की बच्चे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताई गई बातों पर आपस में आपदा के दौरान चर्चा करें और अपने मनोबल को बढ़ाते हुए अपनी आने वाली परीक्षा को पूरी तैयारी के साथ दे। उन्होंने कहा कि अपने जीवन को सफल बनाने के लिए साकारत्मक दृष्टिकोण जरूर बनाएं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया कॉर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ, खंड शिक्षा अधिकारी सतीश चंद्र चौधरी, प्रिंसिपल जयप्रकाश डांगी, बृजलाल शर्मा, पारस जैन, देवेंद्र गोड, समय सिंह, कृष्ण कुमार सहित स्कूल के बच्चे और स्टाफ मौजूद रहा।

सरपंच बोले, पंचायतों को पंगु बनाने के सरकार का प्रयास नहीं होने देंगे सफल

नारेबाजी करके गरजे सरपंच, आज जसिया में करेंगे शक्ति प्रदर्शन

हिसार (हिंस)। हरियाणा सरकार की ई-टेंडरिंग व राइट टू रिकॉल नीति के खिलाफ सरपंचों का आंदोलन लगातार जारी है। हिसार के खंड विकास कार्यालय में सरपंचों का धरना जारी है। सरपंचों ने ऐलान किया है कि जब तक सरकार अपने मनमाने फैसले वापिस नहीं लेगी, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और वे किसी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे। सरपंचों के धरने प्रदर्शन के दसवें दिन शुक्रवार को अध्यक्षता हिसार सरपंच एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष व प्रधान आजाद सिंह हिंदुस्तानी एवं सरपंच एसोसिएशन हिसार-1 ब्लॉक गंगवा सरपंच भगवान दास ने की। सरपंचों के धरने के दौरान अनेक संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य पहुंचे और समर्थन दिया। इस अवसर पर आजाद सिंह हिंदुस्तानी ने कहा कि प्रदेशभर के सरपंच 28 जनवरी को जसिया में गांव-देहात बचाओ शक्ति प्रदर्शन करके अपनी ताकत दिखाएंगे तथा 29 जनवरी को सुबह सात बजे से दोपहर एक बजे तक पूरे हरियाणा में चक्का जाम करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार पंचायतों को पावरलेस बनाना चाहती है और इसका पुरजोर विरोध किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब सरपंच के पास काम करने की ही पावर नहीं होगी तो पंचायत पढ़ी लिखी हो या अनपढ़, बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। सरकार को ग्रामीण विकास का ढिंढोरा पीटना बंद कर देना चाहिए क्योंकि उसकी कथनी व करनी में जमीन—आसमान का अंतर है। उन्होंने कहा कि राइट टू रिकॉल जैसे फैसले से केवल सरपंचों पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यदि ये इतना अच्छा फैसला है तो पहले इसे लोकसभा व विधानसभा के सदस्यों पर लागू करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पंचायती राज अधिनियम 1994 के तहत मिले अधिकारों में कटौती करके सरकार पंचायतों के पर काटने जैसे काम कर रही है जिसका सरपंच पुरजोर विरोध कर रहे हैं। सरपंचों के धरने को वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया, किसान सभा के नेता सूबेसिंह बूरा, हनुमान जौहर, विजय सिंह चायल, साहब राम गोदारा, रणधीर सिंह बामल, सतबीर रूहिल, समाजसेवी बलराज सिंह मलिक, एचएस राजेश, मेहरसिंह बांगड़, आनंद, बीडीसी मेंबर प्रदीप बेनीवाल सहित अनेक संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने समर्थन दिया।

हजारों मजदूरों की समस्या के चलते आंदोलन वापस

यमुनानागर (हिंस)। किसानों और मजदूरों के हित को ध्यान में रख कर भाकियू चढ़ूनी के नेतृत्व में शुक्रवार को किसानों ने धरना समाप्त कर लिया। जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना ने बताया कि गुरुवार को किसानों ने धरना स्थल पर 26 जनवरी को तिरंगा फैलाकर गणतंत्र दिवस मनाया और सर छोटू राम की जयंती पर गन्ने की होली जलाई गई। उन्होंने कहा कि किसान लंबे समय से गन्ने के दाम में बढ़ोतरी की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। 20 जनवरी से पूरे हरियाणा प्रदेश की शुगर मिले बंद हैं और हरियाणा सरकार ने किसान विरोधी चेहरा दिखाते हुए मात्र 10 गन्ने के रेट में बढ़ोतरी की है। कल 26 जनवरी को कुरुक्षेत्र के अंदर किसानों ने प्रदेश स्तरीय बैठक हुई और उसमें निर्णय लिया गया कि सरकार का किसान विरोधी चेहरा

प्रदेश के सामने आ गया है और किसान लंबे दिनों तक अपनी फसल को खेत में नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि मजदूर की समस्या और हजारों मजदूरों को काम मिले इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए किसानों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया है। किसानों ने कसम खाई है कि सरकार के इस किसान विरोधी फैसले का जवाब किसान 2024 के आने वाले चुनाव में वोट की चोट से देंगे।

क्षुब्ध किसानों ने प्रशासनिक अधिकारियों को बनाया बंदी

संगरूर। संगरूर के एक गांव अकोई साहिब में किसान जत्थेबंदियों व लोगों द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को बंदी बनाया गया। जानकारी के अनुसार यह अधिकारी हाईकोर्ट के आदेशों पर एक घर से कब्जा छुड़वाने के लिए आए थे लेकिन इस दौरान लोगों व किसानों द्वारा विरोध करते हुए उन्हें बंदी बना लिया गया। इस मौके जानकारी देते हुए किसान यूनियन उगराहां के एक किसान ने कहा कि किसी भी कीमत पर इस घर को ढहने नहीं देंगे।

भारत जोड़ो यात्रा में सुरक्षा चूक के आरोपों को पुलिस ने किया खारिज

श्रीनगर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को भारत जोड़ो यात्रा के अंतिम चरण के तहत कश्मीर घाटी में प्रवेश करने पर राहुल गांधी के लगाए गए सुरक्षा चूक के आरोपों को नकार दिया है। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट कर कहा कि यात्रा मार्ग पर केवल आयोजकों की ओर से अधिकुत व्यक्तियों को तलाशी लेने के बाद ही जाने की अनुमति दी गई थी। पुलिस ने कहा कि यात्रा के आयोजकों और प्रबंधकों ने यात्रा में शामिल होने के लिए बनिहाल से बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की सूचना नहीं दी। उन्होंने कहा कि सीएपीएफ की 15 कंपनियों और जेकेपी की 10 कंपनियों सहित पूरे सुरक्षा इंतजाम हैं, जिनमें आरओपी और क्यूआरटी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि रूट डोमिनेशन, लेटरल डिप्लॉयमेंट और एसएफ की तैनाती भी की गई है। दरअसल, कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर जवाहर सुरंग की सुरक्षा में बड़ी चूक का आरोप लगाते हुए कहा है कि पुलिस उनके स्वागत में आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने में विफल रही। पुलिस ने कहा कि आयोजकों ने एक किमी. की यात्रा करने के बाद यात्रा को बंद करने पर कोई निर्णय लेने से पहले जेकेपी से परामर्श नहीं किया था। शेष यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से जारी रही। सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई। हम फुल प्रूफ सुरक्षा प्रदान करेंगे।

कमरे में संदिग्ध हालत में मिले दंपति व उसके बेटी के शव

भिवानी (हिंस)। भिवानी की नई बस्ती के एक मकान में शुक्रवार को सरकारी स्कूल के अध्यापक, उसकी पत्नी और बेटी के संदिग्ध हालात में शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को जहर के प्रभाव से इनकी मौत का अंदेशा है। मामला हत्या का है या फिर सुसाइड का, पुलिस इसकी जांच में लगी है। जानकारी के अनुसार भिवानी की नई बस्ती के मकान में 45 वर्षीय सरकारी अध्यापक जितेंद्र अपने परिवार के साथ मकान में रह रहा था। सरकारी अध्यापक जितेंद्र की ड्यूटी भिवानी शहर के ग्वार फैक्ट्री के नजदीक प्राथमिक वि1ालय में थी। उसके साथ 42 वर्षीय उसकी पत्नी सुशीला और 16 वर्षीय बेटी हिमानी भी रहते थे। शुक्रवार को इन तीनों के शव एक ही कमरे में मिले हैं। तीन शव मिलने की सूचना पर भिवानी के पुलिस अधीक्षक अजीत शेखावत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुचे हैं। सीआईए स्टाफ पुलिस, साइबर टीमों ने भी मौके पर पहुंचकर तथा जांच पड़ताल की। पुलिस आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का मानना है कि प्रारंभिक रूप से तीनों की मौत जहरीला पदार्थ के खाने से मौत हुई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि जहरीला पदार्थ इन्होंने खुद खाया है या फिर किसी के द्वारा खिला दिया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे हैं। इस बारे में भिवानी के पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि तीन लोगों की संदिग्ध हालत में मौत हुई है।

भाजयुमो अध्यक्ष को दूसरी बार मिली आतंकवादी संगठन की धमकी

बीकानेर (हिंस)। भारतीय जनता युवा मोर्चा बीकानेर शहर जिलाध्यक्ष वेद व्यास को पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन से बार-बार धमकी मिलने के प्रकरण पर शुक्रवार को भाजपा नेताओं ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर विरोध दर्ज करवाते हुए ज्ञापन दिया। ज्ञापन में भाजपा नेताओं ने व्यास को उचित सुरक्षा देने की मांग के साथ ही इस गंभीर और संवेदनशील मामले की तह तक विस्तृत जांच करवाने और पूरे प्रकरण में इस पाकिस्तानी संगठन से जुड़े स्थानीय सम्पर्कों को ढूंढ कर कार्रवाई करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया कि प्रशासन को इस प्रकरण को अति गंभीर मानते हुए बिना लापरवाही किए जल्द से जल्द त्वरित कार्रवाई

करनी चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी घटना से बचा जा सके। शुक्रवार ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, पूर्व जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह, जिला महामंत्री मोहन सुराणा, जिला उपाध्यक्ष अशोक प्रजापत, देहात युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष जसराज सींवर, जिला मंत्री अरुण जैन, जिला मंत्री और मीडिया प्रभारी मनीष आचार्य, सोहन सिंह परिहार, रोहिताश व्यास, ऋषि पारीक, अमर जोशी, घनश्याम रामावत, दाऊ लहरी, श्यामसुंदर चौधरी राजाराम बिश्नोई, पार्षद संजय गुप्ता, हिमांशु शर्मा, मंडल अध्यक्ष अभय पारीक, चंद्रप्रकाश गहलोत, डॉ. सिद्धार्थ असवाल, गजेंद्र सिंह भाटी इत्यादि पदाधिकारियों के साथ शहर और देहात युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विहिप के अनिल शर्मा, भवानी पाईवाल, हेमंत कच्छावा, दुष्यंत सिंह तंवर, दाऊ लहरी, गिरिराज खत्री, अनिल हर्ष, पंकज पीपलवा, भव्यदत्त भाटी, हैप्पी, युवराज व्यास, नथमल लीम्बा, देव शर्मा, करण सोलंकी, नंदकिशोर उपाध्याय, कुंज व्यास इत्यादि कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

पंजाब में विवाद के साथ शुरू 400 मोहल्ला क्लीनिक

चंडीगढ़। पंजाब में आज दूसरे चरण में 400 मोहल्ला क्लीनिकों का उद्घाटन किया गया। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर में मोहल्ला क्लीनिक का उद्घाटन किया। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने अपनी सरकार की योजनाओं की सराहना की और कहा कि हमने जो वादा किया, वो पूरा किया। वहीं सीएम भगवंत मान ने सुबह ट्वीट किया- लोगों के पैसे लोगों के नाम! आज पंजाब में 400 आम आदमी क्लीनिक और खुलने जा रहे हैं... अब कुल 500 आम आदमी क्लीनिक लोगों की सेवा के लिए समर्पित होंगे.. जहां लोगों को मुफ्त और अच्छा इलाज मिलेगा... हम जो कहते हैं, करते हैं। पठानकोट में 15 अगस्त को दो आम आदमी क्लीनिक खोले गए थे। 27 जनवरी को जिलेभर में 10 क्लीनिक और खोले गए। इनमें से सात विधानसभा हलका भोआ, 2 पठानकोट और 1 सुजानपुर हलके में खोला गया। हलका भोआ के सभी क्लीनिकों का कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारुचक्क, पठानकोट में पंजाब टूरिज्म डेवलपमेंट कार्पोरेशन चेयरमैन

विभूति शर्मा और जिला प्लानिंग बोर्ड चेयरमैन रोहित स्याल ने उद्घाटन किया। सुजानपुर के इकलौते क्लीनिक का शुभारंभ अमित मंटू ने किया। पंजाब सरकार ने कपूरथला जिले में 14 और आम आदमी क्लीनिक शुरू किए हैं। डीसी कपूरथला विशेष सारंगल ने पलाही फगवाड़ा में आम आदमी क्लीनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि दो क्लीनिक पहले से चल रहे हैं। क्लीनिक में 48 तरह की जांच और 105 तरह की दवाएं मुफ्त उपलब्ध हैं। सिविल सर्जन डॉ. गुरिंदरबीर कौर ने कहा कि इन आम आदमी क्लीनिकों में एक मेडिकल अधिकारी, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन की नियुक्ति की गई है। ओपीडी सेवाओं के अलावा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाएं, टीकाकरण सुविधाएं, परिवार नियोजन सेवाएं, मेडिकल सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रोड़ी ने गांव पोसी में आम आदमी क्लीनिक का उद्घाटन किया। इस दौरान एसडीएम प्रीतइंदर सिंह और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. रघबीर सिंह भी मौजूद रहे। जय कृष्ण सिंह रोड़ी ने कहा कि गढ़शंकर विधानसभा क्षेत्र में छह क्लीनिक गांव पदराना, बिंजों, रामपुर, पोसी, मोरांवाली और गांव बट्ठल में खोले गए हैं। फतेहगढ़ साहिब में 14 नए आम आदमी क्लीनिक खोले गए हैं। फतेहगढ़ साहिब में विधायक लखवीर सिंह राय ने क्लीनिक लोकार्पित किए हैं। बाड़ा सरहिंद, भमारसी बुलंद, संगतपुर सोढ़ियां, मुलेपुर, नबीपुर, बलाड़ी व भगड़ाना में नए आम आदमी क्लीनिक का निर्माण किया गया है। इसी तरह सब-डिवीजन बस्सी पठाना में विधायक रुपिंदर सिंह हैपी ने नंदपुर कलौड़, नौगांवां, भड़ी, नानोवाल और संघोल में आम आदमी क्लीनिक लोकार्पित

Tender No. Sil/02C/2022-23

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tenders affixing court fee stamp for Rs 8.25/- *(Rupees Eight and Paise Twenty-Five only)* are hereby invited from reputed Govt. registered Firm/Supplier for supply of the following items under SOPD scheme. The details may be seen in the bid document available in the O/o The Silviculturist, Assam, Basistha, Guwahati-29 during the working hours of the office day. Tenders will be received by the undersigned on or before **4th February 2023 up to 3:00 PM (IST)** and will be opened in the same day in presence of tenderers at 3:30 PM (IST). The rate should be put including all taxes as admissible. The bid document should be procured from the office of the undersigned on payment of Rs 500.00 *(Rupees Five Hundred Only)* through demand draft pledged to the undersigned for each tender paper.

The intending tenderer shall quote the rate in rupees (words).

Sl. No.	Items	Quantity	Brand/Model/Specifications	Value (₹)
1	Digital camera	1No.	NIKON Z5 Kit with NIKKOR Z 24-200mm f/4-6.3 Lens	*6,07,500.00 (Rupees Six Lakhs Seven Thousand Five Hundred) only*
2	Binocular	2 Nos.	NIKON / Model - 10×42	
3	GPS Handset	2 Nos.	GARMIN GPS Map 78s	
4	Hygrothermometer	5 Nos.	ANY MODEL	
5	Photostat Machine with Scanner	1 No.	CANON/Canon iR c3226	
6	Laboratory Refrigerator	1 No.	TRUFROST/CELFROST Single door 350-450 Litres	
7	Air Conditioner	1 No.	Voltas 1.5 Ton	

Silviculturist, Assam, Basistha, Guwahati-29

-- Janasanyog /C/19009/22

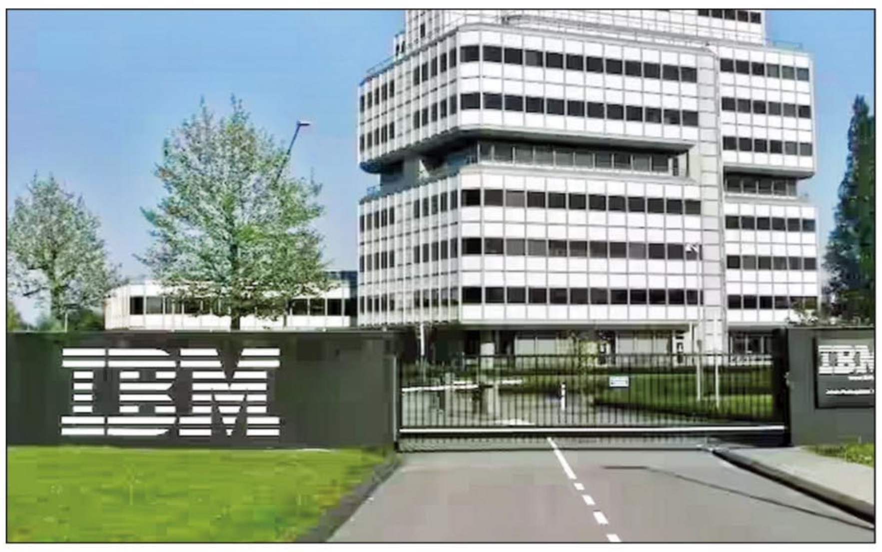

अब आईबीएम ने भी की छंटनी ; टेक कंपनी ने 3,900 कर्मियों को नौकरी से निकाला, शेयर 2प्रतिशत टूटे

नई दिल्ली ।
आईबीएम कॉर्प ने बुधवार को अपनी संपत्ति के कुछ हिस्सों के विनिवेश की योजना के तहत 3,900 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। बता दें कि कंपनी ने अपनी चौथी तिमाही में वार्षिक नकद लक्ष्य से चूकने के बाद यह फैसला लिया है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी जेम्स कैवनॉग ने एक वैश्विक समाचार एजेंसी को बताया कि आईबीएम अब भी क्लाइंट-फेसिंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट के लिए भर्ती करने के लिए प्रतिबद्ध है। आईबीएम ने कहा कि छंटनी उसके किंडरील कारोबार के स्पिनऑफ और एआई इकाई वाटसन हेल्थ के एक हिस्से से संबंधित है जिसपर जनवरी-मार्च की अवधि में 300 करोड़ डॉलर का शुल्क लगेगा। छंटनी के बाद कंपनी के शेयर 2प्रतिशत तक गिर गए जिससे उत्साहित परिणामों की उम्मीद में पहले की हासिल की गई बढ़त काफी हद तक खत्म हो गई। विश्लेषकों ने कहा कि इस गिरावट के पीछे नौकरियों में कटौती और मुक्त नकदी प्रवाह की खबरें हैं। इन्वेस्टिंग डॉट कॉम के वरिष्ठ विश्लेषक जेसी कोहेन ने कहा, ऐसा लगता है कि बाजार कंपनी की ओर से घोषित नौकरियों में कटौती के आकार से निराश है, जो कि इसके कार्यबल का केवल 1.5प्रतिशत है। निवेशक लागत में और अधिक कटौती उपायों की उम्मीद कर रहे थे। बता दें कि फिलहाल बड़ी टेक कंपनियों से लेकर वॉल स्ट्रीट बैंकिंग के बड़े दिग्गज तक वैश्विक आर्थिक मंदी से बेहतर ढंग से निपटने के लिए लागत में कटौती कर कर रहे हैं। आईबीएम का 2022 का नकदी प्रवाह 9.3 अरब डॉलर था जो 10 अरब डॉलर के लक्ष्य से कम था। कंपनी ने स्थिर मुद्रा के संदर्भ में मध्य-एकल अंकों में वार्षिक राजस्व वृद्धि का भी अनुमान लगाया है, जो पिछले साल की 12प्रतिशत की तुलना में कमजोर है। क्योंकि व्यवसायों को डिजिटल बनाने के लिए महामारी के बाद की मांग ने बढ़ती मंदी की आशंकाओं के बीच ग्राहकों की ओर से सतर्क खर्च का मार्ग प्रशस्त किया है।

अक्टूबर में आईबीएम ने पश्चिमी यूरोप में नई बुकिंग में नरमी का संकेत दिया। जबकि सहकर्मी एक्सेंचर पीएलसी ने भी अपने परामर्श व्यवसाय में कमजोरी का उल्लेख किया। कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस कॉर्प ने भी नवंबर में अनुबंधों में वापसी के कारण अपने 2022 के पूर्वानुमान में कटौती की थी।

न्यूज ब्रीफ

तंगहाल पाकिस्तान ने सांसदों का फंड बढ़ाया: जजों के घरों पर खर्च होंगे 100 करोड़, 300 रुपए प्रति लीटर हो सकती है पेट्रोल की कीमत

इस्लामाबाद। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की मुसीबतें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार

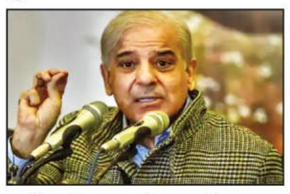

को लगातार दूसरे दिन पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले 11.17 रुपए नीचे लुढ़क गया। यानी पाकिस्तान को कुछ भी आयात करने के लिए अब प्रति डॉलर के हिसाब से 266 रुपए देने होंगे। इसी बीच पाकिस्तान के सांसदों को मिलने वाले फंड में 30प्रतिशत तक का इजाफा कर दिया गया है। बुधवार को यह फैसला इकॉनोमिक कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद लिया गया। डॉन की की रिपोर्ट के मुताबिक 100 करोड़ रुपए तो केवल पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के जजों के घरों और रेस्ट हाउस की मेंटेनेंस के लिए दिए गए हैं। ईसीसी की बैठक में फैसला किया गया है कि डेवलेपमेंट फंड के तौर पर वहां के सांसदों को 90 हजार करोड़ पाकिस्तानी रुपए दिए जाएंगे। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री इशाक डार की अध्यक्षता में ईसीसी की बैठक हुई थी। बैठक में प्रेग्नेंसी टेस्ट में इस्तेमाल की जाने वाली दवाईयों के दाम में 25 प्रतिशत वृद्धि को भी मंजूर किया गया है। दूसरी ओर बैठक ने 54 दूसरी दवाओं के दाम निर्धारित करने के फैसले को स्थगित कर दिया है। जिस तरह से पाकिस्तानी रुपए में दो दिनों के भीतर 10प्रतिशत से ज्यादा की गिरवाट दर्ज की गई है, ऐसे में वहां चीजों के दामों में तो बढ़ोतरी होगी ही साथ ही ब्याज दरों में भी इजाफा होगा।

अदाणी के शेयरों में अचानक क्यों आई 20प्रतिशत की गिरावट कांग्रेस ने की आरबीआई- सेबी से जांच की मांग

नई दिल्ली । बुधवार को निवेशकों को एक लाख करोड़ रुपये का नुकसान देने के बाद शुक्रवार को भी अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों पर दबाव दिखा। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का अदाणी ग्रुप के शेयरों पर लगातार दूसरे दिन असर दिखा और ये 20प्रतिशत तक लुढ़क गए। इस दौरान अदाणी समूह के सभी दस स्टॉक लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। गिरावट का सबसे ज्यादा असर अदाणी टोटल गैस के शेयरों पर पड़ा। इसके शेयर 19.6प्रतिशत तक लुढ़क कर 2,961.55 के स्तर पर पहुंच गए। इसके अलावे अदाणी ग्रीन के शेयरों में 13प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 3प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। बता दें कि अदाणी एंटरप्राइजेज ने शुक्रवार को ही अपना 20 करोड़ रुपये का एफपीओ भी लॉन्च किया है। अदाणी पावर के शेयर 5प्रतिशत की गिरावट के साथ 248.05 के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। अदाणी विल्मर और एनडीटीवी के शेयर भी पांच-पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ क्रमशः 517.30 और 256.35 रुपये प्रति शेयर के भाव पर कारोबार करते दिख रहे हैं। अदाणी समूह के शेयरों में यह गिरावट फॉरेंसिक फाइनेशियल रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद आई है जिसमें कहा गया है कि वह अदाणी समूह की कंपनियों में शॉर्ट पोजीशन पर है।

55 यात्रियों को छोड़कर उड़ान भरने के मामले में DGCA की कार्रवाई, गो फर्स्ट पर लगाया 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली । विमानन क्षेत्र की नियामक संस्था डीजीसीए ने गो फर्स्ट एयरलाइंस फ्लाइट द्वारा 55 यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही छोड़कर उड़ान भरने के मामले में कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की है। डीजीसीए ने कंपनी पर 10 लाख रुपये के जुर्माना लगाया है। इससे पहले, विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनी गोफर्स्ट के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया था। डीजीसीए ने गो फर्स्ट के जवाबदेह प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया था कि उनके खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई क्यों न की जाए। डीजीसीए ने अपनी कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गो फर्स्ट ने 25 जनवरी को कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। एयरलाइन कंपनी के जवाब के मुताबिक, विमान में यात्रियों की बोर्डिंग के संबंध में टर्मिनल समन्वयक (टीसी), वाणिज्यिक कर्मचारियों और चालक दल के बीच संचार और समन्वय की कमी थी। डीजीसीए ने बताया है कि जांच में साफ हुआ है कि एयरलाइन कंपनी ग्राउंड हैंडलिंग, लोड और ट्रिम शीट तैयार करने, फ्लाइट डिस्पैच और पैसेंजर/कार्गो हैंडलिंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने में विफल रही है।

कृषि सेक्टर को बजट से बड़े बदलाव की उम्मीद

नई दिल्ली।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में 1 फरवरी को बजट पेश करेंगी। दूसरे क्षेत्रों की तरह कृषि क्षेत्र को भी इस बजट से बहुत उम्मीदें हैं। फिलहाल तो एक फरवरी को ही पता चल पाएगा कि देश के अन्नदाता को बजट में क्या मिलेगा पर बाजार के जानकारों के मुताबिक वैश्विक खाद्य संकट के दौर में भारत की कृषि क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। SAMCO सिक्योरिटीज की रिसर्च एनालिस्ट उर्वी शाह ने कहा कि कृषि सेक्टर वित्त मंत्री की ओर से बजट में होने वाली घोषणाओं के केंद्र में होगा। वित्त मंत्री सिंचाई, बीजों की क्वालिटी और कृषि तकनीक से जुड़ी बड़ी घोषणाएं कर सकती हैं। द इनवेस्टमेंट इन्फॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया को उम्मीद है कि भारत सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में कृषि उत्पादों की बढ़ोतरी पर फोकस कर सकती है। संस्था को उम्मीद है कि इस बार के बजट में सरकार महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत आवंटन को बढ़ाने का फैसला भी कर सकती है। इसके अलावे सरकार गैर कृषि आमदनी जैसे लाइवस्टॉक फार्मिंग और फूड प्रोसेसिंग को भी तरजीह देगी।

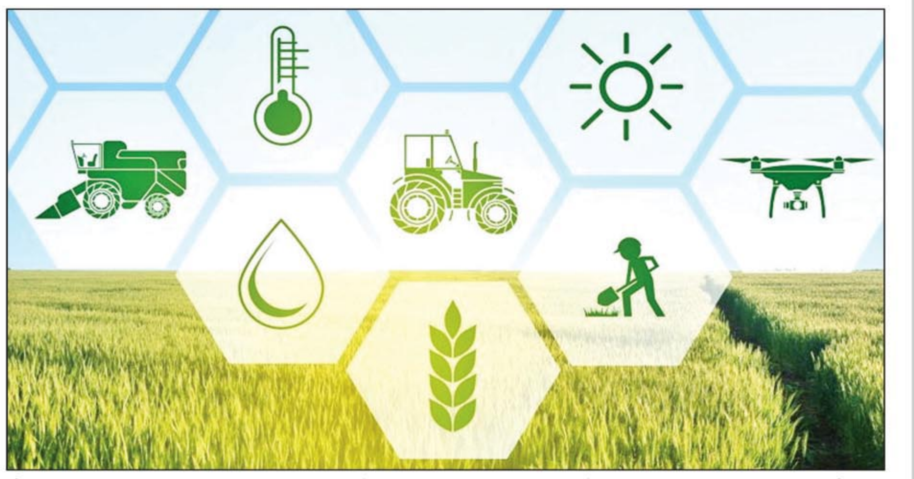

कृषि कारोबार से जुड़े फर्मों पर टैक्स में छूट से मिलेगी राहत - कृषि क्षेत्र में सप्लाई चेन को मजबूती देने के लिए सरकार को इस क्षेत्र से जुड़े फर्मों को टैक्स में राहत देने पर भी विचार करना चाहिए। सोहन लाल कॉमाडिटी मैनेजमेंट ग्रुप के के अनुसार सरकार को इससे जुड़ा एलान करना चाहिए। इससे सप्लाई चेन और बेहतर होगी। एससीएम ग्रुप के सीईओ संदीप सबरमाल का मत है कि सरकार को कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर लगने वाली जीएसटी में छूट देने पर विचार करना चाहिए।

कृषि क्षेत्र को और आधुनिक बनाने पर हो जोर - डेलॉइट इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार देश का कृषि क्षेत्र 270 अरब डॉलर के निवेश के साथ वर्ष 2031 तक 800 अरब डॉलर का राजस्व जेनरेट कर सकता है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह देश के कृषि क्षेत्र और आधुनिक बनाने की पहल करे। रिपोर्ट के अनुसार सरकार को कृषि तकनीकों के विकास के लिए काम कर रहे स्टार्टअप्स को भी मदद मुहैया करानी चाहिए। ऐसे देश के किसानों को भी लाभ होगा। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर आनंद रामनाथन के मुताबिक फिलहाल सरकार का फोकस सप्लाई साइड पर अधिक है। उन्होंने कहा कि सरकार को विपणन योग्य अधिशेष का अधिकतम मूल्य हासिल करने पर भी फोकस करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखला के सभी हिस्सों में अहम भूमिका निभा सकता है।

उर्वरकों या एग्रोकेमिकल क्षेत्र के लिए हो घोषणाएं - एग्रोकेमिकल सेक्टर को भी 2023 के बजट से बड़ी उम्मीदें हैं। उर्वी शाह के मुताबिक देश में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार को बड़ा एलान करना चाहिए। अगर सरकार ऐसा करती है तो एग्रोकेमिकल फर्म्स जो खासकर यूरिया और नाइट्रोजन के कारोबार से जुड़े हैं उन्हें फायदा पहुंचेगा। इसके अलावे अगर एलॉकेशन और सब्सिडीज की घोषणा की जा जाती है तो कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

क्या शिक्षा क्षेत्र के डिजिटलीकरण के लिए सरकार बड़ी घोषणा करेगी - टेक अवंत-गार्डे के सीईओ अली सैत का के अनुसार, 'इस बार के केंद्रीय बजट में सरकार को शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल बदलाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुकूल माहौल बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उनके अनुसार एनईपी का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर किसी की शिक्षा तक पहुंच हो। हमारे देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से डिजिटल संसाधनों की कमी है। हमारा मानना है कि हाइब्रिड लर्निंग सेंटर बनाने और डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सरकार को मदद की घोषणा करनी चाहिए। शैक्षिक संस्थानों की सहायता के लिए बजट में फंड्स का प्रावधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह देखते हुए कि भारत दुनिया के सबसे युवा और सबसे बड़े देशों में से एक है हाइब्रिड लर्निंग यह सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देश के हर कोने तक पहुंचे।

ब्लॉकचेन रह सकती है सरकार के फोकस में - धीवे के सह-संस्थापक और सीईओ प्रदीप केपी के अनुसार भारतीय आईटी पारिस्थितिकी तंत्र भविष्य की वेब 3 और ब्लॉकचेन अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। दुनिया के लिए मेक इन इंडिया के भारत सरकार के दृष्टिकोण और मिशन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। डिजिटल अर्थव्यवस्था और वेब 3 विभिन्न उपयोग के मामलों में गहरी पैठ बना रहे हैं और सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे के रूप में उपयोग के लिए ब्लॉकचेन का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद है कि सरकार ब्लॉकचेन तकनीक से जुड़ी कोई बड़ी घोषणा करे। उनके अनुसार यह वह समय है कि सरकार सक्रिय रूप से राजकोषीय राहत और नीतियों को लाए जो इन प्रौद्योगिकियों के उपयोग को प्रोत्साहित करते हैं। सीबीडीसी और डिजिटल वॉलेट कंपनियों के लिए नियामकीय ढांचे पर जोर दिए जाने का काफी इंतजार किया जा रहा है।

सबको स्वच्छ जल सुलभ कराने के लिए सरकार की ओर से पहल की उम्मीद - ड्रिंकप्राइम के सह-संस्थापक और सीईओ विजेंदर रेड्डी मुथयाला के अनुसार हम जल-जीवन-मिशन और हर घर जल जैसी पहलों के माध्यम से पीने के पानी को अधिक सुलभ बनाने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। हमारा मानना है कि सुरक्षित पेयजल को और अधिक किफायती बनाना महत्वपूर्ण है।

एअर इंडिया के टाटा में एक साल पूरे

कंपनी का एवरेज डेली रेवेन्यू हुआ डबल, डेली फ्लाइट की संख्या भी 30प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली।
टाटा ग्रुप में वापसी के बाद शुक्रवार को एयर इंडिया के एक साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एयरलाइन के चीफ एग्जीक्यूटिव कैंपबेल विल्सन ने भी कंपनी के कर्मचारियों को लेटर लिखकर बधाई दी है। 27 जनवरी 2022 को ही टाटा संस ने आधिकारिक तौर पर सरकारी कंपनी एअर इंडिया को टेकओवर किया था। इसके बाद टाटा देश की दूसरी बड़ी एयरलाइन बन गई थी।

विल्सन ने बताया कि टाटा ग्रुप में शामिल होने के बाद एयरलाइन ने पिछले एक साल में कोविड-19 महामारी के प्रभावों से निपटते हुए कई उपलब्धियां हासिल की हैं। कंपनी अधिग्रहण की पहली वर्षगांठ के मौके पर 20 बोइंग 787 और 10 बोइंग 777ङ्क के साथ 190 बोइंग 737 मैक्स नैरो बॉडी विमानों के लिए एक ऑर्डर देने के लिए तैयार कर रही है। 2022 में कुल 12.32 करोड़ लोगों ने घरेलू रूट्स पर यात्रा की थी। भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है। यह 1.20 लाख करोड़ रुपए की इंडस्ट्री है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन काअनुमान है कि 2030 तक भारत चीन और अमेरिका को इस मामले में पीछे छोड़ सकता है। एअर इंडिया के इतिहास की बात करें तो इसकी शुरुआत अप्रैल 1932 में हुई थी। इसकी स्थापना उद्योगपति टाटा ने की थी। उस वक्त नाम टाटा एयरलाइंस हुआ करता था। टाटा ने महज 15 की उम्र में साल 1919 में पहली बार शौकिया तौर पर हवाई जहाज उड़ाया था, लेकिन शौक जुनून बन गया टाटा ने अपना पायलट का लाइसेंस ले लिया। एयरलाइन की पहली कॉमर्शियल उड़ान 15 अक्टूबर 1932 को भरी गई थी। तब सिर्फ सिंगल इंजन वाला हैवीलैंड पस मोथ हवाई जहाज था, जो अहमदाबाद-कराची के रास्ते मुंबई गया था। प्लेन में उस वक्त एक भी यात्री नहीं था बल्कि 25 किलो चिट्ठयां थीं। चिट्ठियों को लंदन से इम्पीरियल एयरवेज से कराची लाया गया था। यह एयरवेज ब्रिटेन का राजसी विमान था। इसके बाद साल 1933 में टाटा एयरलाइंस ने यात्रियों को लेकर पहली उड़ान भरी। टाटा ने दो लाख रुपए की लागत से कंपनी स्थापित की थी।

जीएसटी लिमिटेड और प्रमोटर्स के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर, 4500 करोड़ रुपये के लोन की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली ।
केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने 4500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। जिन लोगों के खिलाफ सीबीआई ने मामला दर्ज किया है, उनमें जीटीएल लिमिटेड,उसके कुछ डॉयरेक्टर और कुछ अन्य अज्ञात बैंकर शामिल हैं। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक, इन आरोपियों ने लोन के रुपयों में हेरफेर करके बैंकों के कंसोर्टियम को कथित रूप से धोखा दिया है।

कंसोर्टियम में 24 बैंक शामिल - इस कंसोर्टियम में 24 बैंक शामिल हैं। जांच एजेंसी की एफआईआर के मुताबिक, जीटीएल लिमिटेड ने धोखे से कंसोर्टियम से लोन हासिल किया। इसके बाद इस लोन में से अधिकांश रुपये अपने विक्रेताओं, अज्ञात बैंक अधिकारियों आदि के साथ साजिश करके निकाल लिया। धोखाधड़ी का यह मामला धोखाधड़ी कथित तौर पर वर्ष 2009-2012 के बीच हुई थी।

सीबीआई ने लगाए आरोप - सीबीआई के आरोप के मुताबिक, जीटीएल हर साल कुछ वेडरों को बड़ी मात्रा में एडवांस में रुपये देती थी, लेकिन इसके बदले में वह वेंडर कंपनी को किसी करह के माल की सप्लाई नहीं करते थे। बाद में कंपनी द्वारा एडवांस का सेटेलमेंट कियाा जाता था। इतना ही नहीं, जीटीएल लिमिटेड की मिलीभगत से

बैंक की अल्पकालिक निधियों और अन्य क्रेडिट सुविधाओं को बेईमानी से निकालने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से कई विक्रेता कंपनियों को उधारकर्ता बनाया गया था। जांच में इसका भी खुलासा हुआ है कि अल्पावधि ऋण राशि और अन्य ऋण सुविधाएं जीटीएल कंपनी द्वारा प्राप्त की गई थीं। जीएसटी लिमिटेड ने इस लोन को व्यावसायिक गतिविधि के उद्देश्य से लिया था, लेकिन लोन मिलने के बाद उसकी अधिकांश राशि का उपयोग उस उद्देश्य के लिए नहीं किया गया जिसके लिए इसे प्रदान किया गया था।

अमेजन कर्मियों का दावा- होता है रोबोट से भी बुरा व्यवहार, शौचालय जाने पर भी किए जाते हैं सवाल

नई दिल्ली ।
ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन के कर्मचारियों ने वेतन के मसले पर ब्रिटेन में हड़ताल की है। इस बीच कुछ कर्मियों ने गंभीर परिस्थितियों में काम करने की अपनी पीड़ा साझा की है जिसमें चौंकाने वाले दावे किए गए हैं। कुछ कर्मियों के अनुसार उनके शौचालय ब्रेक के लिए भी समय तय कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में इंग्लैंड में कंपनी के कोवेंट्री गोदाम के श्रमिकों के हवाले से यह बात कही गई है। कर्मियों ने कहा है कि उन पर लगातार नजर रखी जाती है। ब्रिटेन के सामान्य व्यापार निकाय जीएमबी से जुड़े दो कर्मचारियों ने बीबीसी को

बताया कि अमेजन ग्रेट परफॉर्मेंस को पहचानने के लिए एक तंत्र का उपयोग करता है। बीबीसी ने डैरेन वेस्टवुड और गारफील्ड हिल्टन के हवाले से कहा कि प्रबंधक श्रमिकों के शौचालय जाने पर भी सवाल उठा सकते हैं। उनमें से एक ने दावा किया, गोदाम में रोबोट के साथ हमसे बेहतर व्यवहार किया जाता है। हिल्टन ने कहा, हड़ताल का कारण यह है कि वे यह जानना चाहते हैं कि हैं आखिरी ऐसा क्यों है मधुमेह रोगी होने के नाते उन्होंने कहा कि गोदाम परिसर के करीब शौचालय ढूंढना आसान नहीं है और इस प्रक्रिया में लगभग 15 मिनट लग सकते हैं। लेकिन इतने समय में प्रबंधक नाराज होकर सवाल करने लगते हैं कि, आप क्या कर रहे थे यदि कुछ मिनटों की देरी हो जाए तो पर्यवेक्षक इसे सिस्टम पर देख सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वे श्रमिकों के प्रदर्शन पर के साथ वस्तुओं को स्कैन करने में खर्च नहीं होने वाले हर समय पर नजर रखते हैं। इस मामले में अमेजन के एक प्रवक्ता ने बीबीसी को बताया, प्रदर्शन केवल तभी मापा जाता है जब कोई कर्मचारी अपने स्टेशन पर होता है और अपना काम करने के लिए लॉग इन करता है। यदि कोई कर्मचारी लॉग आउट करता है, जो वे किसी भी समय कर सकते हैं, तो प्रदर्शन प्रबंधन उपकरण को रोक दिया जाता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत आकर्षक स्थल

अलगे साल 6.7 फीसदी आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है

संयुक्त राष्ट्र ।
संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अर्थशास्त्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था को इस वक्त दुनिया का सबसे आकर्षक स्थल बताया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत फिलहाल एक आकर्षक स्थल है। वह अगले साल 6.7 फीसदी आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने की दिशा में मजबूती से बढ़ रहा है। यह वृद्धि दर जी-20 सदस्य देशों की तुलना में काफी ऊंची है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग में आर्थिक विश्लेषण और नीति खंड की वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के प्रमुख हामिद राशिद ने विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं 2023 रिपोर्ट पेश करने के दौरान यह बात कही।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च ब्याज दरों और दुनियाभर में निवेश व निर्यात पर आर्थिक मंदी के प्रभाव के बीच भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 2023 में 5.8 फीसदी रहने की संभावना है। राशिद ने कहा कि अन्य दक्षिण एशियाई देशों में आर्थिक वृद्धि दर को लेकर स्थिति बहुत चुनौतीपूर्ण रहने वाली है। इसके

उलट भारत की आर्थिक वृद्धि के मजबूत रहने की उम्मीद है। दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि करती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत की 2024 में वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि निकट भविष्य में मजबूत मांग के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति अच्छी रहेगी। जी-20 के अन्य देशों के मुकाबले भारत की वृद्धि दर काफी बेहतर है। जी-20 में 19 देश- अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ-साथ यूरोपीय संघ (ईयू) है।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह भरोसेमंद और टिकाऊ वृद्ध दर है। भारत में गरीबी रेखा के नीचे कई लोग रहते हैं। इसलिए वृद्धि दर का यह स्तर बेहतर है। भारत अगर इस वृद्धि दर को कायम रखता है तो यह सतत विकास लक्ष्यों के लिए और वैश्विक गरीबी कम करने के लिए अच्छा रहेगा।

आर्थिक मजबूती के लिए तीन कारकों को जिम्मेदार ठहराया

भारत में बेरोजगारी दर पिछले चार साल में भारी गिरावट के साथ 6.4 फीसदी रह गई। इसका मतलब है कि घरेलू मांग बहुत मजबूत है।

भारत में महंगाई दबाव भी काफी कम हुआ है और इसके इस साल करीब 5.5 फीसदी तथा 2024 में पांच प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका मतलब है कि देश के केंद्रीय बैक को मौद्रिक नीति के मोर्चे पर आक्रामक रुख अपनने की जरूरत नहीं होगी।

भारत को लाभ पहुंचाने वाला तीसरा तथ्य ये है कि यहां आयात बिल कम रहा है। खासकर ऊर्जा आयात लागत कम रही है। इससे भी 2022 और 2023 में भारत की वृद्धि दर संभावना बेहतर हुई।

भारत का मिशन 2047

कोरोना महामारी की वजह से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। कोविड-19 की वजह से आए उतार-चढ़ाव के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अब रफ्तार पकड़ ली है। भारत आर्थिक मोर्चे पर लगातार मजबूत हो रहा है। इस बीच विशेषज्ञों ने अनुमान जताया है कि इस साल भी भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार तेज ही रहेगी और अगले एक दशक में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व बैंक ने हाल ही में देश के सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि के अपने अनुमान को 6.4 प्रतिशत से 6.9 प्रतिशत तक संशोधित किया है। भारत में विश्व बैंक के निदेशक ऑगस्टे टानो कोआमे का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था में लचीलापन है, क्योंकि देश की व्यापक आर्थिक स्थिति काफी सुदृढ़ है। सरकार के अपने अनुमानों की मानें तो वित्त वर्ष 2022-2023 में भारत सात फीसदी की वृद्धि दर्ज करेगा। भारत का मकसद है कि अगले पांच वर्षों में ढुलाई की लागत को 14 से घटाकर आठ फीसदी तक लाया जाए। इससे भी विकास में तेजी आने की उम्मीद है। इससे भारत के 2047 तक विकसित देश बनने के सपने को बल मिल सकता है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट ने फुकरे 3 के रिलीज डेट की घोषणा की

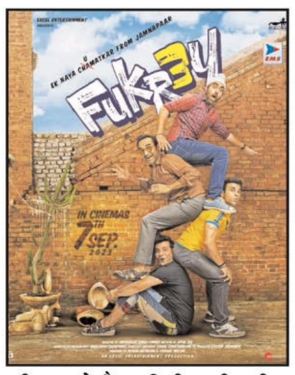

आखिरकार एक लंबे इंतजार के बाद एक्सेल एंटरटेनमेंट ने बॉलीवुड की अपनी सबसे सफल और बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फ्रेंचाइजी फुकरे 3 की रिलीज डेट का एलान कर दिया है जोकि 7 सितंबर 2023 को कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। हंसी और ठहाकों के बीच यह कहना बहुत सही है कि फुकरे 3 दर्शकों के बीच अपने बढ़ते क्रेज के लिए निश्चित रूप से नए स्टैंडर्ड सेट करेगी। फुकरे 3 में पुलकित सम्राट वरुण शर्मा ऋचा चड्ढा मनजोत सिंह और पंकज त्रिपाठी हैं। फिल्म मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित और रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित है। जबकि निमार्ताओं ने इसकी प्रोग्रेस के बारे में लगातार अपडेट के साथ फुकरे 3 की प्रत्याशा को बढ़ाया है आज फाइनली वो फिल्म के रिलीज डेट की बड़ी घोषणा के साथ सामने आ चुके हैं जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 7 सितंबर 2023 को रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार रिलीज की तारीख की घोषणा दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। फुकरे फ्रैंचाइजी ने हमेशा सफलता हासिल की है और फिल्म के दूसरा पार्ट फुकरे रिटर्न्स बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी सक्सेस हासिल की थी। इसके बाद फ्रैंचाइजी की लोकप्रियता ने डिस्कवरी किड्स चैनल पर फुकरे बॉयज नाम की एनिमेटेड सीरीज का निर्माण किया जिसने फिल्म के अनूठे किरदारों को छोटे बच्चों के लिए टीवी स्क्रीन पर फिर से जीवंत कर दिया। 2013 में अपने पहले पार्ट के रिलीज होने के बाद से फुकरे ने हमेशा जनता से अपार प्यार हासिल किया है और अपने सफल पार्ट्स के साथ नई ऊंचाइयों को छुआं है जिसने इसे लोगों द्वारा बनाई गई फ्रेंचाइजी में से एक बना दिया है। फ्रेंचाइजी ने विशेष रूप से युवाओं के बीच अपनी जगह बनाई है फिल्म का दिल्ली कनेक्शन हमेशा फिल्म की आत्मा रहा है जिसने जनता से अपार प्यार पाया। फिल्म ने अब तक एक अविश्वसनीय यात्रा की है जिसने दर्शकों को चूचा पंडित जी भोली पंजाबन जैसे कुछ सबसे पसंदीदा और आइकोनिक ऑन-स्क्रीन किरदार दिए हैं जो फुकरे 3 में पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट जिसकी सह-स्थापना फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने की थी जेडएनएमडी दिल चाहता है डॉन डॉन 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ दर्शकों को एंटरटेन किया है। प्रोडक्शन हाउस सबसे बहुप्रतीक्षित जी ले जरा के लिए कमर कस रहा है।

सलमान खान स्टारर किसी का भाई किसी की जान का टीजर हुआ रिलीज

जब से अभिनेता सलमान खान की अपकमिंग फिल्म के टीजर के रिलीज की घोषणा की गई थी तब से ही उनके प्रशंसक टीजर लॉन्च का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सोशल मीडिया पर हर तरफ टीजर को लेकर बाते शुरू हो गई थी फैन्स सलमान की आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान में भाईजान की एक झलक देखने के लिए उतावले होने लगे। लेकिन अब फाइनली फैन्स का ये इंतजार खत्म हो चुका है क्योंकि निमार्ताओं ने जनता के लिए टीजर लॉन्च कर दिया है और अब यह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अवेलेबल है। ये टीजर में सलमान खान के स्वैग को दशार्ता है जो हमेशा उनके फैन्स देखना चाहते है। टीजर की शुरूआत सलमान द्वारा सही का होगा सही गलत का होगा गलतह्व के साथ होती है जिसमें सलमान का स्वैग देखा जा सकता है जिसके लिए वह जाने जाते हैं। यह सलमान खान की सशक्त आभा का प्रतीक है। इस टीजर में वैसे मेरा कोई नाम नहीं पर मैं भाईजान के नाम से जाना जाता हूं जैसी लाइन्स और कुछ ऐसे पल और डायलॉग्स हैं जो निश्चित रूप से आने वाले दिनों में आम भाषा का एक प्रमुख हिस्सा बन जाएंगे। ये टीजर किसी का भाई किसी की जान की दुनिया की एक झलक देता है और दशार्ता है कि हमें फिल्म से क्या उम्मीद करनी चाहिए। टीजर जीवंत है रंगीन वाइब देता है और फिल्म को एक परफेक्ट फैमिली सेटअप के रूप में स्थापित करता है लेकिन सलमान के अवेटेड एक्शन सीक्वेंसेस के साथ जो उनके फैन्स हमेशा देखना चाहते हैं। सलमान खान की फिल्में हमेशा एक मेगा फेस्टिवल होती हैं और ईद के खास मौके पर फिल्म का आना दर्शकों को लिए सोने पर सुहागा जैसी बात हो जाती है क्योंकि फिल्म में सबके लिए कुछ न कुछ मौजूद होता है जो इसे एक परफेक्ट फैमिली एंटरटेनर भी बनाता है। तो इस ईद पर पूरे परिवार के मनोरंजन के लिए सिनेमाघरों की ओर रुख करें। जैसा कि टीजर के अंत में कहा गया है ब्रिंग इट ऑन। सलमान खान द्वारा निर्मित सलमान खान फिल्म्स प्रोडक्शन किसी का भाई किसी की जान फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित हैं। फिल्म में सलमान खान वेंकटेश दग्गुबाती पूजा हेगड़े जगपति बाबू भूमिका चावला विजेंदर सिंह अभिमन्यु सिंह राघव जुयाल सिद्धार्थ निगम जस्सी गिल शहनाज गिल पलक तिवारी और विनाली भटनागर हैं। साथ ही सलमान खान की फिल्म के भी सारे एलिमेंट मौजूद है जैसे एक्शन कॉमेडी ड्रामा और रोमांस। ये फिल्म ईद 2023 पर रिलीज होने वाली है और यह दुनिया भर में जी स्टूडियोज की रिलीज होगी।

प्राइम वीडियो ने सिनेमा मरते दम तक की विशेष स्क्रीनिंग के साथ सुनहरे दौर का मनाया जश्न

अमेजन ओरिजिनल रियलिटी डॉक्यू-सीरीज सिनेमा मरते दम तक दर्शकों को पर्दे के पीछे से 90 के दशक की हिंदी पल्प मूवीज की पहले कभी न देखी गई आकर्षक और अप्रमाणित दुनिया में ले जाती है- एक सुनहरा युग जिसने क्ल्ट फिनॉमिना के लिए एक लॉयल फैन-बेस का दावा किया कि यह था। हाल में प्राइम वीडियो वसन बाला और वाइस मीडिया ने फिल्म बिरादरी के दोस्तों और मीडिया के सदस्यों को लव फॉर सिनेमा का जश्न मनाने के लिए एक साथ लेकर आए और इस रियलिटी डॉक्यू-सीरीज की खास स्क्रीनिंग रखी। इस मौके पर सिनेमा मरते दम तक की टीम पूरे जोश में नजर आई और दर्शकों की तारीफ तालियों और प्यार से अभिभूत दिखीं। इस विशेष स्क्रीनिंग में अपर्णा पुरोहित हेड ऑफ इंडिया ओरिजिनल्स प्राइम वीडियो वसन बाला समीरा कंवर के साथ विनोद तलवार शिवा रिंदानी और हरीश पटेल जैसे 90 के दशक के पल्प इंडस्ट्री के क्रिएटर्स और टैलेंट मौजूद थें। वहीं इंडस्ट्री से सिकंदर खेर हुमा कुरैशी आकांशा रंजन कपूर राधिका मदान आरती कदव कनन गिल सुमुखी सुरेश साहिल शाह कनीज सुरका सुमैरा शेख रिताशा राठौर जैसे स्टार्स भी इस इवेंट का हिस्सा बनें। वाइस स्टूडियो प्रोडक्शन और शानदार फिल्म निमार्ता वसन बाला द्वारा निर्मित छह-एपिसोड की यह रियलिटी डॉक्यू-सीरीज 90 के दशक के पल्प सिनेमा इंडस्ट्री की चकाचौंध और इंडिपेंडेंट इकोसिस्टम की पहली झलक है। दिशा रिंदानी जुल्फी और कुलिश कांत ठाकुर द्वारा सह-निर्देशित सिनेमा मरते दम तक दर्शकों को उस युग के चार असाधारण भावुक निर्देशकों - जे नीलम विनोद तलवार दिलीप गुलाटी और किशन शाह - के साथ पर्दे के पीछे ले जाता है - जब वे अपने स्वान सॉंग्स के लिए वापस आते हैं 30 साल पहले के समान बजट और थीम का उपयोग करके फिल्म बनाने के लिए। डॉक्यू-सीरीज में रजा मुराद मुकेश ऋषि हरीश पटेल और राखी सावंत जैसे कलाकार भी शामिल हैं जो भारतीय सिनेमा के इस लेसर नोन चैप्टर पर अंतर्दृष्टि साझा करते हैं। अभिनेता अर्जुन कपूर भी लास्ट एपिसोड में एक मेजबान के रूप में दिखाई देते हैं। भारत और दुनिया भर के 240 देशों और क्षेत्रों में प्राइम मेंबर्स 20 जनवरी से शुरू होने वाली डॉक्यू-सीरीज को विशेष रूप से स्ट्रीम करने में सक्षम होंगे।

पठान के निर्माता को करोड़ों का हुआ नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। बड़े सितारों की मेगा बजट फिल्मों को ऑनलाइन लीक करने वाली वेबसाइटों तमिल रॉकर्स फिल्मीजिला एमपी4मूवीज पागलवर्ल्ड वेगामूवीज ये दावा कर रहे हैं कि वो पठान को अपने प्लेटफॉर्म पर मुफ्त में दिखा सकते हैं। शाहरुख खान बहुप्रतीक्षित फिल्म पठान प्रदर्शन से एक दिन पूर्व ऑनलाइन लीक हो गई है। फिल्म को कुछेक वेबसाइटों पर अपलोड कर दिया है। हालांकि इस बारे में निमार्ताओं की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। कुछ घंटे पूर्व यशराज फिल्म ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था सबसे बड़े एक्शन तमाशे के लिए तैयार हैं? सभी से विनम्र अनुरोध है कि वे किसी भी वीडियो को रिकॉर्ड करने उन्हें ऑनलाइन शेयर करने और कोई स्पॉइलर देने से परहेज करें। पठान केवल सिनेमाघरों में! 25 जनवरी 2023 को अपने पास एक बड़ी स्क्रीन पर वाईआरएफ50 के साथ पठान का जश्न मनाएं। हिंदी तमिल और तेलुगु में रिलीज। इससे पहले पठान का ट्रेलर भी लीक हो गया था और अब फिल्म के लीक होने से चारों तरफ हडकंप मच गया है।अमूमन हर मल्टीप्लेक्स व सिंगल सिनेमाघरों में इस फिल्म की टिकट दरों में बढ़ोतरी की गई है। जिसके चलते फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आय के नए रिकॉर्ड कायम करने में सफल हो सकती है। हालांकि लीक होने से बॉक्स ऑफिस पर इसका असर दो-तीन दिन बाद दिखाई दे सकता है।ज्ञातव्य है कि पठान को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह नजर आ रहा है। 20 जनवरी को फिल्म पठान की एडवांस बुकिंग शुरू हुई थी। पठान हिन्दी की पहली ऐसी फिल्म है जिसने एडवांस बुकिंग के जरिये बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कमाई 50 करोड़ कर ली है। हालांकि टिकट दरों में काफी बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली गुडगाँव में फिल्म के एक टिकट की कीमत 2400 रुपये तक बताई जा रही है।

होली के दिन रिलीज होगी रणबीर और श्रद्धा की तू झूठी मैं मक्कार

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की सिजलिंग केमिस्ट्री के साथ अपने अनोखे टाइटल तू झूठी मैं मक्कार की वजह से भी दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। जबकि फिल्म ने अपने रिफ्रेशिंग फील वाइब्रेंट सीन्स और रोमांटिक-कॉम के वादे के साथ युवाओं से कनेक्ट कर लिया है इसने सभी की प्रत्याशा को भी खूब बढ़ाया है। फिल्म का यह नया पोस्टर फिल्म की दुनिया को जीवंत करता है जो बहुत ही रंगीन मजेदार और जीवन से भरपूर है। यह देखते हुए कि यह लव रंजन की फिल्म है हम अंदाजा लगा सकते हैं कि फिल्म की कहानी घिसी-पिटी नही होगी। यहां तक कि आज के प्यार और रिश्ते भी कुछ भी हैं लेकिन प्रेडिक्टेबल हैं। दर्शकों ने एक ट्रू ब्लू यूथ फिल्म के लिए कुछ समय तक इंतजार किया है और तू झूठी मैं मक्कार निश्चित रूप से इस पर खरी उतरने वाली है जो एक ऐसी दुनिया का वादा करती है जिससे आज के युवा खुद को जोड़ पाएंगे। निर्देशक लव रंजन जो अपनी फिल्मों के अनूठे ब्रांड के लिए जाने जाते हैं और कंटेम्परेरी रोमांस के फ्लैग बियरर हैं ने कहा प्यार एक कॉम्प्लीकेटेड सब्जेक्ट है लेकिन क्यों न आज की दुनिया में रिश्तों को सुलझाने की कोशिश करते हुए कुछ मजा लिया जाए। श्रद्धा और रणबीर की सुपर टैलेंटेड जोड़ी और मेरे ब्रिलियंट क्रू ने फिल्म की दुनिया और वाइब को जीवंत कर दिया है। मैं उम्मीद कर रहा हूं कि हर उम्र के दर्शक युवा और युवा दिल से थिएटर में अच्छा समय बिताएंगे जब वे फिल्म देखते हुए अपने खुद के रोमांस से जुड़ेंगे। तू झूठी मैं मक्कार लव रंजन द्वारा निर्देशित हैं। इस फिल्म को लव फिल्म्स के लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित किया गया हैं वहीं टी-सीरीज के गुलशन कुमार और भूषण कुमार द्वारा इसे प्रस्तुत किया हैं। यह 8 मार्च 2023 को होली के दिन दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक उत्सव के रूप में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक बहादुर लड़की की कहानी है ऐ वतन मेरे वतन

ऐ वतन मेरे वतन सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक थ्रिलर ड्रामा है जिसकी कहानी दरब फारूकी और कन्नन अय्यर ने लिखी हैं। यह एक श्रद्धांजलि है भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले निडर नायकों को। धर्माटिक एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को करण जौहर और अपूर्व मेहता ने प्रोड्यूस किया हैं जिसके को-प्रोड्यूसर सोमेन मिश्रा हैं। कन्नन अय्यर के निर्देशन में बनी यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक थ्रिलर ड्रामा है जिसकी कहानी दरब फारूकी और कन्नन अय्यर ने लिखी हैं। इस फिल्म में सारा अली खान एक दिलेर स्वतंत्रता सेनानी का किरदार निभाएंगी। हाल ही में इस फिल्म का फर्स्ट-लुक वीडियो लॉन्च किया गया जो हमें अतीत के दौर में वापस ले जाता है जिसमें हमें एक लड़की नजर आती है जो बेहद चिंतित होते हुए भी पूरी लगन के साथ कम रोशनी वाले एक कमरे में रेडियो की तरह दिखने वाले डिवाइस को बड़ी कुशलता से असेंबल करती है। कैमरा धीरे-धीरे दिखाता है कि वह युवती कोई और नहीं बल्कि सारा अली खान है जिन्हें दर्शकों ने इस तरह के नॉन-ग्लैमरस अवतार में पहले कभी नहीं देखा होगा। वह रेडियो पर बोलना शुरू कर देती है उसकी आवाज में दृढ़-संकल्प और साहस की झलक दिखाई देती है और वह जमीन के नीचे मौजूद अपने रेडियो स्टेशन के जरिए पूरे देश के साथ स्वतंत्रता का संदेश साझा करती है। ऐ वतन मेरे वतन सच्ची घटनाओं से प्रेरित बॉम्बे के एक कॉलेज में पढ़ने वाली बहादुर लड़की कहानी है जो स्वतंत्रता सेनानी बन जाती है। यह काल्पनिक कहानी 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस फिल्म में देश के युवाओं की दिलेरी देशभक्ति दूरदर्शिता और हर मामले में उनकी कुशलता को दिखाया गया है। इसके बारे में बात करते हुए करण जौहर धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने कहा धर्माटिक एंटरटेनमेंट को इस बात की बेहद खुशी है कि हमें एक बार फिर से प्राइम वीडियो के साथ मिलकर अव्वल दर्जे की फिल्म - ऐ वतन मेरे वतन के निर्माण का मौका मिला है। उन्होंने आगे कहा इस फिल्म के जरिए आजादी की लड़ाई के एक ऐसे अध्याय को दर्शकों के सामने लाने की कोशिश की गई है जिसके बारे में लोगों को काफी कम जानकारी है। बेहद प्रतिभाशाली अदाकारा सारा अली खान मुख्य भूमिका निभा रही हैं और दर्शकों ने उन्हें इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा होगा। साथ ही कन्नन अय्यर का वजन भी लाजवाब है और इसी वजह से यह दर्शकों को प्रेरणा देने वाली और उनका भरपूर मनोरंजन करने वाली फिल्म है। इस पर आगे बात करते हुए फिल्म निर्देशक कन्नन अय्यर ने कहा भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बेहद कठिन दौर की सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस कहानी का निर्देशन करना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है साथ ही मैं प्राइम वीडियो और धर्माटिक एंटरटेनमेंट का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। ऐ वतन मेरे वतन देश की आजादी की लड़ाई में हमारे बहादुर नायकों द्वारा दिए गए अनमोल योगदान के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है। मुझे पहली बार सारा अली खान के साथ काम करने का मौका मिला है और उन्होंने जिस तरह से खुद को इस किरदार में ढाला है उसे देखकर मैं बेहद उत्साहित हूं। वहीं फिल्म में अपने किरदार को लेकर सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं और इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी खुशी की बात है क्योंकि मुझे लगता है कि इसकी कहानी लोगों तक पहुंचनी ही चाहिए। प्राइम वीडियो और धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने मुझे यह मौका दिया जो मेरे लिए सम्मान की बात है। एक अभिनेता होने के साथ-साथ एक भारतीय होने के नाते मैं इस किरदार को निभाते हुए गौरव और जिम्मेदारी की भावना का अनुभव कर रही हूं। कन्नन अय्यर सर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है क्योंकि भावनात्मक रूप से उन्हें इस कहानी से काफी लगाव है और वे इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। सच कहूं तो ऐसे किरदार को निभाना बहुत चुनौतीपूर्ण है क्योंकि मैंने अब तक जो भूमिकाएं निभाई हैं यह उनसे बिल्कुल अलग है। इस प्रोजेक्ट के लिए मैं वाकई कड़ी मेहनत करने जा रही हूँ। और सबसे बड़ी बात यह है कि हर दिन इस किरदार को निभाते हुए मैं उसके हर लम्हे को अपने दिल में संजोकर रखूंगी। ऐ वतन मेरे वतन दुनिया भर में 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम मेंबर्स के लिए उपलब्ध होगी।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में हो रही दयाबेन की वापसी

मुंबई (ईएमएस)। पॉपुलर कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से पिछले 5 सालों से शो से दयाबेन गायब हैं लेकिन मेकर्स आजतक दयाबेन का किरदार निभाने वाली दिशा वकानी को रिप्लेस नहीं कर पाए हैं। अब जाकर आखिरकार ऑडियंस का इंतजार खत्म होने वाला है। तारक मेहता का उल्टा चश्मा के आने वाले एपिसोड में दयाबेन की वापसी होने जा रही है। शो के प्रोड्यूसर असित मोदी का भी कहना है कि शो में जल्द ही दयाबेन की वापसी होने जा रही है। हालांकि दयाबेन के रूप में दिशा वकानी की वापसी होगी या फिर मेकर्स किसी नए चेहरे को लाएंगे इस बात खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। इसी बीच अब सोशल मीडिया पर दयाबेन और बाघा की एक फोटो खूब तेजी से वायरल हो रही है। इस फोटो को देखकर अब फैन्स ये कयास लगा रहे हैं कि दिशा वकानी शो में वापसी करने वाली हैं। बता दें ये फोटो उन दिनों की है जब बाघा के किरदार में नजर आने वाले तन्मय वकारिया और दिशा वकानी थिएटर में साथ में काम करते थे। बाघा ने 2021 में ये फोटो शेयर की थी। शो में बावरी के किरदार में नवीना वाडेकर की एंट्री हुई है। पहले बावरी का किरदार मोनिका भदोरिया अदा कर रही थीं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा की स्टार कास्ट में बीते कुछ वक्त में कई बदलाव देखने को मिले हैं। शो में नए तारक मेहता के साथ नई अंजलि भाभी की भी एंट्री हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स नए टप्पू की तलाश में भी हैं। दिशा वकानी ने 9 सालों तक दयाबेन का किरदार अदा कर ऑडियंस के दिलों में अपनी एक खास जगह बना ली थी। लेकिन साल 2017 में इस एक्ट्रेस ने मैटरनिटी लीव ली और आज तक शो पर वापसी नहीं की। मालूम हो कि तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल पिछले 14 सालों से अपनी ऑडियंस को हंसा रहा है। इस शो के सभी किरदारों ने ऑडियंस के दिलों में अपनी एक अलग छाप छोड़ी है। लेकिन बीते कुछ सालों में शो के कई सारे जाने-माने सितारों ने शो को अलविदा कह दिया है। पुराने चेहरों की जगह शो में नए चेहरे देखने को मिल रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6325

★★★✯☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6324 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्दजाल - 7072

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद

शब्दजाल - 7071 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	क्र	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	व	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6025

7		3	4			2
	38	6	34		32	7
		7				
5	29	1	33	4	36	6
		2			4	5
1	24		35		28	
2		5		1		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6024 का हल

6	4	7	5	2	1	3
3	34	2	36	6	28	1
4	2	6	1	7	3	5
5	33	4	34	1	31	6
1	6	5	7	3	2	4
2	28	3	32	4	33	7
7	3	1	4	5	6	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

बेटे के सामने फाइनल हारीं सानिया मिर्जा, 22 साल पुराने साथी का भी सपना टूटा, बोलीं– ये खास पल हैं

मेलबर्न ।
भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम में हार का सामना करना पड़ा है। सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की भारतीय जोड़ी को ब्राजील की लुइसा स्टेफनी और राफेल माटोस ने 6–7, 2–6 के अंतर से हराया। इस हार के साथ ही सानिया के कई सपने टूट गए। वह अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम में विजयी विदाई चाहती थीं, लेकिन यह नहीं हो सका। सानिया का बेटा इजहान भी यह मैच देख रहा था और अपने बेटे के सामने वह ग्रैंड स्लैम जीतने का गौरव नहीं हासिल कर पाईं। सानिया ने फाइनल में हार के बाद कहा कि बेटे के सामने ऑस्ट्रेलियन ओपन का फाइनल खेलना उनके लिए बेहद खास पल हैं। सानिया ने पहले ही एलान कर दिया था कि ऑस्ट्रेलियन ओपन उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट होगा। उन्होंने इस टूर्नामेंट में दो श्रेणी में हिस्सा लिया था। महिला युगल में सानिया ने कजाखस्तान की अन्ना दानिलिना के साथ जोड़ी बनाई थी, ये दोनों दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गई थीं। मिश्रित युगल में सानिया ने रोहन बोपन्ना के साथ मिलकर कमाल किया और फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, फाइनल में हार के साथ उनका अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम में चैंपियन बनने का सपना टूट गया। सानिया मिर्जा ने पहली बार 14 साल की उम्र में मिश्रित युगल श्रेणी में भाग लिया था। रोहन बोपन्ना ही उनके पहले पुरुष जोड़ीदार थे और इन दोनों राष्ट्रीय खिताब जीता था। हालांकि, 22 साल पुरानी यह जोड़ी अपने आखिरी ग्रैंड स्लैम में जीत से एक कदम दूर रह गई। 36 साल की सानिया और 42 साल के रोहन अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हैं। सानिया दो टूर्नामेंट बाद ही संन्यास लेंगी और रोहन भी जल्द ही संन्यास ले सकते हैं। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने कहा, रोहन 14 साल की उम्र में मेरे पहले मिश्रित–युगल साथी थे और हमने राष्ट्रीय खिताब जीता था। यह बहुत समय पहले की बात है, 22 साल पहले, और मैं उनसे बेहतर व्यक्ति के बारे में नहीं सोच सकती। यहां अपना करियर खत्म करने और फाइनल खेलने के लिए वह मेरे सबसे अच्छे दोस्तों और सबसे अच्छे जोड़ीदारों में से एक हैं। मेरा ग्रैंड स्लैम करियर खत्म करने के लिए कोई बेहतर जगह नहीं है।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान शोएब मलिक से शादी करने वाली मिर्जा का एक छोटा बेटा इजहान है और उन्होंने कहा कि एक बड़े फाइनल में उनके सामने खेलना अविश्वसनीय था। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ग्रैंड स्लैम फाइनल में अपने बच्चे के सामने खेल सकूंगी, इसलिए मेरे चार साल के बच्चे और मेरे माता–पिता का यहां होना वास्तव में खास है।

न्यूज ब्रीफ

सरफराज के सेलेक्शन पर बीसीसीआई सेलेक्टर ने तोड़ी चुप्पी: कहा - टीम में कॉम्पोजिशन और बैलेंस जरूरी, लेकिन सरफराज हमारे रडार में

नई दिल्ली। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को इंडिया टीम में जगह नहीं मिलने पर टीम इंडिया की सेलेक्शन कमिटी पैनल के सदस्य श्रीधरन शरथ ने चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा, हम उस पर नजर बनाए रखे हैं। उन्हें जल्द मौका मिलेगा, लेकिन, इस समय टीम में कॉम्पोजिशन और बैलेंस जरूरी है। शरथ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गजों के साथ–साथ युवा सितारों की तारीफ की की। उन्होंने कहा कि कोहली अभी भी मैच विनर हैं। वहीं, चेतेश्वर पुजारा बल्लेबाजी में स्थिरता लाते हैं। रोहित शर्मा एक अच्छे लीडर और शानदार बल्लेबाज हैं। श्रेयस अय्यर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे है। शुभमन गिल और के.एल. राहुल में मैच जिताने की क्षमता है। अभी इन प्लेयर्स के होने से टीम में बैलेंस है। जो की बहुत जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिए भारत की टीम जारी हुई थी। इसमें ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को चुना गया था, लेकिन रन–मशीन सरफराज को नजरअंदाज कर दिया गया था। इस वजह से बीसीसीआई को कई दिग्गजों ने आलोचना भी की। सरफराज खान 2019 के रणजी ट्रॉफी सीजन से मुंबई के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में रन बना रहे हैं। उस सीजन के 6 मैचों में उन्होंने 154.66 की औसत से 928 रन बनाए थे। इनमें 3 शतक और 2 फिफ्टी भी आई थीं। इस दौरान उनके बैट से 301 रन की पारी भी निकली थी। 2020–21 का रणजी सीजन कोविड–19 महामारी के चलते नहीं हो सका था। 2021–22 सीजन में रणजी ट्रॉफी लौटते ही सरफराज ने फिर रनों का अंबार लगा दिया। सीजन के 6 मैचों में उन्होंने इस बार 122.75 की औसत से 982 रन बना डाले। उनके दम पर टीम फाइनल तक पहुंची। मुंबई तो फाइनल हार गई, लेकिन सरफराज खान को प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया। सरफराज खान ने इंडिया–ए के लिए अब तक 4 मैच खेले हैं। इनकी 7 पारियों में उन्होंने 34.16 की औसत से 205 रन बनाए हैं। उनके बैट से 2 फिफ्टी आईं और उन्होंने 5 विकेट भी लिए। पिछले दिनों बांग्लादेश के खिलाफ ए सीरीज में वे कुछ खास नहीं कर सके थे।

पंजाब के खेल मंत्री बने पूर्व पाकिस्तानी गेंदबाज वहाब रियाज: 11 कैबिनेट मिनिस्टर का ऐलान हुआ

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज पाकिस्तान के पंजाब राज्य के कार्यवाहक खेल मंत्री बनाए गए हैं। पंजाब के 11 कैबिनेट मिनिस्टर का ऐलान हुआ। राज्यपाल बाली उर रहमान ने लाहौर में गवर्नर हाउस में नई कैबिनेट को शपथ दिलाई। इसमें 8 मिनिस्टर से शपथ ली। हालांकि, रियाज समेत 3 मिनिस्टर कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। पाकिस्तानी पेसर इस समय बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं। वे खुलना टाइगर्स टीम के खिलाड़ी हैं। 2019 में वहाब रियाज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। वे लिमिटेड ओवर क्रिकेट पर फोकस करना चाहते थे। हालांकि, दिसंबर 2020 के बाद से वहाब को नेशनल टीम में मौका नहीं मिला है। वहाब रियाज हाल ही में टी–20 क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बने।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के महिला सिंगल्स के फाइनलिस्ट तय, सबालेंका का सामना रिबाकिना से

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन धीरे–धीरे अपने अंजाम तक पहुंचने वाला है। महिल सिंगल्स के फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। महिला सिंगल्स के फाइनल में बेलारूस एरीना सबालेंका का सामना एलेना रिबाकिना से होगा। रिबाकिना ने पहले सेमीफाइनल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को 7–6, 6–3 से हरा दिया। कजाकिस्तान की रिबाकिना को फाइनल में एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा। सबालेंका ने पांचवीं वरीयता प्राप्त माग्दा लिनेट को 7–6, 6–2 से हराया। रिबाकिना ने अपना सेमीफाइनल मैच एक घंटे 41 मिनट में जीता। 2012 और 2013 में अजारेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन रह चुकी हैं। रिबाकिना इससे पहले इस ग्रैंड स्लैम में इगा स्वियातेक और जेलेना ओस्टापेंको को भी हरा चुकी हैं। वहीं, सबालेंका पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। हालांकि, उनका सामना विम्बलडन चैंपियन रिबाकिना से होगा।

क्लासिफिकेशन मैच में भारत की शानदार जीत, जापान को 8–0 से रौंदा

राउरकेला ।
भारत ने क्लासिफिकेशन राउंड के अपने पहले मुकाबले में 2018 एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट जापान को 8–0 से रौंद दिया। क्वार्टरफाइनल में नहीं पहुंच पाने वाली आठ टीमें नौवें से 16वें स्थान के लिए आपस में भिड़ रही हैं। भारत का इस राउंड में पहला मुकाबला जापान से था। राउरकेला में खेले गए मैच में भारत ने जापान को 8–0 से रौंद दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ क्रॉसओवर मैच में हारने के बाद और क्वार्टर फाइनल की रेस से बाहर होने के बाद भारतीय टीम ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया और जापान को कोई मौका नहीं दिया। पहले दो क्वार्टर में भारत और जापान की टीम कोई गोल नहीं कर सकी थी। हाफटाइम तक स्कोर 0–0 रहा था। दूसरे हाफ यानी तीसरे और चौथे क्वार्टर में भारत ने गोल की बौछार कर दी। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अभिषेक ने दो–दो गोल दागे। वहीं, मनदीप सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह ने एक–एक गोल किया। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत से ही भारत ने जापान के खिलाफ काउंटर अटैक जारी रखा। इसका फायदा टीम इंडिया को 32वें मिनट में मिला, जब मनदीप सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। इस तरह भारतीय टीम 1–0 से आगे हो गई। इसके तीन मिनट बाद ही यानी 35वें मिनट में अभिषेक ने भारत के लिए दूसरा गोल दागा। इसके बाद 39वें मिनट में विवेक सागर प्रसाद ने पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर स्ट्रोक से गोल दाग भारत को 3–0 से आगे कर दिया। 43वें मिनट में अभिषेक ने मैच का अपना दूसरा और भारत के लिए चौथा गोल दागा। चौथे और आखिरी क्वार्टर के शुरुआती मिनट में ही कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से बेहतरीन गोल दागा और भारत को 5–0 से आगे कर दिया। इसके बाद आखिरी तीन मिनट में भारत ने तीन गोल दागे। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान मनप्रीत सिंह ने 58वें मिनट में गोल किया। वहीं, इसी मिनट भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल हुआ। कप्तान हरमनप्रीत ने ड्रैग फ्लिक से इसे गोल में बदलकर भारत को 7–0 से आगे कर दिया। 59वें मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल कर भारत को 8–0 से आगे कर दिया। जापान कोई गोल नहीं कर सका और टीम इंडिया ने 8–0 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत अब नौवें से 12वें स्थान के क्लासिफिकेशन के लिए मैच खेलेगा। वहीं, जापान को 13वें से 16वें स्थान के लिए मैच खेलना होगा। भारत ने इस जीत के साथ यह भी तय किया कि टीम का यह सबसे खराब विश्व कप नहीं होगा। जापान के खिलाफ हार से मेजबान टीम को 13वां–16वां क्लासिफिकेशन मैच खेलने के लिए मजबूर होना पड़ता, लेकिन अब जीत से टीम नौ से 12वें स्थान के लिए दांव पेश करेगी। इससे पहले हॉकी विश्व कप के 14 संस्करण खेले जा चुके हैं। इनमें से भारत का सबसे खराब प्रदर्शन 1986 में लंदन में हुए विश्व कप में रहा था। तब भारतीय 12वें यानी सबसे आखिरी स्थान पर रही थी। नौवें से 12वें स्थान के लिए क्लासिफिकेशन मैच में एक और जीत से भारत के पास टॉप–10 में जगह बनाने का मौका होगा।

सूर्यकुमार यादव किसी भी खिलाड़ी की तुलना में बेहतर : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली।
आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारत के इन–फॉर्म मध्य क्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि दाएं हाथ का बल्लेबाज किसी भी खिलाड़ी की तुलना में बेहतर कर रहे हैं। टी20 में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार को हाल ही में आईसीसी टी20 क्रिकेटर आफ द ईयर 2022 के विजेता बने थे, जो अपने आश्चर्यजनक 360–डिग्री के साथ प्रारूप में एक वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने थे। वह 2022 में टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 46.56 की औसत से 187.43 की बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 1,164 रन बनाए। उन्होंने 2022 में 68 छक्के लगाए, जो किसी भी खिलाड़ी की तुलना में बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा, वह शायद अभी तक किसी से भी बेहतर कर रहे हैं। हम उन खिलाड़ियों के बारे में बात कर रहे है, जो 360 डिग्री स्कोर कर सकते हैं। कुछ ऐसे शॉट जो वह विकेटकीपर के पीछे और फाइन लेग पर मारते हैं, वे उल्लेखनीय हैं। आईसीसी रिव्यू शो के नवीनतम एपिसोड में पोंटिंग ने कहा, पांच या छह साल पहले, उन्होंने आईपीएल में बहुत कुछ करना शुरू कर दिया था। वह गेंद को डीप–बैकवर्ड स्क्वायर पर फ्लिक करने और गेंद को फाइन–लेग पर मारने में बहुत अच्छा था। सूर्य सभी शॉर्ट गेंदों को हिट करने में सक्षम हैं। सूर्यकुमार ने आस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप में 59.75 के शानदार औसत और 189.68 के शानदार स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए थे, जिसमें दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नीदरलैंड के खिलाफ मैच–टेम्पो बदलते अर्धशतक शामिल थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है उनसे बेहतर खिलाड़ी मैंने नहीं देखा है। दुनिया भर में टी20 खेल में अपने कौशल से कुछ भी करने का हौसला रखते हैं। पोंटिंग ने कहा, इस साल (2023 में होने वाले) आईपीएल के दौरान किसी ने कहा था कि ऐसे खिलाड़ी होंगे जो ठीक वैसा ही करने की कोशिश करेंगे जैसा सूर्य कर रहे हैं और यह खेल के लिए बहुत अच्छा होगा। रांची में शुरू होने वाले न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के तीन टी20 मैचों के साथ, सूर्यकुमार अब नवंबर 2020 में इंग्लैंड के बाएं हाथ के डेविड मलान द्वारा बनाए गए 915 अंकों के रिकॉर्ड के करीब हैं।पोंटिंग ने यह भी कहा कि वर्तमान समय सूर्यकुमार के लिए अब तक का सबसे अच्छा समय है।

रवींद्र जडेजा ने रणजी मैच में 8 विकेट लिए: तमिलनाडु को 133 पर ऑलआउट किया; एक फरवरी को उनकी फिटनेस पर अंतिम फैसला

नई दिल्ली।
भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी मैच में तमिलनाडु के खिलाफ 8 विकेट झटक लिए हैं। पहली पारी में उन्हें एक ही विकेट मिला। लेकिन, दूसरी पारी में उन्होंने 7 विकेट लेकर तमिलनाडु को 133 रन पर ऑलआउट कर दिया। रणजी ट्रॉफी मैच में वह सौराष्ट्र की कप्तानी कर रहे हैं। आखिरी दिन उनकी टीम को जीत के लिए 262 रन की जरूरत है। जडेजा इंजरी के चलते पिछले साल अगस्त से भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल सके हैं। अब रणजी ट्रॉफी मैच के बाद उनकी फिटनेस देखी जाएगी। अगर वे फिट हुए तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेंगे। उनकी फिटनेस पर बीसीसीआई एक फरवरी को फैसला लेगा। ऑलराउंडर जडेजा घुटने में चोट के चलते पिछले साल अगस्त से भारत के लिए क्रिकेट नहीं खेल सके। रवींद्र जडेजा ने 31 अगस्त 2022 को हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ आखिरी बार भारत के लिए टी–20 मैच खेला था। एनसीए में उन्होंने 6 महीने तक फिटनेस रिकवर की और अब 24 जनवरी को तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में सौराष्ट्र की कप्तानी करने उतरे। पहली पारी में उन्हें एक ही विकेट मिला। लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने 53 रन पर 7 विकेट लेकर तमिलनाडु को 133 पर ऑलआउट कर दिया। सौराष्ट्र को जीत के लिए 262 रन की जरूरत है। मंगलवार को टॉस जीतकर तमिलनाडु ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 324 रन बना दिए। उनके लिए 3 बैटर्स ने फिफ्टी जड़ी। जवाब में सौराष्ट्र की टीम पहली पारी में 192 रन ही बना सकी। टीम से एक भी फिफ्टी नहीं आई, वहीं कप्तान जडेजा भी 15 रन ही बना सके। तीसरी पारी में सौराष्ट्र ने 36 ओवर में ही तमिलनाडु को 133 पर समेट दिया। रवींद्र जडेजा ने 7 विकेट लिए। 266 रन के टारगेट का पीछा करते हुए सौराष्ट्र ने 4 रन पर एक विकेट गंवा दिया है। आखिरी दिन टीम को जीत के 262 रन चाहिए, उनके 9 विकेट ही बाकी है। ओपनर हार्विक देसाई और नाइट वॉचमैन चेतन सकारिया नाबाद हैं। मैच के बाद एनसीए में जडेजा की फिटनेस देखी जाएगी। अगर वे फिट रहें तो एक फरवरी तक उनके खेलने पर आखिरी फैसला लिया जाएगा। भारत को 9 फरवरी से नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज का पहला मैच खेलना है।

भारत –19 विमेंस टी–20 वर्ल्ड कप के फाइनल में : न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया, अब इंग्लैंड–ऑस्ट्रेलिया के विजेता से मुकाबला

नई दिल्ली।
भारतीय लड़कियों ने अंडर–19 विमेंस टी–20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हरा दिया। अब फाइनल में उसका सामना इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की विजेता टीम से होगा। दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। पोचेस्ट्रूम में शुक्रवार को पहले सेमीफाइनल में भारत ने टॉस जीता और गेंदबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 107 रन बनाए। निताशा 3 रन बनाकर नाबाद लौटीं। इससे पहले जॉर्जिया प्लिमर ने 35 और इसाबेला जार्ज 26 रन बनाकर आउट हुई।भारत के लिए पार्शवी चोपड़ा ने 3 विकेट लिए। भारतीय टीम ने 108 रनों का टारगेट 14.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्वेता (61 रन) ने मैच जिताऊ पारी खेली। उनके अलावा सौम्या तिवारी ने 22 और कप्तान शेफाली वर्मा ने 10 रन का योगदान दिया। भारतीय टीम की ओर से श्वेता सेहरावत (61 रन) ने हाफ सेंचुरी जमाई। इस पारी के साथ ही श्वेता टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बन गई हैं। उनके बल्ले से अब तक तीन अर्धशतक समेत 292 रन आए हैं। इंग्लैंड की ग्रेस स्क्रिवेंस 269 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। ग्रेस के पास दूसरे सेमीफाइनल में श्वेता से आगे निकले का मौका है।

ऐसे गिरे भारत के विकेट हला: चौथे ओवर की तीसरी बॉल पर कप्तान शेफाली वर्मा को ब्राउनिंग ने प्लिमर के हाथों कैच कराया। दूसरा : 13वें ओवर की दूसरी बॉल पर ब्राउनिंग ने सौम्या तिवारी को बोल्ड कर दिया। ऐसे गिरे न्यूजीलैंड के विकेट पहला: दूसरे ओवर की तीसरी बॉल पर मन्नत ने एना ब्राउनिंग को पहले स्लिप में सौम्या तिवारी के हाथों कैच कराया। दूसरा : तीता साधु ने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर एमा मैकलियोड को आउट कर दिया। तीसरा : पार्शवी चोपड़ा ने 7वें ओवर की 5वीं बॉल पर इजाबेल गेज को आउट किया। चौथा: पार्शवी चोपड़ा ने 11वें ओवर की पहली गेंद पर कप्तान इजी शार्प को ऋषिता बसु के हाथों कैच कराया। पांचवां : पार्शवी चोपड़ा ने 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर एमा इरविन को ऋषिता बसु के हाथों कैच कराया। छठा : केट इरविन को शेफाली वर्मा ने 16वें ओवर की पहली गेंद पर मन्नत कश्यप के हाथों कैच कराया। सातवां : जॉर्जिया प्लिमर को अर्चना देवी ने 17वें ओवर की 5वीं बॉल पर चोपड़ा के हाथों कैच कराया। आठवां : पेड लोगेनबर्ग रन आउट हो गईं। उन्हें बसु ने चलता किया। नौवां : पारी की आखिरी बॉल पर केली नाइट को श्वेता सहरावत ने रन आउट किया। भारत : शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत, सौम्या तिवारी, जी तृषा, ऋचा घोष , ऋषिता बसु, तीता साधु, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, सोनम यादव न्यूजीलैंड : एमा मैकलियोड, एना ब्राउनिंग, जॉर्जिया प्लिमर, इसाबेला गेज़, इज़ी शार्प , एमा इरविन, केट इरविन, पेड लोगेनबर्ग, नताहसा कोडायरे, केली नाइट, अबीगैल हॉटन।

रेसलर–डब्लूएफआई अध्यक्ष विवाद : कमेटी की जांच का अता–पता नहीं

फोगाट-पूनिया बोले- मेडल लाने पर पूरे देश के, अब हरियाणा-UP किया जा रहा

पानीपत।
भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर लगे यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए गठित की गई कमेटी को 5 दिन हो गए हैं। मगर, क्या जांच चल रही है यह किसी को नहीं पता है। आरोप लगाने वाले रेसलर्स साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया भी इस पर सवाल उठा चुके हैं। वहीं बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट ने ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने एक वीडियो शेयर की है। वीडियो में कहा गया है कि खिलाड़ी जब मेडल लाते हैं तो वे पूरे भारत के हो जाते हैं। जब वे उत्पीड़ित होते हैं तो यह हरियाणा–उत्तर प्रदेश का मामला हो जाता है। क्या यह देश का मामला नहीं होना चाहिए इसको बांटने का भी काम किया जा रहा है। जात के नाम पर बांटने का काम किया जा रहा है। क्या–क्या खेल नहीं खेला जा रहा है। एक ट्रेंड चलाया जा रहा है कि बृजभूषण नहीं, तो भाजपा नहीं। क्या मतलब है कि बृजभूषण नहीं होगा तो भाजपा खत्म हो जाएगी। जिन छौरियां नै, समाज तै ऊपर उठ के, देश का मान बढ़ाया। आज उन पै कुछ लोगों ने सवाल खड़े कर दिए। डर इस बात का कोणी के पहलवान रोण लाग्ये। डर इस बात का है कि उस बाहुबली खातर आज म्हारे खिलाड़ियों के मैडल फीके कर दिए (जिन लड़कियों ने समाज से ऊपर उठकर देश का मान बढ़ाया है, आज उन पर सवाल खड़े कर दिए। डर इस बात का नहीं है कि पहलवान रोने लग गए। डर इस बात का है कि उस बाहुबली के लिए आज हमारे खिलाड़ियों के मेडल फीके कर दिए)।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने 20 जनवरी को डब्लूएपफआई अध्यक्ष के खिलाफ धरना देने वाले पहलवानों के साथ नई दिल्ली में अपने सरकारी आवास पर मीटिंग की थी। देर रात तक चली इस मीटिंग के बाद अनुराग ठाकुर ने पहलवानों के साथ मीडिया के सामने आकर कहा कि खेल मंत्रालय पूरे विवाद की जांच के लिए कमेटी बनाएगा जो 4 हफ्ते में रिपोर्ट देगी। कमेटी की जांच पूरी होने तक बृजभूषण सिंह डब्लूएपफआई का कामकाज नहीं देखेंगे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन, 23 जनवरी को अनुराग ठाकुर ने पांच मेंबरी ओवरसाइट कमेटी बनाने की जानकारी देते हुए उसके सदस्यों के नाम का ऐलान किया। कमेटी का प्रमुख विश्व चैंपियन मुक्केबाज मैरी कॉम को बनाया गया जबकि इसके सदस्यों में ओलंपिक मेडल विजेता रेसलर योगेश्वर दत्त, द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित तृप्ति मुरगुंडे, राजगोपालन और राधा श्रीमन शामिल हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह कमेटी डब्लूएपफआई का कामकाज देखेगी। अब पहलवानों ने खेल मंत्रालय की इसी ओवरसाइट कमेटी के गठन को लेकर किसी तरह की कोई चर्चा न किए जाने पर सवाल उठाए हैं।

18 जनवरी को रेसलर्स ने दिल्ली जंतर–मंतर पर धरना शुरू कर दिया। जिसमें विनेश फोगाट ने रोते हुए आरोप लगाए कि फेडरेशन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कोच नेशनल कैंप में महिला रेसलर्स का यौन उत्पीड़न करते हैं। कुछ कोच तो सालों से यौन उत्पीड़न करते आ रहे हैं। बृजभूषण खिलाड़ियों के होटल में रुकते थे। जो नियमों के खिलाफ है। यहां तक कि उसी फ्लोर पर अपना कमरा रखते थे, जहां महिला पहलवान ठहरी होती हैं। वे जानबूझकर अपना कमरा खुला रखते थे। टोक्यो ओलिंपिक में हार के बाद डब्लूएपफआई के अध्यक्ष ने मुझे खोटा सिक्का कहा। मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मैं हर दिन खुद को खत्म करने के बारे में सोचती थी।

बिना चेहरे वाली गुड़िया...

डॉमिनिक गणराज्य स्थित कैरिबियन द्वीप के प्रतीकों में से एक बिना चेहरे की गुड़िया है। विभिन्न प्रकार के कपड़े पहनने वाली यह गुड़िया विभिन्न प्रकार के पदार्थों जिनमें चीनी मिट्टी के बर्तन से लेकर नारियल के रेशे तक से और विभिन्न प्रकार के रंगों की चिकनी मिट्टी से बनाई जाती है। हालांकि, कैरिबियन गुड़िया का चेहरा होता है लेकिन उसके नैन-नक्श नहीं होते। डॉमिनिक गणराज्य में दुनिया के विभिन्न हिस्से के लोग हैं। इनमें कुछ लोग स्पेनिश, कुछ फ्रेंच और अन्य अफ्रीकी मूल के हैं, इनके अलावा कई संस्कृतियों और क्षेत्रों के हैं। एक समावेशी समाज के प्रतीक हेतु, सभी के लिए स्वीकृति प्रदर्शित करने के लिए, यह गुड़िया सभी को गले लगाने वाली संस्कृति के लिए है, यह प्रतिनिधित्व करती है कि इतने अलग-अलग लोग एक बड़ा परिवार बनाते हैं। यह समझना कि सारे प्राणी मौलिक रूप से समान है जिनकी आशाएं और आकांक्षाएं समान हैं, शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के लिए सभी परंपराओं की आधार शिक्षा बन गया। विभिन्न धर्मों में इसे अलग तरह से व्यक्त किया गया। जैन धर्म में कहा गया है कि जो एक को जानता है, वह सबको जानता है। हिंदू धर्म में कहा गया है- यत पिंदे तत ब्रह्मंगे यानी जो अणु में है वह दुनिया में है। बौद्ध धर्म प्रत्येक जीवित प्राणी में बुद्ध को देखता है और ईसाई धर्म में सभी प्राणी एक ही ईश्वर की संतान हैं। पैगंबर मोहम्मद जब लेटे हुए थे उन्होंने एक जनाजा गुजरते हुए देखा। वे फौरन उठ खड़े हुए। उनके अनुयायियों में से किसी ने कहा- जिसकी मौत हुई है, वह मुसलमान नहीं था। बिना चेहरे वाली कैरिबियन गुड़िया इस बात की याद दिलाती है कि रंग और दिखावट के बाहरी अंतर का अर्थ कुछ नहीं होता, जो मायने रखता है वह यह है कि आप अंदर से क्या हैं।

दूसरों के सुख से दुखी क्यों?

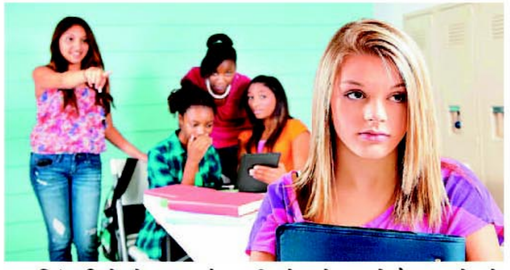

जिंदगी में दो प्रकार के दुखी लोग हो सकते हैं-एक वे जो अपने दुःख के कारण दुखी हैं और दूसरे वे जो दूसरों के सुख के कारण दुखी हैं। पहले वाले लोग सहानुभूति के पात्र हो सकते हैं और दूसरे वाले लोग भी सहानुभूति के पात्र मगर उनके संदर्भ बदल जाएंगे। किसी इंसान को अपने दुःख के कारण दुःख हो तो बात समझ में आती है और अगर उसे दूसरों के सुख को देख कर दुःख होता हो तो एक बात मन में आती है कि वह इंसान कहीं ईर्ष्या और द्वेष की भावनाओं का शिकार तो नहीं है। दूसरे हम से ज्यादा सुखी हैं, दूसरों की बढ़ती तरक्की हमें दिखाई दे रही है; अच्छी बात है, मगर हमें तकलफ क्यों हो रही है ? अगर हमें दूसरों की खुशहाली को देख कर ज्यादा तकलीफ हो रही है तो इसका अर्थ कुछ यह होता है की हमारी सोच में कहीं कुछ गड़बड़ी है और यहीं से शुरुआत होती है अपने आप में सुधार करने की। कहते हैं कि सुख बांटने से बढ़ता है। दूसरों को सुखी देखने की कामना भी शायद अपना सुख बढ़ाने की एक तरकीब है। दूसरों की खुशहाली की कामना हमें दूसरों के सुख से दुखी होने से रोकेगी। हम दूसरों को दुःख देना चाहेंगे तो हमारे मन में वही विचार रहेंगे। जिंदगी में कई बार कई सवालों के उत्तर नहीं मिलते और कई बार कई सवालों के उत्तर कुछ सवालों से मिल जाते हैं। कभी-कभी जब इंसान ज्यादा दुखी हो तो उसे खुद से कई सवाल पूछना चाहिए। हम किससे दुखी है? दूसरों के सुख से या अपने दुःख से? दूसरों को सुखी देखकर हमें दुःख होता है या तकलीफ होती है तो कहीं हम अपनी सुख शांति तो नष्ट नहीं कर रहे? किसी को सुखी देखकर हमको दुःख हुआ तो हम दुखी हो गए, कही हमने दुःख को खुद आमंत्रित तो नहीं किया? कहीं हमने दुखी होने का स्वभाव तो नहीं बना लिया? दूसरा हमसे ज्यादा सुखी है तो हमें क्या परेशानी है? हमें दूसरों के प्रति ईर्ष्या भाव रखने का क्या अधिकार है? शायद खुद से ये सवाल पूछने के बाद हमें अपने 'दुःख' से कुछ राहत मिले !

11 साल से नहीं खाया अन्न

बुलंदशहर उत्तर प्रदेश आपको सुनकर ताज्जुब होगा कि 14 साल की एक बच्ची ने बीते 11 सालों से खाना बिल्कुल भी नहीं खाया है। वह एक अनजान बीमारी की शिकार है। इस बच्ची की बत्तीसी जरा भी नहीं खुलती। लाखों रूपए खर्च होने के बाद भी अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज और एम्स के डाक्टर उसकी बीमारी का पता नहीं लगा सके हैं। बुलंदशहर के डिबाई की रहने वाली ये मासूम बच्ची रहमत कक्षा 9 की छात्रा है। रहमत इस बीमारी से निजात पाना चाहती है। बीमारी का इलाज करने वाले देश के माहिर डॉक्टरों की टीम भी इस बीमारी का इलाज नहीं बता सकी। रहमत के पिता मुहब्बत मलिक बेटी के इलाज के लिए लाखों रुपया खर्च कर चुके हैं। रहमत गुनगुना सकती है, लेकिन कई लफ्ज नहीं बोल पाती, क्योंकि उसकी जुबान दांतों के पीछे कैद है। दांतों के जकड़े होने के कारण वह कुछ खा नहीं सकती। पिछले 11 सालों से वह दूध-चाय व अन्य पेय पदार्थों पर जीवित है। रहमत जब महज तीन साल की थी, तब से उसका मुंह खुलना ही बंद हो गया। अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने उसका 6 साल तक इलाज किया। साथ ही उसकी सर्जरी भी की गई, लेकिन उसका मुंह नहीं खोला जा सका। इसी दौरान उसके गले में गांठ हो गई। उसे दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया, लेकिन 2 साल की टेस्टिंग के दौरान डॉक्टर उसकी गांठ नहीं निकाल सके।

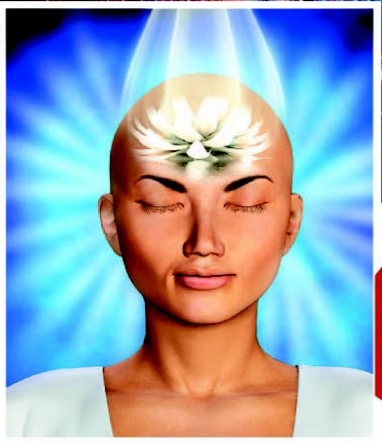

आध्यात्मिक साधना का अर्थ है-भीतर की यात्रा। अध्यात्म का अर्थ है-आत्मा के भीतर। आत्मा के बाहर-बाहर हम यात्रा कर रहे हैं। अतीत से कर रहे हैं। कभी भीतर जाने का अवकाश ही नहीं मिला। हम मानते हैं दुनिया में जो कुछ सार है वह बाहर ही है भीतर कुछ भी नहीं। वास्तविकता यह है कि जो भीतर की यात्रा कर लेता है उसे बाहर का सत्य असत्य जैसा प्रतिभासित होने लगता है।

शिव बनकर शिव का अनुभव करो...

आप बगीचे में विभिन्न रूप रंगों के पुष्प देखते हैं। पुष्पों का रंग रूप और सौरभ महसूस कर जान लेते हैं कि यह अमुक फूल है। वर्ण, गंध, रस और स्पर्श से हम वस्तु को जान लेते हैं। प्रश्न होता है- फूल क्या है ? फूल का रंग-रूप फूल नहीं है, फूल की सुगंध फूल नहीं है, फूल के गुणों से फूल को पहचानते हैं पर फूल के गुण तो फूल नहीं है। वह क्या है जिसके आधार पर फूल के ये गुण टिके हुए हैं? जो हम जान रहे हैं, बता रहे हैं, वे सब तरंगें हैं, सागर नहीं है। तो फिर फूल का मूल क्या है ? आध्यात्म खोज रहा है, विज्ञान खोज रहा है, इस मूल को। इसी मूल को खोजने में धर्म का जन्म हुआ, अध्यात्म का विकास हुआ। एक यक्ष प्रश्न है-'किमाश्चर्यं मतः परम' अर्थात् सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है ? हम अपने आपको नहीं जानते यही सबसे बड़ा आश्चर्य है। हजारों वर्षों से आदमी के सामने प्रश्न है - कोऽहम् मैं कौन हूं।' 'मैं कौन हूं' इस प्रश्न के अन्वेषण में आदमी ने अपने अस्तित्व की कई परतें उघाड़ी। उसे प्रतीत हुआ-मेरा यह शरीर मैं नहीं है, मेरी इन्द्रियां, मेरी बुद्धि मैं नहीं है। एक बिंदु आया, एक अंतिम ठहराव आया, साधक के अनुभव में, वह अनुभव था, 'सोऽहम' 'मैं हूं' मेरे सिवाय अन्य किसी वस्तु का अस्तित्व नहीं है। अध्यात्म की यात्रा 'कोऽहम्' से प्रारंभ हुई और 'कोऽहम्' पर सम्पूर्ण हुई। अनंतकाल से बेटा खोज रहा है अपने परम पिता को और परमपिता बेटे के हृदय में बैठा-बैठा मुस्करा रहा है तथा कह रहा है-यह रहा मैं।

जीवन कैसे बदलें

आज मूल प्रश्न है-आदमी का जीवन कैसे बदले ? आदमी को परम शांति और परमानंद की प्राप्ति कैसे हो ? आदमी को बदलने के लिए अध्यात्मिक यात्रा परमावश्यक है। आध्यात्मिक साधना का अर्थ है-भीतर की यात्रा। आध्यात्म का अर्थ है-आत्मा के भीतर। आत्मा के बाहर-बाहर हम यात्रा कर रहे हैं। अतीत से कर रहे हैं। कभी भीतर जाने का अवकाश ही नहीं मिला। हम मानते हैं दुनिया में जो कुछ सार है वह बाहर ही है भीतर कुछ भी नहीं। वास्तविकता यह है कि जो भीतर की यात्रा कर लेता है उसे बाहर का सत्य असत्य जैसा प्रतिभासित होने लगता है। जैसे दिन भर का थका हुआ पक्षी अपने घोंसले में आकर विश्राम करता है वैसे ही बहिर्मुखी प्रवृत्तियों से त्रस्त आदमी कहीं विश्राम ले सके; कहीं शान्ति का अनुभव कर सके वह स्थान हो सकता है-केवल अध्यात्म, केवल भीतर का प्रवेश। साधना करते-करते अनुभव की चिन्गारियां उछलती हैं, अनुभव के स्फुलिंग बिखरते हैं, तब आदमी यह घोषणा करता है-बाहर निस्सार है, भीतर सार है। हमने भीतर को खोया-सब असार हाथ लगा। हमने भीतर को पाया-सब सार ही सार प्रतीत हुआ।

लक्ष्य सभी का एक

उपनिषद् कहते हैं। 'शिवो भूत्वा शिवं यजेत' शिव बनकर शिव का अनुभव करो। अर्थात आत्मा के द्वारा आत्मा को देखो। बुद्ध कहते हैं-'अप्प दीपो भव'। महावीर कहते हैं 'संपेक्खिए अप्प गमप्यएण' आत्मा के द्वारा आत्मा को देखो। बाइबिल कहती है 'फादर, मेक माय द आई, मेक माय द लाइट।' कुरान कहती है, 'मेरे खुदा, तेरे नूर की रोशनी इस बंदे में भर दे।' सभी घोषणाएं एक ही गन्तव्य की ओर संकेत कर रही हैं। वीथिकाएं, पगडंडियां अलग-अलग हो सकती हैं पर लक्ष्य सबका एक ही है और वह लक्ष्य है-आत्मा का साक्षात्कार या आत्मा की अनुभूति। आत्मा की अनुभूति के बिना आदमी का आमूल-चूल रूपान्तरण संभव नहीं है। आत्मानुभूति के लिए एक ठोस, वैज्ञानिक एवं प्रामाणिक मार्ग चाहिए, एक सिस्टेमेटिक टेक्नीक चाहिए, एक विश्वसनीय पद्धति चाहिए।

सत्ता प्रकाश की है

आप क्रोध को रोकना चाहते हैं पर रूकता नहीं अपितु रोकने के प्रयास में वह उग्र हो जाता है। हम क्रोध को रोक नहीं रहे हैं, क्रोध से कुश्ती लड़ रहे हैं। जितनी बार हमारी क्रोध से कुश्ती होती है, हम पराजित होते हैं। क्रोध और प्रबल हो जाता है और हम निर्बलतर हो जाते हैं। अध्यात्म यह कहता है-अंधकार को समाप्त करने के लिए अंधकार से लड़ने की क्या आवश्यकता है। अंधकार से लड़ा नहीं जाता। जिसकी सत्ता ही नहीं उससे लड़ाई कैसे होगी? सत्ता तो प्रकाश की है। प्रकाश के अभाव का नाम, अनुपस्थिति का नाम अंधकार है। प्रकाश कर लिया जाए तो अंधकार मिट जाता है। प्रकाश आ जाए तो अंधकार नहीं है। अशान्ति भी अभाव है, दुःख भी अभाव है, घृणा भी अभाव है। घृणा है प्रेम की अनुपस्थिति। प्रेम बढ़े, प्रेम जगे, प्रेम गहरा हो तो घृणा विलीन हो जाएगी। असत्य सत्य की अनुपस्थिति है। सत्य बढ़े, सत्य विकसित हो तो असत्य क्षीण हो जाएगा। अशान्ति शान्ति की अनुपस्थिति है। शान्ति जगेगी, शान्ति बढ़ेगी, अशान्ति विदा हो जाएगी। आवश्यकता है विधायक पक्ष को उभारने की, बाहर लाने की। ज्यों ही विधायक पक्ष उभरेगा, निषेधात्मक पक्ष विदा हो जाएगा। विधायक पक्ष को सबल करने के लिए साधना की आवश्यकता है।

खुद को ही करना है उद्धार

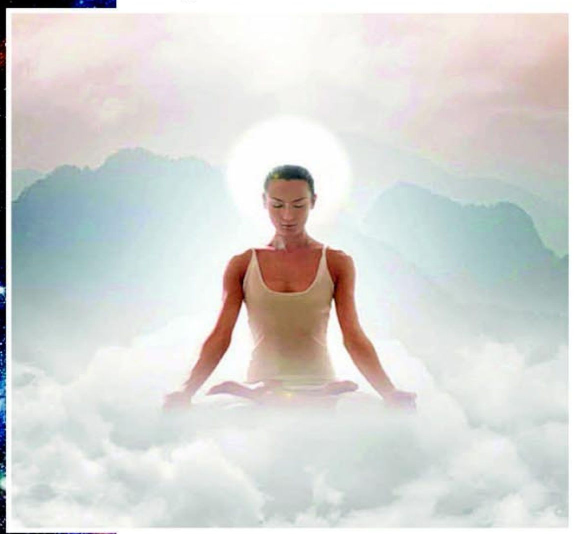

मनुष्य योनि से पूर्व की सभी योनियां प्रकृति एवं महाकाल के विधान पर आश्रित हैं। उनको कुछ करने कराने की आवश्यकता नहीं है। वे तो तैरती रहती हैं, बहती हैं। उन्हें अपने उद्धार करने की कोई चेष्टा नहीं करनी है। उनकी पदोन्नति तो उर्ध्व मुखी, सीधी एवं सरल है। मनुष्य योनि में स्वकृत कर्मों का फल भोगना होता है। यहां कर्म की गति वक्र, चक्राकार एवं अनन्त वैचित्रयमयी हो जाती है। मनुष्य को अपना उद्धार स्वयं का ही करना होता है। अतः उपनिषद् कहता है, 'उद्धेदात्मनात्मानम्' अपना उद्धार स्वयं को ही करना है। प्रश्न है, यह उद्धार कैसे संभव है? उद्धार के लिए वैराग्य भाव चाहिए या अभ्यास चाहिए। वैराग्य का अर्थ है जो पूर्णतया राग मुक्त हो गया हो। जो जीतने की कामना करता है उसे ही हार का भय सताता है।

कैसे मिले वैराग्य

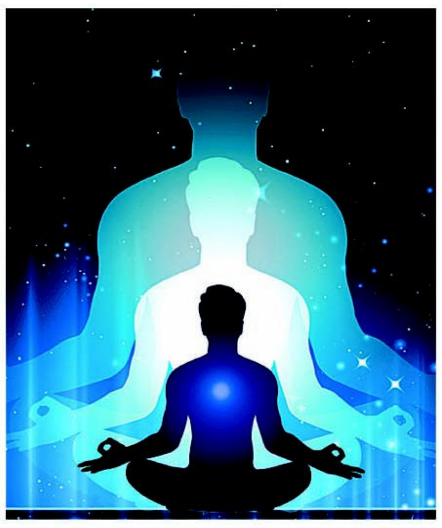

वैराग्य का अर्थ है-पूर्ण अनासक्ति। वैराग्य में केवल अनुराग बचता है और सब छूट जाते हैं। पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए वैरागी होना संभव नहीं है। वैराग्य या तो प्रारब्ध कर्मवशात् उत्पन्न होता है या फिर अभ्यास के द्वारा प्राप्त हुई अनुभूति के कारण पैदा होता है। बूढ़े, रूग्ण और मृत व्यक्तियों को हम देखते ही हैं पर हमसे से कितनों को वैराग्य होता है पर बुद्ध ने ज्यों ही बीमार, बूढ़े और मृत को देखा, वैराग्य हो गया। तुलसीदास ने अपनी पत्नी की एक झिड़की पर ही संसार से मुख मोड़ लिया। निमित्त पाकर प्रारब्ध कार्य जागे, वे प्रभु प्रेम में लीन हो गए। भर्तृहरि को उनकी पत्नी ने धोखा दिया, वे अलख जगाने राजमहल से निकल पड़े। ऐसे हजारों उदाहरण आध्यात्मिक इतिहास में मिल जाएंगे, जब एक छोट सा निमित्त पाकर व्यक्ति वैरागी हो गया। समाधान यही मिलता है कि वैराग्य भाव प्रारब्ध कर्मजन्य है तो फिर बचता है अभ्यास। अभ्यास हर व्यक्ति , जो रूचि रखता है, कर सकता है। अभ्यास का अर्थ है-पुरुषार्थ। पुरुषार्थ का अर्थ है-वर्तमान में जीना। महावीर ने कहा है-'खणं जाणिए पंडिए'-साधक तुम क्षण हो जानो' क्षण को जानना ही पुरुषार्थ है। हम या तो भूतकाल में जीते हैं या फिर भविष्य में। वर्तमान में जीना हमें नहीं आता।

आध्यात्मिकता का द्वार...

यह सच है कि संगीत और आध्यात्मिकता आपस में जुड़े हुए नहीं हैं। बात बस इतनी है कि किसी भी काम में अगर आप पूरी तरह से डूब जाते हैं, उसमें पूरी तन्मयता से शामिल होते हैं, तो आध्यात्मिक प्रक्रिया वहीं शुरू हो जाती है। सबसे पहले तो यह समझ लें कि आध्यात्मिक प्रक्रिया है क्या। किसी भी चीज को सतही तौर पर जानना, सांसारिकता है, और उसे ही गहराई तक जानना, आध्यात्मिकता है। फर्श पर झाड़ू लगा कर भी आप आध्यात्मिक हो सकते हैं। आपका सांस लेना भी आपको आध्यात्मिक बना सकता है। उस लिहाज से आप संगीतवाद्य बजा कर भी आध्यात्मिक हो सकते हैं। बहुत-से लोगों ने आध्यात्मिक प्रक्रिया और संगीत दोनों को जाना है, लेकिन इसलिए नहीं कि वे आपस में जुड़े हुए हैं। हो सकता है आप कोई वाद्य-यंत्र बजाना जानते हों, लेकिन अगर उसमें आप पूरी तरह डूबे नहीं है, तो उसे आप ठीक से नहीं बजा पाएंगे। अगर आप पूरी तरह से उससे जुड़े हैं, तभी आप कुछ सार्थक संगीत बजा पाएंगे। इस स्तर का जुड़ाव अगर हो, तो आपके लिए आध्यात्मिकता का द्वार खुलेगा ही। कोई और रास्ता नहीं है। अगर आप पूरी तरह मग्न हो कर फर्श पर झाड़ू भी लगाएंगे, तो यह द्वार खुल जाएगा। आपको कोई संगीतवाद्य सीखने की भी जरूरत नहीं।

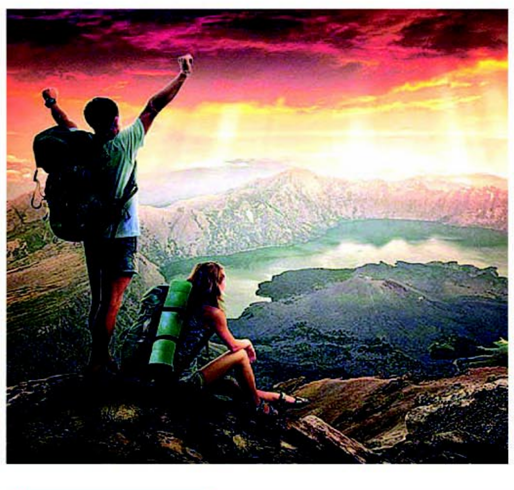

एक प्रसंग

एक आदमी ने नया- नया गिटार बजाना सीखा जिसे वह किसी को सुनाना चाहता था। लेकिन उसको स्टेज या कोई श्रोता नहीं मिला। वह तो बस गिटार बजाना चाहता था। आखिरकार वह अपने नेक इरादे के साथ एक वृद्धालय में गया। वहां एक बहुत बूढ़ा और बीमार आदमी बिस्तर पर पड़ा हुआ था। वह उसके पास जा कर बैठ गया। उस बूढ़े आदमी को एक भेंट देने के भाव से उसने आधे घंटे तक गिटार बजाया। फिर जब उसको लगा कि उसने एक बड़ा नेक काम पूरा कर दिया है, तो उसने खड़े हो कर उस बूढ़े आदमी की ओर देखा, जिसकी सांस धौंकनी की तरह चल रही थी। उसने बड़े ही विनम्रता से कहा, उम्मीद करता हूं, अब आप बेहतर हो जाएंगे। बूढ़े आदमी ने उसको इशारे से पास आने को कहा। जब वह पास आया, तो बूढ़े आदमी ने कहा, उम्मीद करता हूं, तुम भी बेहतर हो जाओगे !

पूरी तल्लीनता

आध्यात्मिक प्रक्रिया जिंदगी के किसी एक खास पहलू से जुड़ी हुई नहीं है। या तो आपके लिए हर कण आध्यात्मिकता का एक द्वार है या फिर आपके लिए यह आयाम ही नहीं खुलता। आध्यात्मिक प्रक्रिया मंत्रों के जाप, ध्यान या गिटार बजाने या ऐसी ही किसी चीज से जुड़ी हुई नहीं है। ये काम ऐसे हैं, जिनको बिना पूरी तल्लीनता के किया ही नहीं जा सकता; इसी कारण से इन गतिविधियों को आध्यात्मिक प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। वरना आध्यात्मिकता के लिए ऐसी किसी चीज की जरूरत नहीं। अगर आप यहां पूरी तल्लीनता से बैठे रहें, इतना कि आप अपना आपा खो दें, आप बिल्कुल रिक्त हो जाएं, तो फिर आप जो भी काम करेंगे वही एक आध्यात्मिक प्रक्रिया होगी। वरना कोई भी काम आध्यात्मिक प्रक्रिया नहीं है।

प्रार्थना से बेहतर

स्वामी विवेकानंद ने कहा था प्रार्थना करने से ज्यादा फुटबाल को किक मारते समय आप ईश्वर के अधिक करीब होते हैं। क्योंकि जब तक आप पूरी तरह से खुद को खेल में शामिल नहीं करेंगे, आप फुटबाल को किक नहीं मार सकते। यह पूरी तरह से शामिल होने का नतीजा है, किसी विशेष गतिविधि का नहीं, कि आपके लिए यह द्वार खुलता है। अगर आप संगीत में बहुत अच्छे हैं, तो जरूर बजाइए।

इनकी भी होती है एक्सपायरी डेट...

जब भी मेडिसिन की बात आती है तो लोग उसकी एक्सपायरी डेट चैक करते हैं, लेकिन उन चीजों का क्या जिन्हें आप एक्सपायरी डेट के बाद भी इस्तेमाल करते जाते हैं। जानिए, ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में जिनकी एक्सपायरी डेट होती हैं, लेकिन यह बहुत कम लोगों को पता है।

हेल्मेट

आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन कुछ सालों बाद हमें सेफ्टी देने वाला हेल्मेट भी एक्सपायर हो जाता है। अगर हेल्मेट में कोई खराबी आ गई है तो आपको उसे तुरंत बदलना चाहिए। नहीं तो हर तीन से चार साल में नया हेल्मेट ले लें। इसी तरह कार की सीट छह से दस साल में एक्सपायर हो जाती है।

शराब

यूं तो कहा जाता है शराब जितनी पुरानी होगी उतनी अच्छी होती है, लेकिन यह बात हर जगह लागू नहीं होती। खुली हुई बोतल एक साल के भीतर ही खराब होने लगती है। इसका टेस्ट बदलने लगता है। खुली हुई बोतल को ठंडी जगहों पर रखना चाहिए।

स्पोर्ट्स शूज

250 मील दौड़ने के बाद स्पोर्ट्स शूज ढीले होना शुरू हो जाते हैं। यानी हमारे ज्वॉइंट्स में अधिक दबाव पड़ रहा है। यदि आप अक्सर दौड़ने जाते हैं तो आपको 200 से 300 मील के बाद स्पोर्ट्स शूज बदल लेने चाहिए।

नहाने का ब्रश

लूफा में कुछ सप्ताह बाद बैक्टीरिया जमने लगते हैं। आठ सप्ताह के बाद नहाने वाले ब्रश को बदल देना चाहिए। इसी तरह हम लोग सालों तक पड़ी पुरानी बैंडेज का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते लेकिन क्या आपको पता है बैंडेज की भी एक्सपायरी डेट होती है। बेशक आप यह जानकर भी हैरान रह जाएंगे कि सेनेटरी नैपकिन्स की भी एक्सपायरी डेट होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**